बालाघाट
शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
कार्तिक कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 46
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 79,310.01
निफ्टी - 24,536.60
सोना - 1,54,409
चांदी - 2,10,000
डॉलर - 94.47

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

छह राज्यों में अपडेट होगी वोटर लिस्ट

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 6 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट के स्पेशल समरी रिवीजन (एसएसआर) की घोषणा की है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम शामिल हैं।

इस प्रक्रिया का मकसद योग्य मतदाताओं को सूची में शामिल करना है। इसमें खासतौर पर युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं पर ध्यान दिया जाएगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची 30 नवंबर को जारी होगी। फाइनल लिस्ट 21 जनवरी 2027 को जारी होगी। ऐसे आईआर प्रक्रिया उन लोगों से एडवांस आवेदन लेने की सुविधा भी देगी, जो 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को मतदान के योग्य यानी 18 साल के हो जाएंगे।

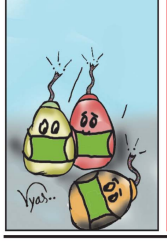
यूपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2026 का रिजल्ट जारी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। गुरुवार, 5 नवंबर को जारी नतीजों में कुल 2,526 अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी व्यक्तित्व परीक्षण (इंटरव्यू) के लिए सफल घोषित किया गया है। इस साल सिविल सेवा परीक्षा के जरिए कुल 1,016 पदों पर भर्ती की जानी है। यूपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का आयोजन 21, 22, 23, 29 और 30 अगस्त 2026 को किया गया था। परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं में चयन के लिए अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। आयोग के मुताबिक, इंटरव्यू की तारीखों की घोषणा अलग से की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण नई दिल्ली स्थित यूपीएससी कार्यालय, धौलपुर हाउस में आयोजित होंगे।

अकोईजाम के खिलाफ कठोर कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए बिमोल अकोईजाम को यौन उत्पीड़न के मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह अकोईजाम के खिलाफ कोई भी कठोर कार्रवाई न करे। साथ ही, कोर्ट ने कहा है कि अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है तो इसके लिए सात दिन पहले नोटिस देना होगा। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने सुनवाई के दौरान कहा कि अकोईजाम का पिछला रिकॉर्ड साफ है और वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। ऐसे में फिलहाल उनके खिलाफ जबरन कार्रवाई की जरूरत नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर वह जांच में सहयोग नहीं करते हैं तो दिल्ली पुलिस जरूरी निर्देशों के लिए अदालत का रुख कर सकती है।

कुछ ना कहना

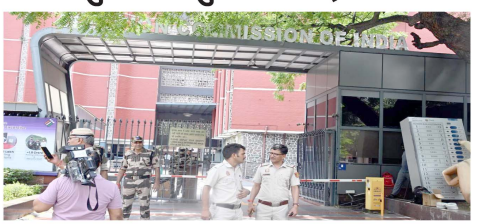


3 महीने बाद चुनाव आयोग ने बदला फैसला

फिर सौंपी वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को आईटी विभाग की निगरानी

नई दिल्ली। तीन महीने पहले चुनाव आयोग में कार्य आवंटन को लेकर उठे विवाद के बाद अब आयोग ने अपनेटॉप आईटी एजीक्यूटिव की रिपोर्टिंग व्यवस्था में बदलाव किया है। नए आदेश के तहत डायरेक्टर जनरल सीमा खन्ना को अब सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर पवन कुमार शर्मा के माध्यम से फाइलें भेजनी होंगी। इससे जुलाई में हटाई गई निगरानी व्यवस्था फिर बहाल हो गई है।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने जारी नए आदेश में आईटी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर पवन कुमार शर्मा को सौंपी है। आदेश के मुताबिक, सीमा खन्ना को संबंधित विभागों की फाइलें सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर के माध्यम से प्रस्तुत करनी होंगी। आयोग के इस कदम से आईटी विभाग पर वरिष्ठ अधिकारी की निगरानी फिर से स्थापित हो गई है।



28 जुलाई के आदेश से शुरू हुआ था विवाद

दरअसल, 28 जुलाई को जारी कार्य आवंटन आदेश में ड्रूज और ड्रूष्ट्रूज विभाग को तत्कालीन डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संजय कुमार के प्रभार से हटाकर सीमा खन्ना को सौंप दिया गया था। इस व्यवस्था के तहत खन्ना सीधे चुनाव आयोग को रिपोर्ट करने वाली थीं, जबकि पहले उन्हें उप इलेक्शन कमिश्नर के माध्यम से फाइलें भेजनी होती थीं। इस आदेश के बाद इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई को कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन को पत्र लिखकर आपत्ति जताई थी। दोनों इलेक्शन कमिश्नर का कहना था कि सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग ने आयोग की मंजूरी के बिना यह आदेश जारी किया था।

चुनाव आयोग ने कहा- लागू ही नहीं हुआ था आदेश

हालांकि, चुनाव आयोग का कहना है कि 28 जुलाई के आदेश को कभी लागू ही नहीं किया गया। आयोग के मुताबिक, दोनों इलेक्शन कमिश्नर्स की आपत्ति के बाद रिपोर्टिंग व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ था। संजय कुमार के अगस्त में आयोग छोड़ने के बाद आईटी विभाग का प्रभार लिंक अधिकारी के तौर पर मनीष गर्ग के पास रहा और सीमा खन्ना उनके माध्यम से ही फाइलें प्रस्तुत करती रहीं। गुरुवार को आयोग के एक सूत्र ने कहा कि कार्य आवंटन का आदेश आयोग के सर्वसम्मत फैसले के अनुसार है। सूत्र ने स्पष्ट किया कि डायरेक्टर जनरल (आईटी) की रिपोर्टिंग व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह हमेशा से डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर लेवल के अधिकारी को रिपोर्ट करती रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में भी उठा था मामला

इस पूरे विवाद का खुलासा 23 सितंबर को हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया था कि दोनों इलेक्शन कमिश्नर्स ने कार्य आवंटन आदेश को लेकर कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं भी दायर की गई थीं। 26 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाबी हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा था कि 28 जुलाई का आदेश अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारी मनीष गर्ग ने जारी किया था। आयोग ने हलफनामे में कहा कि 30 जुलाई को दोनों इलेक्शन कमिश्नर्स के संयुक्त निर्देश के मद्देनजर 28 जुलाई के आदेश को कभी लागू नहीं किया गया। नए आदेश के साथ चुनाव आयोग ने आईटी और आईसीटी विभाग की निगरानी व्यवस्था को औपचारिक रूप से स्पष्ट कर दिया है। सीमा खन्ना अब सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर पवन कुमार शर्मा के माध्यम से ही संबंधित विभागों की फाइलें प्रस्तुत करेंगी।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया।

राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है।



याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है। इसी बयान को आधार बनाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्रा, जो पूर्व ग्राम प्रधान और समाजसेवी हैं, ने कथित बयान के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाई थी। उनके अधिवक्ता के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत आवेदन दिए जाने के बावजूद निचली अदालत से राहत नहीं मिली। इसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ता के पक्ष ने दलील दी थी कि कथित बयान की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच और कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए।

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद...मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा

करनाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।



केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है।

दिल्ली में युवती से दुष्कर्म का आरोपी अबू धाबी से गिरफ्तार, इंटरपोल की मदद से भारत लाया गया

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी से प्रत्यर्पित कर भारत वापस लाया है। आरोपी की पहचान 38 वर्षीय सजीर पल्ली मूण्पण उर्फ सजीर पीएम के रूप में हुई है। वह केरल के कन्नूर का रहने वाला है और जॉयअलुकास कंपनी में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत था। इस कार्रवाई में दिल्ली पुलिस के साथ सीबीआई, इंटरपोल, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने सहयोग किया।

पुलिस के मुताबिक, मामला 1 अक्टूबर 2025 का है। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित एक लाउंज में कंपनी कर्मचारियों की जन्मदिन पार्टी आयोजित की गई थी। आरोप है कि पार्टी के दौरान आरोपी ने 20 वर्षीय युवती को शराब और नशीले पदार्थों का सेवन कराया। इसके बाद वह उसे करोल बाग के एक होटल में ले गया, जहां 2 अक्टूबर की सुबह उसके साथ दुष्कर्म किया। होटल में कमरा बुक कराने के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर किसी तीसरे व्यक्ति के पहचान पत्र का इस्तेमाल किया था।



पीड़िता की शिकायत पर 18 फरवरी 2026 को करोल बाग थाने में मामला दर्ज किया गया। हालांकि, आरोपी 5 जनवरी 2026 को ही भारत छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात भाग गया था। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए इंटरपोल से संपर्क किया और 7 जुलाई को उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया।

लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 9 अक्टूबर को अबू धाबी के अधिकारियों ने प्रत्यर्पण की मंजूरी दी। 4 नवंबर को आरोपी को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब भारत में उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एससी-एसटी एक्ट पर गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,

जातिसूचक गाली देना भर नहीं अपराध

हाईकोर्ट ने कहा- कौन से शब्द बोले गए और किस संदर्भ में, यह साबित करना जरूरी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) अत्याचार निवारण अधिनियम को लेकर अहम कानूनी स्पष्टीकरण दिया है। अदालत ने कहा कि केवल जातिसूचक अपशब्द कहने का सामान्य आरोप लगा देना किसी व्यक्ति को एससी-एसटी एक्ट के तहत दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह साबित करना भी जरूरी है कि वास्तव में कौन से शब्द कहे गए थे और किस परिस्थिति एवं संदर्भ में उनका इस्तेमाल हुआ था।

बनासकांठा जिले के करीब 16 साल पुराने मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप अपने आप में अपराध साबित नहीं करता। इसके लिए शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि करने वाले ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक हैं।

हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शिकायत में केवल यह लिख देना कि आरोपियों ने जातिसूचक गालियां दीं, पर्याप्त नहीं है। अभियोजन पक्ष को यह स्पष्ट करना होगा कि आरोपियों ने किन विशिष्ट शब्दों का इस्तेमाल किया था। साथ ही उन शब्दों को किस संदर्भ में और किन परिस्थितियों में कहा गया, इसका भी आकलन जरूरी है। अदालत के अनुसार, मामले की वास्तविक परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों को नजरअंदाज करके केवल सामान्य आरोपों के आधार पर एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जा सकता।

यह मामला बनासकांठा जिले से जुड़ा है। इस मामले में निचली अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के कारण आरोपियों को बरी कर दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। लंबे समय बाद मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी पहलुओं का परीक्षण किया। अदालत को ऐसा पर्याप्त आधार नहीं मिला, जिसके आधार पर निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप किया जा सके।

गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी और निचली अदालत द्वारा आरोपियों को बरी किए जाने का फैसला बरकरार रखा। इस फैसले में अदालत ने एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपों की स्पष्टता, साक्ष्यों की विश्वसनीयता और घटना के वास्तविक संदर्भ को महत्वपूर्ण बताया है।

पंजाब के मुख्य सचिव को आपराधिक अवमानना से राहत

नई दिल्ली। पंजाब के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए/डीआर) के बकाया भुगतान से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव समेत अन्य लोगों के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चल रही आपराधिक अवमानना की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से यह बताने को कहा कि वह 31 मार्च 2027 तक कितना बकाया भुगतान करेगी। सुनवाई में पीठ को बताया गया कि पंजाब सरकार डीए को 43 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत कर चुकी है। मामला हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें राज्य सरकार और पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों की लंबित डीए/डीआर किस्तें जारी करने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते के लिए केंद्र सरकार के पैटर्न को अपना लिया है तो बाकी लंबित किस्तों का भुगतान भी करना होगा। आर्थिक कठिनाई का हवाला देकर राज्य सरकार भुगतान से पीछे नहीं हट सकती। अदालत ने पंजाब में तैनात अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को मिल रहे डीए की दर के अनुरूप भुगतान करने का निर्देश दिया था। भुगतान के लिए 18 अगस्त की समयसीमा तय की गई थी और बकाया राशि पर शर्तों के अनुसार छह प्रतिशत सालाना साधारण ब्याज का प्रावधान किया गया था। 31 अगस्त तक हलफनामा दाखिल करने को भी कहा गया था। इन निर्देशों का पालन न होने पर अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई। 12 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा और अन्य के खिलाफ आपराधिक अवमानना का औपचारिक नोटिस जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-24 घंटे में मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया तो करना होगा रिहा

अवैध हिरासत पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है, और ऐसा न करने पर उस व्यक्ति को तुरंत रिहा करना होगा। दरअसल, अभी तक यह होता आया है कि पूछताछ के नाम पर पुलिस या जांच एजेंसियां आरोपी को कई-कई दिन तक हिरासत में रखती रही हैं। उसके बाद उसकी गिरफ्तारी दिखाती थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने प्रताड़ना माना है और उसने हिरासत को ही गिरफ्तारी मान लिया है। यानी सुप्रीम कोर्ट ने अवैध हिरासत पर रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि अगर किसी को 24 घंटे से ज्यादा हिरासत में रखकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया तो रिहा करना होगा। न्यायालय ने कहा कि 24 घंटे की यह अवधि हिरासत में लेने से ही शुरू हो जाएगी, इसके लिए औपचारिक रूप से 'गिरफ्तारी' की जरूरत नहीं है। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि यह दृष्टिकोण कि 24 घंटे की अवधि औपचारिक गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है, अनुच्छेद 22 (1) के विपरीत है। न्यायालय ने कहा कि इस तरह का अंतर कृत्रिम है। न्यायालय ने कहा कि इस तरह का अंतर सही नहीं है, व्यक्ति को हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर ही मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होगा।

मप्र से निर्विरोध उच्च सदन पहुंचे हरदीप पुरी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। गुरुवार को नाम वापसी की समयसीमा खत्म होने के बाद उनके मुकाबले कोई दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं बचा। दरअसल, उपचुनाव में नामांकन दाखिल करने वाले दो अन्य उम्मीदवारों के पर्चे जांच के दौरान खारिज कर दिए गए थे। इसके बाद पुरी अकेले उम्मीदवार रह गए। मध्य प्रदेश विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने उन्हें निर्वाचन प्रमाणपत्र जारी किया। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और विधायक मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की खाली हुई सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा था। हरदीप सिंह पुरी के अलावा राजकुमार लोहानी और कांते सयझा ने भी नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, जांच के दौरान दोनों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इसके बाद पुरी ही चुनाव मैदान में अकेले उम्मीदवार रह गए। पांच नवंबर को दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लेने की समयसीमा थी। इस समय तक किसी दूसरे उम्मीदवार के मैदान में नहीं रहने के कारण पुरी निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। यानी इस सीट पर मतदान कराने की जरूरत नहीं पड़ी।

नीट पेपर लीक प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों से मांगी शिकायतें

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों से शिकायत दर्ज करने की अपील की है। अदालत ने कहा कि मामले की जांच के लिए गठित हाई पावर्ड कमेटी का पोर्टल 13 अक्टूबर से शुरू हो चुका है, जहां प्रभावित लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखने की व्यवस्था की गई है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि कमेटी की पहली रिपोर्ट में अब तक बहुत कम शिकायतें मिलने की जानकारी दी गई है। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोगों को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करें।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि जिन प्रदर्शनकारियों को पुलिस के व्यवहार, हिरासत या कथित अधिक बल प्रयोग को लेकर शिकायत है, वे सीधे कमेटी के पोर्टल पर अपनी बात रख सकते हैं। याचिकाकर्ताओं को भी कमेटी के समक्ष अपनी शिकायत और पक्ष रखने की अनुमति दी गई है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि पर्याप्त शिकायतें मिलने से कमेटी को मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच करने में मदद मिलेगी। मामले की अगली सुनवाई के लिए 2 दिसंबर की तारीख निर्धारित की गई है। उस दिन कमेटी की जांच और अब तक प्राप्त शिकायतों की स्थिति पर विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि नीट पेपर लीक के आरोपों को लेकर जून-जुलाई में देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से भी प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, कथित पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग उठाई थी।

भटेरा मार्ग बंद, वैकल्पिक रास्तों पर आफत ?

ओवरब्रिज निर्माण के चलते 5 माह तक प्रभावित रहेगा आवागमन, बदहाल सड़कों से गुजर रहे भारी वाहन, रहवासियों ने की सड़क निर्माण और ब्रेकर की मांग, बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे से सेंट मेरी स्कूल तक डायवर्जन मार्ग की हालत खराब, कच्ची सड़क, गहरे गड्ढे और नालियों का अभाव बना हादसों का खतरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा चौकी रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण के चलते आवागमन बंद किए जाने के बाद अब वैकल्पिक मार्गों पर लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। प्रशासन ने निर्माण कार्य के लिए भटेरा मार्ग को पांच माह तक बंद रखने का निर्णय लिया है, लेकिन आवागमन के लिए निर्धारित किए गए वैकल्पिक रास्तों की बदहाल स्थिति ने रहवासियों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे से सेंट मेरी स्कूल तक के डायवर्जन मार्ग पर सड़क की खराब हालत, कच्चे रास्ते, संकरी सड़क और किनारों पर गहरे गड्ढों के बीच वाहनों का बढ़ता दबाव लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। रहवासियों का कहना है कि प्रशासन ने मार्ग बंद करने से पहले वैकल्पिक सड़क को दुरुस्त करने की जरूरत नहीं समझी। अब गलियों और संकरे रास्तों से भारी वाहनों का आवागमन हो रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि वैकल्पिक मार्ग का तत्काल निर्माण कराया जाए और सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक स्थानों पर ब्रेकर बनाए जाएं।



सड़क दुरुस्त किए बिना डायवर्जन, रहवासियों में नाराजगी

भटेरा चौकी रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण के चलते पुराने मार्ग को बंद किए जाने के बाद शहर में यातायात का दबाव दूसरे रास्तों पर बढ़ गया है। प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से बसों, ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों का आवागमन होने लगा है। लेकिन इन रास्तों की वास्तविक स्थिति और बढ़ते यातायात के दबाव के बीच लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।नगरी क्षेत्र के बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे से सेंट मेरी स्कूल तक के डायवर्जन मार्ग को लेकर रहवासियों ने नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर पहले से ही सड़क पूरी तरह पक्की नहीं है। कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम है, जबकि किनारों पर पक्की नालियों का अभाव होने से गहरे गड्ढे बने हुए हैं। ऐसे में अचानक वाहनों का आवागमन बढ़ने से आम नागरिकों के लिए खतरा पैदा हो गया है।रहवासियों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के कारण भटेरा मार्ग बंद होना पहले ही परेशानी का कारण बना हुआ है। अब वैकल्पिक मार्ग पर भी बदहाल सड़क और भारी वाहनों की आवाजाही ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोगों को आशंका है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत और सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

बच्चों की आवाजाही के बीच बेलगाम दौड़ रहे रेत से भरे ट्रैक्टर

डायवर्जन मार्ग पर रहवासियों की सबसे बड़ी चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। इस क्षेत्र में बच्चों की आवाजाही बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर रेत से भरे ट्रैक्टरों सहित अन्य भारी वाहनों का आवागमन भी बढ़ गया है। रहवासियों के अनुसार, सड़क की कम चौड़ाई और किनारों पर गहरे गड्ढों के बीच तेज गति से गुजरने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

पेट्रोल पंप से बोदा-आंवलाझरी होते हुए बीके-1 रेलवे क्रॉसिंग तक डायवर्जन

प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्ग के अनुसार सेंट मेरी स्कूल के पास स्थित पेट्रोल पंप से बोदा-आंवलाझरी होते हुए नवनिर्मित गिट्टीकृत मार्ग के जरिए रेलवे क्रॉसिंग बीके-1, डॉ. शिशिर खरे, बैहर रोड तक आवागमन डायवर्ट किया गया है। यहां से बैहर मुख्य मार्ग होते हुए लोग बस स्टैंड और नगर के अन्य हिस्सों में प्रवेश कर रहे हैं।हालांकि, इस मार्ग पर कई स्थानों पर कच्चा रास्ता होने और सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण वाहनों को निकलने में परेशानी हो रही है। सड़क का स्तर ऊंचा होने और किनारों पर नाली अथवा समुचित फिलिंग नहीं होने से कई जगह गहरे गड्ढों जैसी स्थिति निर्मित हो गई है।

पहले कराना था मरमत, फिर डायवर्ट करना था मार्ग

रहवासियों का कहना है कि जब इस मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में निर्धारित किया गया था, तब इसकी पूरी तरह मरम्मत और निर्माण कराया जाना चाहिए था। केवल मार्ग निर्धारित कर आवागमन शुरू कर देना पर्याप्त नहीं है। सड़क की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि उस पर सामान्य वाहनों के साथ-साथ डायवर्जन के कारण बढ़े यातायात का दबाव भी सुरक्षित रूप से संभाला जा सके।

सड़क किनारे गहरे गड्ढे, कभी भी हो सकता है हादसा

डायवर्जन मार्ग पर सड़क की ऊंचाई और किनारों की स्थिति भी दुर्घटना की आशंका बढ़ा रही है। कई स्थानों पर सड़क के किनारे नाली नहीं होने के कारण गहरे गड्ढे बने हुए हैं। सड़क से गुजरते समय यदि कोई वाहन किनारे की ओर चला जाता है तो उसके अनियंत्रित होने की आशंका बनी रहती है।विशेषकर भारी वाहनों के गुजरने के दौरान सड़क की कम चौड़ाई के कारण दूसरे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। रहवासियों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में इस मार्ग से गुजरना जोखिम भरा हो गया है।लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते सड़क को व्यवस्थित नहीं किया गया तो बढ़ते यातायात के बीच कोई गंभीर हादसा हो सकता है। उनका कहना है कि प्रशासन को किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय पहले ही सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम करने चाहिए।

सड़क बनाओ, ब्रेकर लगाओ फिर डायवर्ट करो मार्ग

वैकल्पिक मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर रहवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के दौरान भटेरा मार्ग बंद रहने से शहर के लोगों को पहले ही लंबी अवधि तक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में वैकल्पिक मार्गों को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।रहवासियों ने मांग की है कि डॉ. शिशिर खरे से सेंट मेरी स्कूल तक के डायवर्जन मार्ग का समुचित निर्माण कराया जाए। सड़क के किनारों पर बने गहरे गड्ढों को भरकर सुरक्षित किया जाए। जहां नालियों का अभाव है, वहां आवश्यक व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही स्कूल और रहवासी क्षेत्रों में वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए ब्रेकर बनाए जाएं, ताकि बच्चों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्ग को तैयार करने के बाद ही उस पर भारी वाहनों का आवागमन शुरू किया जाना चाहिए था। अब जब मार्ग पर यातायात बढ़ चुका है, तो प्रशासन को तत्काल सड़क निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

पांच माह की परेशानी के बीच राहत की उम्मीद

भटेरा चौकी रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण शहर के यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण कार्य है, लेकिन निर्माण के दौरान नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। भटेरा मार्ग बंद होने के बाद वैकल्पिक रास्तों पर यातायात का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन बदहाल सड़कें और सुरक्षा इंतजामों का अभाव लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है।रहवासियों का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कराकर ब्रेकर और अन्य सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित कर दे तो पांच माह तक चलने वाले निर्माण कार्य के दौरान लोगों को काफी राहत मिल सकती है। फिलहाल रहवासियों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। अब देखना यह है कि सड़क की बदहाली और भारी वाहनों के बढ़ते आवागमन से उत्पन्न समस्या को लेकर प्रशासन कितनी जल्दी कदम उठाता है।

उधर बूढ़ी रेलवे क्रासिंग पर लग रहा लंबा जाम, लोग हो रहे परेशान

मामला केवल भटेरा चौकी रेलवे क्रासिंग या डायवर्ट मार्ग वार्ड नं 3 ही नही है बल्कि भटेरा चौकी मार्ग स्थाई तौर पर बंद किए जाने से बूढ़ी रेलवे क्रासिंग मार्ग पर भी वाहनों का काफी दबाव बढ़ गया है जहां दोनो ओर से भारी मात्रा में वाहनों के आवागमन के चलते, हर आधे घण्टे में जगह जगह जाम लग रहा है जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ साथ अन्य रहागिर भी काफी परेशान हो रहे है।

24 घण्टे भी नही बीते,की होने लगे हादसे-वार्डवासी

वार्डवासी वसीम खान, मो सलमान, सहित अन्य ने बताया कि उनके वार्ड से मार्ग डायवर्ट किया गया है जिससे स्थानीय रहवासियों की परेशानी ब ? गई है, दो वाहन एक साथ क्रास नही हो पा रहे है ब्हवी मार्ग की मरम्मत तक नही कराई गई है।अभी मार्ग डायवर्ट हुए 24 घण्टे भी नही बीते की जगह जगह जाम लग रहा है ब्हवी हादसे हो रहे है।यात्रा निरीक्षक मंडल बालाघाट-1. तहसील बालाघाट जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नंबर 1/1/23 2. ग्राम/मौजा कोसमी, पटवारी हल्का नंबर 18/46, राजस्व निरीक्षक मंडल बालाघाट-1. तहसील बालाघाट जिला बालाघाट खसरा नंबर 1/1/13, रकबा 0.018 हेक्टेयर, एवं 3. ग्राम / मौजा कोसमी, पटवारी हल्का नंबर 18/46, राजस्व निरीक्षक मंडल बालाघाट-1, तहसील बालाघाट जिला बालाघाट खसरा नंबर 1/1/31, रकबा 0.020 हेक्टेयर को विक्रय कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक **08.12.2026** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायाधीश

बालाघाट में पर्यटन विकास को लेकर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक 6 नवंबर को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों के आधार पर पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के उद्देश्य से 6 नवंबर को जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में शाम 05 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में बैगा हाट (लगमा) का संचालन, होम स्टे निर्माण, पर्यटन विभाग द्वारा जिले में स्वीकृत प्रगतिरत कार्य एवं पर्यटन से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी।

In The Court Of Pranesh Kumar Pran,Principal District and Session Judge,Balaghat

Prisiding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 प्रतिपाल्य संरक्षकता अधिनियम

प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00030/2026)

1. श्री प्रखर जैन पिता श्री प्रकाश चंद जैन आयु 37 वर्ष
2. श्रीमती अंकिता जैन पति श्री प्रखर जैन आयु 36 वर्ष दोनों निवासी-3 दुर्वविल गार्डन लंदन एच ए4 7एन बी (यूनाइटेड किंगडम)

(अवयस्क तारूष जैन, आयु लगभग 03 वर्ष के प्राकृतिक संरक्षक विता एवं माता) दोनों द्वारा मुख्तारआम - श्रीमती रेखा जैन, पत्नी श्री प्रकाश चंद जैन, आयु लगभग 64 वर्ष, व्यवसाय-गृहिणी, निवासी- ग्राम कोसमी, तहसील व जिला बालाघाट (मप्र) हाल निवास- सी 184 एन.एम.डी.सी. कॉलोनी, दुर्गा मंदिर के पास न्यू राजेज नगर रायपुर (छ.ग.)

विरूद्ध

1. आम जनता.....अनावेदकगण

Process Id- 989/2026
पेशी तारीख-08/12/2026

(1) आम जनता पता- आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ने धारा 8 (2) एवं 8 (4) हिन्दू प्राप्तवता एवं संरक्षकता अधिनिम, 1956 सहपठित धारा 8 (5) एवं धारा 29 व 31 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 के अंतर्गत स्वयं को अपने पुत्र का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदक ने अपने पुत्र तारूष जैन को अपने और अपनी पत्नी अंकिता जैन की संतान होना बताया है। आवेदक ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसके पुत्र का संरक्षक घोषित किया जावे, जिससे कि वह उनकी मुख्तारआम रेखा जैन के माध्यम से अपने पुत्र के हिस्से की जमीन 1. ग्राम / मौजा कोसमी, पटवारी हल्का नंबर 18/46, राजस्व निरीक्षक मंडल बालाघाट-1. तहसील बालाघाट जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नंबर 1/1/23 2. ग्राम/मौजा कोसमी, पटवारी हल्का नंबर 18/46, राजस्व निरीक्षक मंडल बालाघाट-1, तहसील बालाघाट जिला बालाघाट खसरा नंबर 1/1/13, रकबा 0.018 हेक्टेयर, एवं 3. ग्राम / मौजा कोसमी, पटवारी हल्का नंबर 18/46, राजस्व निरीक्षक मंडल बालाघाट-1, तहसील बालाघाट जिला बालाघाट खसरा नंबर 1/1/31, रकबा 0.020 हेक्टेयर को विक्रय कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को आवेदक के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक **08.12.2026** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायाधीश

In the Court of Preetam Shah,Judicial Magistrate First Class,Civil Court Lanji,District Balaghat

Presiding Officer:- प्रीतम शाह

(अंतर्गत धारा 13(3A) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1989 का पंजीयन संशोधन बिल सहपठित अधिनियम 2026)

प्रोसेस क्र. 03/2026
पेशी दिनांक 28.11.2026
विविध आपराधिक प्रकरण क्र.-MJC-R/25/2026

मोतीराम उर्फ आशाराम बिल्हारे पिता स्व0 डिल्हू बिल्हारे, उम्र 65 वर्ष निवासी ग्राम कलकत्ता वार्ड नं0 12 पोस्ट किन्हीं तहसील व थाना किरनापुर, जिला बालाघाट (म0प्र0).....आवेदक

विरूद्ध

रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु पंजीयक), ग्राम पंचायत धुरसाडोंगरी, पोस्ट धुरसाडोंगरी, जनपद पंचायत लांजी, थाना व तहसील लांजी, जिला बालाघाट (म0प्र0) / आम जनता....अनावेदकगण

सर्वसाधारण / आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा स्वयं के विलंबित जन्म पंजीयन हेतु उचित आदेश पारित किये जाने धारा 13(3A) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 का पंजीयन संशोधन बिल सहपठित अधिनियम 2026 अंतर्गत् एक आवेदन पत्र सुनवाई हेतु इस न्यायालय में मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

यह कि आवेदक, का जन्म दिनांक **03.07.1961** को ग्राम लोहारा, तहसील लांजी, जिला बालाघाट मध्यप्रदेश में हुआ है, किन्तु आवेदक के जन्म के समय शासकीय नियमों की जानकारी नहीं होने के कारण आवेदक या उसके परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा आवेदक की जन्मतिथि संबंधित जानकारी जन्म-मृत्यु कार्यालय में दर्ज नहीं करायी गयी थी।

यह कि आवेदक को शासकीय कार्य एवं अन्य कार्य हेतु स्वयं के जन्म प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। अत: उसके जन्म का विधि के अनुसार विलंबित जन्म पंजीकरण हेतु उचित आदेश पारित किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त आवेदन पत्र / याचिका में यदि किसी व्यक्ति (सर्वसाधारण) / आम जनता को आवेदक के विलंबित जन्म पंजीकरण हेतु विधि अनुसार उचित आदेश पारित किये जाने के संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपने हक व हित रखने वाले दस्तावेजो के साथ पेशी दिनांक **28.11.2026** को स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की कार्यवाही एकपक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेंगा।

यह आज दिनांक **02.11.2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश

नोट:-
उक्त तिथि पर किसी कारणवश अवकाश होने से प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्यदिवस पर की जावेगी।

खनिज विभाग की रातभर कई स्थानों पर दबिश, अवैध परिवहन करते तीन वाहन जब्त

रेत के दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और मिट्टी का एक डम्पर पकड़ा, खनि शाखा, खैरलांजी एवं वारासिवनी थाना की अभिरक्षा में रखे वाहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि रोकना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम तथा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

खनिज विभाग ने चेतावनी दी है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।



खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से 6 नवंबर को जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में शाम 05 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में बैगा हाट (लगमा) का संचालन, होम स्टे निर्माण, पर्यटन विभाग द्वारा जिले में स्वीकृत प्रगतिरत कार्य एवं पर्यटन से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन की अध्यक्षता में 5 नवंबर 2026 को स्कूल शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षकों एवं विभागीय कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और लंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कटंगी, लालबर्रा, बालाघाट, वारासिवनी, खैरलांजी एवं किरनापुर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान कर्मचारी संगठनों से प्राप्त विभिन्न मांगों एवं समस्याओं की समीक्षा की गई। इनमें लंबित एरियर भुगतान, समयमान वेतनमान, शिक्षकों को क्रमोन्नति योजना का लाभ, वरिष्ठता सूची का संधारण, अर्जित अवकाश के नगदीकरण, पेंशन प्रकरण सहित अन्य विभागीय समस्याएं शामिल रहीं। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने सभी विषयों पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित संकुल प्राचार्यों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करते हुए आगामी सात दिवस के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में स्पष्ट किया गया कि कर्मचारियों से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो तथा सभी अधिकारी समय-सीमा में कार्रवाई पूरी करें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

गांगुलपारा बांध से लौट रहे दो दोस्तों की स्कूटी को बेलगाम ट्रक ने मारी टक्कर

20 वर्षीय गौरव की मौत-दोस्त गंभीर घायल

भरवेली-अवंलाझरी के बीच शंकर मंदिर के पास हुआ दर्दनाक हादसा, गंभीर हालत में युवक ने निजी अस्पताल में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-बैहर मार्ग पर ग्राम अवंलाझरी के समीप तेज रफ्तार और बेलगाम ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की जोरदार टक्कर से स्कूटी सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में 20 वर्षीय युवक गौरव पिता अजय राऊत बू ?ी बालाघाट निवासी की उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि उसका दोस्त अंकुश पिता वीरसिंह मर्सकोले 24 वर्ष दीनदयाल पुरम बालाघाट निवासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल इस युवक का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार जारी है। यह दर्दनाक सड़क हादसा 4 नवंबर की शाम करीब 6 बजे भरवेली और आवंलाझरी के बीच शंकर मंदिर के पास हुआ। दोनों युवक गांगुलपारा बांध घूमने के बाद स्कूटी से अपने घर बालाघाट लौट रहे थे। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया है।





दोस्त के साथ गांगुलपारा बांध घूमने गया था गौरव

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरव राऊत बूढ़ी निवासी के परिवार में माता-पिता और वे दो भाई है । वह अपने पिता के साथ घर में ही गैरेज में काम करता था और परिवार के काम में हाथ बंटाता था।4 नवंबर को दोपहर में गौरव अपने दोस्त अंकुश मर्सकोले दीनदयालपुरम बालाघाट निवासी के साथ स्कूटी से गांगुलपारा बांध घूमने के लिए गये थे । दोनों दोस्तों बांध घूमने के बाद शाम को वापस घर लौट रहे थे।

पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

बताया जाता है कि शाम करीब 6 बजे दोनों युवक स्कूटी से बालाघाट की ओर लौट रहे थे। स्कूटी अंकुश चला रहा था जबकि गौरव पीछे बैठा हुआ था। जब वे भरवेली और अवंलाझरी के बीच शंकर मंदिर के पास पहुंचे तभी पीछे की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सवार दोनों युवक स्कूटी सहित सड़क पर गिर पड़े। अचानक हुए इस हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

राहगीर पुलिसकर्मी ने दिखाई तत्परता- अस्पताल पहुंचाया

सड़क दुर्घटना के दौरान वहां से गुजर रहे एक पुलिसकर्मी ने दोनों युवकों को घायल अवस्था में देखा। उन्होंने बिना देर किए दोनों घायलों को ऑटो की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का उपचार शुरू किया। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों युवकों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। अंकुश मर्सकोले को जिला अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया जबकि गौरव राऊत की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

निजी अस्पताल में उपचार के दौरान थम गई सांसें

गौरव की गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उसे बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे और वहां भर्ती भर्ती कर उपचार चल रहा था। परिजनों को उम्मीद थी कि उपचार से गौरव की जान बच जाएगी लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।4 नवंबर की रात करीब 10ः30 बजे उपचार के दौरान गौरव की मौत हो गई। जवान बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस बेटे के साथ परिवार ने भविष्य के सपने संजोए थे ।उसकी अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

गौरव की मौत की सूचना मिलने पर कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक गुनेश ठाकरे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतक युवक गोरव के शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया। 5 नवंबर की सुबह पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद जिला अस्पताल में गौरव के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रक जप्त -आगे की कार्रवाई भरवेली पुलिस करेगी

इस सड़क दुर्घटना में शामिल ट्रक को पुलिस ने जप्त कर लिया है। चूंकि दुर्घटना भरवेली थाना क्षेत्र में हुई है इसलिए कोतवाली पुलिस ने मामले को आगे की कार्रवाई के लिए घटना स्थल से संबंधित भरवेली थाना को भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दिनदहाड़े भैंस चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, बरामद हुई एक लाख की दो भैंस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दिनदहाड़े हुई भैंस चोरी की वारदात का ग्रामीण (नवेगांव) पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गई दो भैंस बरामद की हैं, जिनकी कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों में से दो का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। पुलिस अब उनसे अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों को लेकर भी पूछताछ कर रही है। हालांकि इस एक मामले का खुलासा होने के बाद गायखुरी और गोंगलाई क्षेत्र में लंबे समय से सामने आ रही मवेशी चोरी की शिकायतों ने एक बार फिर पुलिस की कार्रवाई और इन घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के अनुसार 2 नवंबर को फरियादी संतोष कुमार पांडे निवासी गायखुरी अपनी गाय-भैंस चराने के लिए ग्राम बंदरझिरिया कोसमी की ओर गए थे। सुबह करीब 11 बजे बंदरझिरिया के पास चारागाह में पशुओं के चरने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उनकी दो भैंस चोरी कर ले गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना ग्रामीण (नवेगांव) में धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर 5 नवंबर को मोहित नगपुरे (21), संजय सौलखे (26) और आतिश लिल्हारे (37), तीनों निवासी ग्राम नैतरा, को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में चोरी की वारदात का खुलासा हुआ और आरोपियों के कब्जे से दोनों भैंस बरामद कर जब्त की गईं। इस कार्रवाई के बाद गायखुरी और गोंगलई क्षेत्र में मवेशी चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों और कुछ शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से मवेशी चोरी की घटनाएं हो रही हैं और कई मामलों में लाखों रुपये के पशु चोरी हो चुके हैं। कुछ शिकायतकर्ताओं



का यह भी कहना है कि उनकी शिकायतों पर एफआईआर दर्ज कराने में परेशानी आती है, जिससे चोरों को फायदा मिलता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपियों में शामिल आतिश लिल्हारे ग्राम नैतरा के एक जनपद सदस्य का भाई है। इस संबंध में राजनीतिक प्रभाव से चलते उसे फायदा मिलने की चर्चाएं भी सामने आई हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद इन चर्चाओं और आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी हो गई है। इधर, कोतवाली और ग्रामीण थाना क्षेत्र में मवेशी चोरी की अन्य घटनाओं से जुड़े कुछ लोग अब भी अपने पशुओं की बरामदगी का इंतजार कर रहे हैं। कुछ शिकायतकर्ताओं ने 5 नवंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपने लापता मवेशियों की तलाश कराने की मांग भी रखी। ऐसे में केवल एक बारदात का खुलासा और दो भैंसों की बरामदगी पर्याप्त नहीं मानी जा सकती। पुलिस के सामने अब चुनौती उन अन्य शिकायतों की जांच करने, चोरी गए मवेशियों का पता लगाने और यदि किसी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस रिमांड लिए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र में हुई मवेशी चोरी की दूसरी घटनाओं तक भी पहुंच पाती है या नहीं।

आजीविका संगम मेले में स्टॉल लगाकर बैठीं बहनों को ग्राहकों का इंतजार

स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से लगाया गया मेला उम्मीदों पर नहीं उतर रहा खरा

दो दिन में किसी की 300 तो किसी की महज 120 रुपए की हुई बिक्री,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय मुलना स्टेडियम के समीप 4 से 6 नवंबर तक आयोजित दीपांजलि आजीविका संगम मेले में अलग-अलग आजीविका



समूहों की महिलाओं ने अपने स्थानीय उत्पादों और व्यंजनों के स्टॉल लगाए हैं। मेले में मिट्टी के दीये, छोटी मूर्तियां, दीवार घड़ी सहित हस्तनिर्मित सामग्री और स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई है। जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस मेले का उद्देश्य महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के अवसर देना है। बीते वर्ष भी इसी तरह मेले का आयोजन किया गया था, लेकिन इस बार भी स्टॉल लगाने वाली कई महिलाओं को अपेक्षित ग्राहक और बिक्री नहीं मिल पा रही है। मेले में पहुंची महिलाओं का कहना है कि लोग स्टॉल तक आते हैं, उत्पादों को देखते हैं और कीमत पूछकर आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन खरीदारी करने वालों की संख्या बेहद कम है। त्योहार के समय स्थानीय बाजारों में दुकान लगाकर बेहतर कारोबार की उम्मीद रखने वाली महिलाएं प्रशासन के कहने पर मेले में पहुंचीं, लेकिन यहां बिक्री नहीं होने से उनके सामने आर्थिक नुकसान की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि मेले में आने-जाने और यहां रुकने में लगने वाले समय तथा खर्च के मुकाबले कारोबार नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेला आयोजित किया गया है, तो इन उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रयास क्यों नहीं किए गए। मिट्टी के दीये और अन्य मिट्टी के उत्पाद लेकर पहुंचीं संतोषी सोनवाने ने बताया कि वह 4 नवंबर से मेले में स्टॉल लगाए हुए हैं, लेकिन दो दिनों में उनकी बिक्री बेहद निराशाजनक रही है। पहले दिन करीब 300 रुपए के उत्पाद बिके, जबकि दूसरे दिन दोपहर तक कोई ग्राहक खरीदारी के लिए नहीं पहुंचा। संतोषी के अनुसार वह अपने घर और स्थानीय बाजार में दुकान लगाकर प्रतिदिन करीब 1500 रुपए तक का कारोबार कर लेती हैं। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों के कहने पर वह मेले में आईं, लेकिन यहां उनकी उम्मीद के अनुरूप बिक्री नहीं हुई। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी प्रशासन के कहने पर इसी तरह के मेले में पहुंची थीं, तब भी कारोबार अच्छा नहीं रहा था। इस बार भी हालात नहीं सुधरे, इसलिए उन्होंने अंतिम दिन तक रुकने के बजाय वापस लौटने का मन बना लिया है। इसी तरह कटंगी क्षेत्र से पहुंचीं गायत्री बघेल ने भी मेले में कारोबार को लेकर निराशा जताई। उन्होंने बताया कि पहले दिन उनकी एक भी सामग्री नहीं बिकी और दूसरे दिन दोपहर तक महज 120 रुपए की बिक्री हो पाई। छोटे बच्चों के साथ मेले में पहुंची गायत्री के लिए यहां रुकना भी परेशानी भरा हो रहा है। उनका कहना है कि दो दिनों की बिक्री से आने-जाने का खर्च तक निकलना मुश्किल है। इसके बावजूद मजबूरी में वह अंतिम दिन तक रुकेंगी और फिर वापस लौट जाएंगी। महिलाओं की इन शिकायतों से स्पष्ट है कि केवल स्टॉल लगवा देने से आजीविका समूहों के उत्पादों को बाजार नहीं मिल जाता। मेले में ग्राहकों की भागीदारी और खरीदारी बढ़ाने के लिए भी ठोस प्रयास जरूरी हैं, ताकि जिन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ऐसे आयोजन किए जा रहे हैं, उन्हें वास्तव में आर्थिक लाभ मिल सके।

धनतेरस आज! बाजार में बरसेगा धन ,व्यापार में उछाल आने की उम्मीद

विशेष छूट व तरह तरह के ऑफर के साथ ग्राहकों को आकर्षित कर रहे दुकानदार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है।पांच दिवसीय दीपोत्सव का यह पर्व 6 नवंबर धनतेरस के दिन से प्रारंभ होगा।जो 11 नवम्बर तक चलेगा। जहा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 8 नवंबर को दीपावली पर्व मनाया जाएगा। दीपो के महोत्सव दीपावाली को अब महज 2 दिन शेष रह गए है जिसके चलते जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में इस पर्व की तैयारी जोरों पर है।वही आगामी इस पर्व को देखते हुए बाजार एक बार फिर गुलजार हो गया है।जैसेकुछजैसे दीपावली का त्यौहार नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे तैयारियों का सिलसिला तेज होता जा रहा है। घर, दुकान, प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई के साथ सजावट का सिलसिला तेज हो गया है।व्यापारी और लोग, त्यौहार से पहले की तैयारियों में व्यस्त नजर आ रहे हैं। शहर हो या गांव सभी जगह दीपोत्सव की तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। वही बाजार में भी चहल-पहल बढ़ गई।



रंगोली की सजी दुकाने कर रही आकर्षित

पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत आज धनतेरस 6 नवंबर से होगी। पहले दिन धनतेरस, दूसरे दिन रूप चौदस, तीसरे दिन महालक्ष्मी पूजा, चौथे दिन पड़वा/गोवर्धन पूजा और पांचवें अंतिम दिन भाईदूज के साथ उत्सव का समापन होगा। प्रकाश पर्व दीपोत्सव के लिए लोगों ने अपने घर-दुकान व प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, रंग-रोगन के साथ सजावट शुरू कर दी है। दीपावली के त्यौहार को खास बनाने के लिए लोग किसी भी तरह की कमी नहीं रहने देना चाहते हैं।बाजार में भी रंगरोगन और सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर रौनक देखने को मिल रही है। कोई तरह-तरह के कलर खरीद रहा है तो कोई सजावटी वस्तुएं। बाजार में रंगोली के रंगों की दुकानें भी सज गई हैं। कुम्हार परिवार के लोगो ने भी दीयों की जगह जगह दुकानें लगाई है।ुधर हर कोई घर-आंगन को आकर्षक रूप देने में जी जान से जुटा हुआ है।

इन जगहों पर देखी जा रही भारी भीड़

धनतेरस को लेकर शहर में जगह-जगह दुकानें सज गई है और लोगों ने बर्तन, ज्वेलरी सहित अन्य सामान की खरीददारी करेंने की तैयारी कर ली है।दरअसल, इन दिनों धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज का त्यौहार मनाया जाता है।धनतेरस के दिन से इस त्योहार की शुरुआत होती है और भाईदूज के दिन समापन हो जाता है।धनतेरस के दिन खरीददारी करने का रिवाज है कहा जाता है ऐसा करने से घर में समृद्धि आती है, इसलिए लोग इस दिन सोना, चांदी, स्टील व पीतल के बर्तन आदि तमाम तरह की खरीददारी अपनी सामर्थ्य के अनुसार करते है।जिला मुख्यालय में त्यौहार को देखते हुए नगर के काली पुतली चौक, हनुमान चौक, गुजरी चौक, सराफा चौक में मिट्टी से बनी लक्ष्मी जी की मूर्ति, बताशा, मिट्टी से बने तरह-तरह रंगबिरंगी डिजाइनदार दीपक के अलावा रंगबिरंगी लाइटिंग से बाजार सज गए है।साल भर में एक बार आने वाला त्यौहार होने से लोग जमकर खरीदी कर रहे हैं।शुक्रवार को धनतेरस होने से बाजार में ज्यादा भीड़ दिखाई देगी।इससे इस साल बाजार में व्यापार अच्छा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

मिट्टी के दीपक रंगोली, झूमर, पटाखों की लगी दुकानें

नगर मुख्यालय में दीपोत्सव पर्व के चलते आकर्षण मिट्टी के दीपक, गमले, रंगबिरंगी रंगोली के साथ में विद्युत तारों से जलने वाली झूमर लाइटिंग और पटाखों की दुकानें लगाई गई है।नए स्टाक के साथ नए डिजाइन के कपड़े, ज्वेलरी, बर्तन, इलेक्ट्रिकल्स आइटम की नई रेंज के साथ दुकानदारों द्वारा दुकानों को सजाया गया है।धनतेरस व दीपावली के दिन नया सामान खरीदना शुभ माना जाता है।त्योहारों के चलते सराफा व अन्य दुकानदारों को ग्राहकों का इंतजार बना हुआ है।

तीन माह से लापता है लीला बाई

अपहरण की आशंका में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध दर्ज है मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा हीरापुर वार्ड क्रमांक 03 निवासी लीला बाई पगरवार के तीन माह से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के लापता होने के बाद परिजनों ने उनकी तलाश के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। वहीं परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपहरण कर गुप्त स्थान पर बंदी बनाकर रखने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार लीला बाई पगरवार 19 अगस्त 2026 को अपने घर से बिना बताए निकली थीं। इसके बाद वह बगदरा पहुंचीं और वहां अपने एक रिश्तेदार के घर रुकी थीं। बताया जाता है कि 20 अगस्त 2026 की सुबह वह बगदरा से अपने घर लौटने के लिए निकली थीं, लेकिन इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन लीला बाई के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई।महिला के लंबे समय से लापता होने और कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन चिंतित हैं। बेटी के घर वापस नहीं लौटने से उनकी मां देवकी बाई बेहद परेशान हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के नाम आवेदन सौंपकर अपनी बेटी की तलाश करवाने और उसे सकुशल घर वापस लाने की मांग की है।इधर भरवेली पुलिस द्वारा भी लापता महिला की तलाश की जा रही है। भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पंन्द्रो ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को लीला बाई दिखाई दें अथवा उनके संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल भरवेली थाना पुलिस को सूचित करें ताकि महिला को सुरक्षित बरामद किया जा सके।

डॉ. एस. राधाकृष्णन स्कूल में रंगोली और दीप सज्जा प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के पावन पर्व को उत्साह और रचनात्मकता के साथ मनाने के उद्देश्य से गुरुवार 5 नवंबर को सरस्वती नगर बालाघाट स्थित शिक्षण संस्थान डॉ. एस. राधाकृष्णन हायर सेकेंडरी स्कूल में रंगोली एवं दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए आकर्षक रंगोलियों और सुंदर दीप सज्जा के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।प्रतियोगिता को विद्यार्थियों की कक्षाओं के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया था। समूह 'ए' में कक्षा पहली से पांचवीं, समूह 'बी' में कक्षा छठवीं से आठवीं तथा समूह 'सी' में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा।

दीप सज्जा में इन विद्यार्थियों ने हासिल किए स्थान

दीप सज्जा (दीया मेकिंग) प्रतियोगिता के समूह 'ए' में नीति राणा ने प्रथम, वरुणा चौधरी ने द्वितीय तथा अभिमन्यु लिल्हारे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह 'बी' में संकेत चौबे प्रथम, प्रेरणा हेडाऊ द्वितीय एवं जयेश बाहेश्वर तृतीय स्थान पर रहे।रंगोली प्रतियोगिता के समूह 'ए' में हेमा जामरे ने प्रथम, कनिका डोंगरे ने द्वितीय तथा नियति यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह 'बी' में स्तुति काकोड़े प्रथम, अश्विनी रामटेके द्वितीय एवं प्रेरणा हेडाऊ तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं समूह 'सी' में साहिल टेकाम ने प्रथम, गरिमा पांचे ने द्वितीय तथा कुमकुम बनवारी ने तृतीय स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका शिक्षिका श्रीमती ममता कुमरे एवं कु. दिव्या नागपुरे ने निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से किया गया।अंत में विद्यालय के प्राचार्य संतराम पांचे एवं डायरेक्टर राम कुमार गुप्ता ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय परिवार को धनतेरस, दीपावली एवं भाई दूज की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



आस-पास की खबरें

बुट्टा. ह. में चलाया गया स्वच्छता अभियान, ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बुट्टा ह. में म.प्र. जन अभियान परिषद के ग्राम विकास प्रस्फुटन



समिति के द्वारा गुरूवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम कुम्हारी सरपंच सावनलाल पिछोड़े के मुख्य आतिथ्य, बालाराम बिरनवार, संजय कातुरे, बस्ताराम सपाटे, डॉ. हीरालाल ढांडे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पंचायत परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर की साफ-सफाई की गई और ग्रामीणजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी तामेन्द्र हरिनखेड़े द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीणजनों एवं विद्यार्थियों को ग्राम में स्वच्छता बनाये रखने और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी को अपने आसपास स्वंछता बनाये रखने एवं दुसरे को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रमोद सपाटे, सचिव दयावती डोरस, संजय कातुरे, लक्ष्मीनारायण झंझाड़े, अखिलेश रासे, नेतलाल सपाटे, संतोष डोरस सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बल्हारपुर में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 10 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर में नवयुवक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में आगामी 10 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में नवयुवक मंडई उत्सव समिति बल्हारपुर के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पहली मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 10 नवंबर को रात 9 बजे से तोर पायल की झनकार छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक शिशी मेश्राम के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील नवयुवक मंडई उत्सव समिति बल्हारपुर के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

रमपुरी से खपटाटोला-खुरपुड़ी पहुंच मार्ग का पुलिया जर्जर





कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार मौन, नवीन पुलिया निर्माण की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत रमपुरी से रपटाटोला-खुरपुड़ी पहुंच मार्ग पर स्थित पुलिया इन दिनों अत्यंत जर्जर और खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुकी है। पुलिया की सुरक्षा रैलिंग कई स्थानों से टूट चुकी है और निर्माण में तकनीकी खामी (ढलान) के कारण बरसात के दिनों में वहां पानी जमा हो जाता है। लंबे समय से रख-रखाव और मरम्मत न होने के कारण यह पुलिया किसी बड़े हादसे को दावत दे रही है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का है मुख्य मार्ग, आवागमन में हो रही परेशानी

आपकों बता दे कि रमपुरी से रपटाटोला खुरपुड़ी पहुंच मार्ग के बीच में स्थित नाला स्थित है, पूर्व में पुलिया न होने के कारण आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने प्रशासन से पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की थी। जिसके बाद विगत वर्ष पूर्व पुलिया का निर्माण किया गया है लेकिन गुणवत्तापूर्ण एवं देख-रेख के अभाव में पुलिया जर्जर हो चुका है। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से बनाई गई सीमेन्ट की रैलिंग भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है और पुलिया वाला हिस्से में ढलान होने से बरसात के दिनों में उक्त स्थान पर पानी जमा होता है। साथ ही पुलिया कमजोर एवं क्षतिग्रस्त होने के कारण आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि लंबे समय से पुलिया का मरम्मत या नवीन निर्माण करवाने की मांग प्रशासन से की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिस कारण से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस मार्ग से रमपुरी, खुरपुड़ी, मोहगांव (जाम), जाम सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणजन, किसान और स्कूली छात्र-छात्राएं रोजाना लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते हैं। पूर्व में यहां पुलिया न होने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसे देखते हुए कुछ वर्ष पूर्व इस नाले पर पुलिया का निर्माण कराया गया था। परंतु, देखरेख और समय पर मरम्मत न होने के कारण यह कुछ ही समय में जीर्ण-शीर्ण हो गई। वहीं कुछ दिनों बाद समर्थन मूल्य में धान खरीदी शुरू होने वाली है, क्षेत्रीय किसान भी इसी क्षतिग्रस्त पुलिया के ऊपर से ट्रेक्टर एवं अन्य चौपहिया वाहनों से नेवरगांव ला., सिहोरा सोसायटी में उपज विक्रय के लिए लेकर जायेगें और ओवरलोड़ वाहनों के गुजरने से वह कंपन करने लगता है। साथ ही मंडई-मेला का दौर शुरू होने वाला है और रात में ग्रामीणजन आवागमन करेगें। लेकिन उक्त स्थान पर प्रकाश की व्यवस्था नही होने पर दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि प्रशासन को क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत कार्य या फिर नवीन पुलिया का निर्माण करवाना चाहिए ताकि दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

आने वाले दिनों में बढ़ जायेगी जोखिम

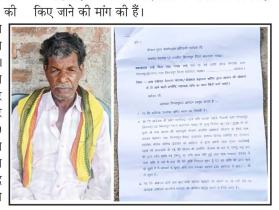
ग्रामीणों ने बताया कि आने वाले कुछ दिनों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने वाली है। ऐसे में क्षेत्रीय किसान इसी क्षतिग्रस्त पुलिया के ऊपर से ट्रैक्टर और अन्य भारी वाहनों के जरिये अपनी उपज नेवरगांव ला. और सिहोरा सोसायटी विक्रय के लिए लेकर जायेगें। ओवरलोडेड वाहनों के गुजरने पर यह पुलिया कंपन करने लगती है। इसके अलावा क्षेत्र में मंडई-मेले का दौर भी शुरू होने वाला है, जिसमें रात्रि के समय आवागमन बढ़ेगा। खास बात यह है कि इस मार्ग पर प्रकाश (लाइट) की कोई व्यवस्था न होने के कारण रात के समय दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों व किसानों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि किसी बड़े हादसे के इंतजार किये बिना इस क्षतिग्रस्त पुलिया का तत्काल जीर्णोद्धार करवाये अथवा नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आम जनता सुरक्षित आवागमन कर सके।

पुलिया का निर्माण करवाये प्रशासन - श्यामलाल

चर्चा में रमपुरी सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने बताया कि रमपुरी से रपटाटोला-खुरपुड़ी पहुंच मार्ग स्थित पुलिया के ऊपर से ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते है और पुलिया कमजोर होने के कारण आवागमन में परेशानी होती है। इस संबंध में प्रशासन को अवगत करवाकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की जायेगी।

अन्त्येष्टि सहायता की राशि हड़पने का आरोप लगाते हुए जनपद सीईओ को की शिकायत

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलगांव निवासी श्यामलाल पन्द्रे पिता स्व. चमरु पन्द्रे उम्र 75 वर्ष जाति गोंड ग्राम गोपालपुर (बेलगांव) तहसील किरनापुर निवासी ने ग्राम पंचायत बेलगांव के सरपंच एवं रोजगार सहायक पर शासन की योजना से दी जाने वाली अन्तेष्टि सहायता राशि का गबन किये जाने का आरोप लगाते हुए जनपद पंचायत सीईओ किरनापुर को लिखित शिकायत की है। शिकायत पत्र के माध्यम से आवेदक श्यामलाल पन्द्रे ने बताया कि उसकी सास दसरीबाई सईके पति मेहत्तर उईके निवासी ग्राम गोपालपुर (बेलगांव) तह किरनापुर जिला बालाघाट ग0ग0 की मृत्यु दिनांक 26/06/2020 को हो चुकी थी तथा शासन की महत्वपूर्ण योजना अन्तेष्टि सहायता योजना के लिये ग्राम पंचायत बेलगांव तह0 किरनापुर जिला बालाघाट सरपंच विनोद समरित एवं रोजगार सहायक सचिव योगेन्द्र ढेकवार को आवेदक के द्वारा अपनी सास मृतक दसरीबाई उईके की जानकारी दी गई की शासन की अन्तेष्टि योजना के बारे में, परन्तु कई बार मेरे द्वारा राशि मांगी गई किन्तु वह राशि प्राप्त नही हुई तथा ग्राम पंचायत सरपंच ने उक्त राशि के बारे में कहा की मैने राशि निकाल चुका है एवं वह राशि मेरे द्वारा खर्च हो चुकी है मैं आपको दे दूंगा। तथा ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा आवेदक से 500/- भी ले चुका है। जबकि उसके (आवेदक) द्वारा बार-बार राशि सरपंच महोदय को मांगने पर भी नही देने पर आवेदक माननीय महोदय को आवेदन प्रस्तुत करने के लिये बाध्य है। बहरहाल मामले में शिकायत कर्ता श्यामलाल पंद्रे ने जनपद पंचायत किरनापुर के मुख्यकार्यपालन अधिकारी से सूक्ष्मता से जांच कर अन्त्येष्टि सहायता की राशि दिलवाकर न्यायोचित कार्यवाही किए जाने की मांग की हैं।



खुरसोड़ी में दिन-रात की मंडई 10 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम खुरसोड़ी में पहली मंडई के अवसर पर 10 नवंबर को छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में प्रकाश कारसपें एवं शुभम रहांगडाले ने संयुक्त रूप से बताया कि मंडई महोत्सव के अवसर पर 10 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रानी जी नाईट शो छत्तीसगढ़ी, आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक पियुष बालाघाटी के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। इस अवसर पर मंडई महोत्सव समिति खुरसोड़ी के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

ट्रक व कार में हुई जबरदस्त भिड़त, कार सवार 5 लोग घायल

मिरेगांव और डोकरबंदी के बीच हुआ हादसा, घायलों का उपचार जारी, जांच में जुटी पुलिस





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से बालाघाट हाईवे रोड पर स्थित ग्राम मिरेगांव और डोकरबंदी के बीच एक तेज रफ्तार ट्रक और चौपहिया वाहन (कार) के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस सड़क दुर्घटना में कार सवार पांच लोग घायल हो गये, जिन्हें तत्काल लालबर्रा अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। लेकिन गनीमत यह रही कि सभी सवार बाल-बाल बच गये और उन्हें केवल मामूली चोटें आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपालगंज सिवनी निवासी 47 वर्षीय शरीबदास अपने चार साथियों के साथ गुरूवार को कनकी (बालाघाट) स्थित श्रीराम फाइनेंस कंपनी में चौपहिया वाहनों की नीलामी प्रक्रिया में शामिल होने आये थे। वाहन खरीदी के सिलसिले में आये यह सभी लोग शाम के समय वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान लालबर्रा की ओर से जा रहे एक ट्रक ने बालाघाट की ओर से आ रही उनकी कार को मिरेगांव और डोकरबंदी के बीच जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार में सवार चालक गोपालगंज सिवनी निवासी 47 वर्षीय शरीबदास, 13 वर्षीय उन्नास, चौरई जिला छिंदवाड़ा निवासी 35 वर्षीय नरेश काकोडिया, 60 वर्षीय धनु उइके, 32 वर्षीय संतोष शर्मा घायल हो गये। वहीं ट्रक व कार में भिड़त होने से घटना स्थल में आने-जाने वालों की भीड़ लग गई और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकालकर लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन अत्यधिक गति में नहीं थे, यदि गति तेज होती तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। प्राथमिक तौर पर यह बात सामने आ रही है कि सड़क पर बने गड्ढों और सड़क की कम चौड़ाई के कारण यह दुर्घटना घटित हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

धनतेरस पर बाजार हुआ गुलजार, आज बरसेगा धन

दीपावली त्यौहार की बढ़ने लगी चहल-पहल, सराफा, बर्तन और कपड़ा बाजारों में उमड़ी भीड़

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दू धर्मावलंबियों के सबसे बड़े महापर्व दीपोत्सव की तैयारियां अब परवान चढ़ने लगी हैं। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक चारों ओर उत्साह और उमंग का माहौल है। पांच दिवसीय इस दीपोत्सव महापर्व का शुभारंभ आज यानि 6 नवंबर को धनतेरस के साथ हो रहा है। पर्व के ठीक पहले से ही लालबर्रा का बाजार पूरी तरह सजकर तैयार है और ग्राहकों की आवाजाही से रौनक बढ़ गई है। वहीं धनतेरस के मद्देनजर नगर मुख्यालय के सराफा बाजार, कपड़ा मार्केट, बर्तन दुकानों और किराना दुकानों पर विशेष तैयारियां की गई हैं। दुकानदारों ने ग्राहकों की संभावित भीड़ को देखते हुए अपने प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। इसके अलावा बाजार में मिट्टी के दीयों, रंगोली और पूजा-सामग्री की दुकानें भी सज चुकी हैं, जहां क्षेत्रीय लोग पहुंचकर अपनी मनपसंद के रंगोली, छलनी एवं दीयों की खरीदी कर रहे है जिससे बाजार क्षेत्र में रौनक आने लगी है।



मान्यताः धनतेरस की खरीदी लाती है वर्षभर बरकत

आपकों बता दे कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के पावन अवसर पर की जाने वाली खरीदी को अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जो सामग्री खरीदी जाती है, उससे वर्षभर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। यही कारण है कि सुबह से लेकर देर रात तक लोग अपनी मनपसंद वस्तुओं की खरीदारी में जुटे रहते हैं। वहीं व्यापारियों को पूरी उम्मीद है कि इस बार बाजार में अच्छा उछाल आयेगा, जिससे पिछले दिनों से ग्राहकों की कमी देख रहे दुकानदारों को बड़ी राहत मिलेगी। भारत देश में दीपावली पर्व बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और धनतेरस का पर्व शुभ माना जाता है। साथ ही दीपोत्सव पर्व को लेकर सभी खासा उत्साहित नजर आ रहे है और इस पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का आगाज 6 नवंबर को धनतेरस पर्व के साथ हो जायेगा। वहीं दुकानदारों का कहना है कि दीपावली से कई दिन पहले ही ग्राहकों का आना शुरू हो जाता है और इस बार ग्राहकी अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक रहने की उम्मीद है एवं दीपोत्सव की खरीदारी धनतेरस से ही बढ़ती है और आज से बाजार क्षेत्र में रौनक बढ़ने के साथ ही व्यापार में भी उछाल आने की उम्मीद है।

बच्चों में भी दिखा खासा उत्साह

दीपावली के इस पर्व को लेकर बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। बच्चे नये परिधानों (कपड़ों) और आतिशबाजी (पटाखों) की खरीदारी के लिए अपने अभिभावकों के साथ बाजारों का रूख कर रहे हैं। दुकानदारों के चेहरों पर भी इस बात को लेकर खुशी साफ झलक रही है कि इस बार धनतेरस पर उम्मीद से कहीं अधिक व्यापार और धनवर्षा होगी।



रामपायली पुलिस पर ग्रामीणों ने पक्षपातपूर्ण कार्यवाही और भयभीत करने का लगाया आरोप

एसडीओपी को ज्ञापन सौंपकर प्रकरण निरस्त करने की मांग

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उमरवाड़ा के आठ आवेदकों ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग की है। आवेदकों ने पुलिस पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १२६ एवं १३५,३ के तहत बार बार कार्यवाही कर उन्हें भयभीत और परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस थाना रामपायली में दर्ज दाण्डिक प्रकरण क्रमांक ००७२/२०२६ को निरस्त करने की मांग की है।

ग्राम सरपंच के मामले में गवाहो को दबाने का हो रहा प्रयास

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि ९ अगस्त २०२४ को ग्राम पंचायत उमरवाड़ा में पौधरोपण एवं मवेशी नीलामी के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी। इस मामले में उपसरपंच श्रीमती भूरकनबाई गोंडगे की शिकायत पर तत्कालीन सरपंच श्रीमती पूनम पाण्डेय के विरुद्ध रामपायली थाने में एफआईआर दर्ज कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। वहीं इसी घटना को लेकर पुलिस ने आवेदकों के विरुद्ध भी धारा १२६ एवं १३५,३ के तहत कार्यवाही की थी। इसके बाद २९ अक्टूबर को तहसीलदार एवं कार्यपालन दण्डाधिकारी वारासिवनी कार्यालय से प्राप्त समंस के माध्यम से जानकारी मिली कि रामपायली पुलिस के द्वारा बिना किसी उचित कारण के आवेदकों के विरुद्ध पुनः दाण्डिक प्रकरण क्रमांक ००७२/२०२६ प्रस्तुत किया गया है। इससे पहले ५ सितंबर २०२४ को भी इसी घटना के संबंध में प्रकरण क्रमांक १००२/२०२४ के तहत कार्यवाही की गई थी। वर्तमान में ग्राम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है और ना ही शांति व्यवस्था भंग होने जैसी स्थिति है। इसके बावजूद पुलिस के द्वारा बार बार प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्यवाही किए जाने से आवेदको को मानसिक एवं सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि इस कार्रवाई के पीछे तत्कालीन सरपंच श्रीमती पूनम पाण्डेय



को लाभ पहुंचाने तथा उनके विरुद्ध चल रहे प्रकरण में गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। सरपंच श्रीमती पूनम पाण्डेय के विरुद्ध मामला जिला बालाघाट स्थित विशेष न्यायालय अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम में विचाराधीन है, जिसमें आवेदकों को साक्षी के रूप में उपस्थित होना है। आवेदकों का आरोप है कि पुलिस की बार बार की जा रही कार्यवाही से वे न्यायालय में गवाही देने को लेकर भयभीत हो रहे हैं। पुलिस पद एवं अधिकारों का अनुचित उपयोग बताते हुए निष्पक्ष जांच की आवश्यकता जताई है। आवेदकों ने एसडीओपी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए ,पुलिस थाना रामपायली के द्वारा प्रस्तुत दाण्डिक प्रकरण क्रमांक ००७२/२०२६ की वैधानिकता की जांच कर उसे निरस्त किया जाए। तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए ,ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानियों से राहत मिल सके और न्यायालय में निर्भीक होकर अपना पक्ष रख सकें। इस अवसर पर मदनलाल रहांगडाले, किशोर कुमार पाण्डेय, जगदीश गोंडगे, गोविंदराम रहांगडाले, हिरालाल राऊत, शांता राऊत, कन्हैयालाल रहांगडाले एवं भूरकन गोंडगे सहित अन्य आवेदक शामिल हैं।

सभी आवेदको ने पुलिस प्रशासन से न्याय की लगाई गुहार-भुरकन गोंडाने

उपसरपंच भुरकन बाई गोंडाने ने बताया कि एसडीओपी कार्यालय हमें इसलिए आना पड़ा की हमारे ग्राम उमरवाड़ा में अभी कोई विवाद या विवाद की स्थिति नहीं बनी है फिर भी हमें नोटिस प्राप्त हुआ है। इस नोटिस के संबंध में हम जानकारी लेने और ज्ञापन देने के लिए हम एसडीओपी कार्यालय में आए हुए हैं। यह नोटिस किस संबंध में है उन्होंने कुछ जानकारी नहीं दी है रामपायली पुलिस से चर्चा करने की बात कही है। हम न्याय चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि इस प्रकार दोबारा बिना कोई विषय के कार्यवाही ना हो।

वर्तमान सरपंच को बचाने पुलिस गवाहों पर दबाव बना रही है-किशोर कुमार पांडये

किशोर कुमार पांडेय ने बताया कि तहसील कोर्ट से १२६,१३५ का नोटिस मिला है थाना रामपायली ने इस्तगासा पेश किया है हम एसडीओपी से मिलने आए थे की शांति भंग का नोटिस देने का कारण क्या है। विवाद अभी गांव में हुआ नहीं ९ अगस्त २०२४ को सरपंच पर उपसरपंच ने अपराध दर्ज करवाया था और हम जितने लोगों को नोटिस मिला है वह सभी उस मामले में गवाह है। हम गवाह को डरने यह प्रतिबंध कार्यवाही की जा रही है इसके पहले भी २०२४ में हुई थी। पुनः अभी हुई है ताकि हम बयान देने ना जाए पुलिस सरपंच का बचाव कर रही है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि सरपंच ,उपसरपंच दोनों पक्ष का पूर्व से लंबा विवाद है इसमें प्राथमिक रिपोर्ट भी दर्ज हो चुकी है। दोनों पक्षों के द्वारा लगातार शिकायत की जा रही है जिससे संभावना है कि विवाद की स्थिति हो सकती है। ऐसे में वर्तमान में शांति व्यवस्था बनायें रखने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही दोनों पक्षों के सभी सदस्यों पर की गई है।

विनोद यादव
थाना प्रभारी रामपायली

विद्युत मंडल ने एकोड़ी के दंदूटोला को नवीन ट्रांसफॉर्मर की मिली स्वीकृति

ग्रामीणों ने जिलाध्यक्ष जावेद अली का जताया आभार

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी के दंदूटोला में लंबे समय से बिजली और ट्रांसफॉर्मर की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। ५ नवंबर को कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली के विशेष निवेदन और प्रयासों के बाद विद्युत मंडल सावंगी के द्वारा गांव में नवीन ट्रांसफॉर्मर की सौगात स्वीकृत की गई है। विद्युत मंडल के कनिष्ठ अभियंता ने स्थल निरीक्षण के साथ ही आश्वासन दिया है कि आगामी तीन दिवस के भीतर नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर दिया जाएगा जिससे क्षेत्र में बिजली



आपूर्ति सुचारू हो सकेगी। ग्राम पंचायत एकोड़ी दंदूटोला के निवासी लंबे समय से कम वोल्टेज और ट्रांसफॉर्मर की खराबी कमी के कारण भारी परेशानियों का सामना कर रहे थे। कृषि कार्य से लेकर दैनिक जीवन में आ रही इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने जिलाध्यक्ष जावेद अली से गुहार लगाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जावेद अली ने तत्काल विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर नया ट्रांसफॉर्मर स्वीकृत करवाया। ट्रांसफॉर्मर की स्वीकृति और तीन दिन में कार्य पूरा करने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने जिलाध्यक्ष जावेद अली के निवास स्थान पहुंचकर पुष्पगुच्छ एवं सौजन्य मुलाकात कर उनका तहे दिल से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनिल शाह उईके, एकोड़ी उपसरपंच कमलेश शरणागत, भूपेंद्र सिंह मड़ावी, दुलीचंद उईके, सूरज लाल उईके, विनोद भारती मेश्राम, अंतलाल उईके, राजेश मड़ावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धान खरीदी पंजीयन की अंतिम तिथि ११ नवंबर तक बढ़ाई

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। खरीफ विपणन वर्ष २०२६-२७ में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन से वंचित रह गए जिले के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। शासन के द्वारा धान खरीदी के पंजीयन की अंतिम तिथि ४ नवंबर से बढ़ाकर ११ नवंबर २०२६ कर दी गई है। शासन के इस निर्णय का पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने विधानसभा क्षेत्र के समस्त धान उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे बढ़ाई गई समय सीमा का लाभ लेते हुए अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ धान उपार्जन के लिए पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं। ताकि निर्धारित समय पर अपनी धान उपज सोसायटी में विक्रय कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना



ना करना पड़े। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष सुभाष पारधी ने भी मध्यप्रदेश शासन के इस निर्णय पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिला प्रदेश के प्रमुख धान उत्पादक जिलों में शामिल है। यहां बड़ी संख्या में किसान धान की खेती पर निर्भर है। ऐसे में पंजीयन की तिथि बढ़ाने का निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग विपक्ष में बैठकर इस निर्णय का श्रेय अपने प्रयासों को देने का काम कर रहे हैं। जबकि शासन को बालाघाट जिले में धान उत्पादन की व्यापकता और किसानों की आवश्यकताओं की पूरी जानकारी है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसी उद्देश्य से शासन ने पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किसानों से अपील की है कि वे ११ नवंबर अंतिम तिथि का विशेष ध्यान रखते हुए समय रहते अपना पंजीयन अवश्य पूर्ण कराएं।

जयराम टोला में विधि-विधान के साथ भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा की हुई प्राण प्रतिष्ठा

धार्मिक कार्यक्रम होने से बना रहता भाई चारा-विवेक पटेल





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंगेझरी के जयराम टोला में भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा की स्थापना की गई। प्रतिमा के पावन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल पहुंचे। जहां विधायक विवेक पटेल ने भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की। वहीं ग्राम में पहुंचते ही विधायक विवेक पटेल का ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि भक्ति की शक्ति से ही मानव प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है। ग्राम में धार्मिक अनुष्ठान होने से समाज में भाई.चारा व आपसी प्रेम बढ़ता है,जब भी मुझसे मंगेझरी की जनता ने कुछ काम मांगा है तो मैने उन्हें निराश नहीं किया बल्कि जो मांगा उससे ज्यादा ही ग्राम में कार्य दिया है। जो कुछ निर्माण कार्य जारी है वहीं कुछ निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके है। इस दौरान जीतू राजपूत,लोकचंद डोंगरे, दीपक भगत, उपेंद्र बिसेन, फूलचंद पटले, राजकुमार चौधरी, प्रवीण पारधी, डॉ.दुलाल चौहान,भागचंद पटले, हेमराज कुंभरे, तेजलाल बिसेन, राजू कटरे, लक्ष्मण राउत सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

आज मनाया जाएगा धनतेरस पर्व, भगवान धनवंतरी की होगी पूजा-अर्चना

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। पांच दिवसीय दीपावली पर्व का शुभारंभ आज धनतेरस के साथ होगा। हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाले इस पर्व को लेकर नगर के बाजारों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लंबे समय से बाजार में उतार चढ़ाव का दौर झेल रहे व्यापारियों को इस बार धनतेरस पर अच्छे कारोबार की उम्मीद है। सोना, चांदी और बर्तनों की खरीदारी को शुभ मानने की धार्मिक परंपरा के चलते सराफा एवं बर्तन बाजार में ग्राहकों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। धनतेरस के अवसर पर भगवान धनवंतरी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरी अमृत कलश और औषधियों के साथ प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद एवं आरोग्य का देवता माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि विधान से उनकी पूजा करने से आरोग्य, सुख.समृद्धि और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी परंपरा के चलते चिकित्सा एवं औषधि व्यवसाय से जुड़े लोग भी भगवान



धनवंतरी की विशेष पूजा करते हैं। धनतेरस पर सोना, चांदी और विभिन्न धातुओं के बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसी को देखते हुए नगर के सराफा एवं बर्तन व्यापारियों ने अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानों में विभिन्न प्रकार के आभूषणों और बर्तनों की आकर्षक रेंज उपलब्ध कराई गई है। व्यापारियों को उम्मीद है कि धनतेरस पर होने वाली खरीदारी से बाजार में रौनक लौटेगी और कारोबार को गति मिलेगी। दीपावली पर्व नजदीक होने के कारण लोग घरेलू जरूरतों के साथ परंपरागत खरीदारी के लिए भी इस दिन को विशेष महत्व दे रहे हैं। धनतेरस के अगले दिन नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करने और भगवान यमराज का स्मरण करने की परंपरा है। अब सभी की निगाहें धनतेरस पर टिकी हैं कि इस बार नगर के सराफा एवं बर्तन बाजार में कितनी रौनक रहती है और व्यापारियों के कारोबार में कितना इजाफा होता है।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु उपरांत 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवरगांव के ग्राम सितकुटोला निवासी लक्ष्मण लिल्हारे की 26 जून 2026 को कूएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नी दयावंती लिल्हारे को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर दयावंती लिल्हारे के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

चांगों टोला क्षेत्र में प्रशासनिक अमले ने किया पटाखा दुकानों एवं गोदामों का निरीक्षण

थाना प्रभारी, तहसीलदार, पुलिस बल एवं पटवारी ने संयुक्त रूप से किया भ्रमण, दुकानदारों और ग्रामीणों को सुरक्षा नियमों के पालन की दी समझाइश

पदमेश न्यूज।लांमता। आगामी त्योहारों के मद्देनजर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के उद्देश्य से आज थाना प्रभारी चंपू टोला एवं तहसीलदार लामता के नेतृत्व में पुलिस बल और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चांगो टोला क्षेत्र में सामूहिक भ्रमण किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अमले ने क्षेत्र में संचालित पटाखा दुकानों एवं पटाखों के गोदामों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संयुक्त भ्रमण के दौरान थाना प्रभारी चांगो टोला, तहसीलदार लामता, थाना पुलिस बल एवं पटवारी चांगो टोला सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। टीम द्वारा पटाखा दुकानों एवं गोदामों में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं सुरक्षा से संबंधित निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों की जानकारी दुकानदारों को दी गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाइश देते हुए कहा कि पटाखों की बिक्री एवं भंडारण निर्धारित नियमों के अनुरूप ही किया जाए तथा सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासनिक टीम द्वारा दुकानदारों को बताया गया कि पटाखों का कारोबार करते समय किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। दुकानों एवं गोदामों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखने, निर्धारित स्थान पर ही पटाखों का भंडारण करने तथा आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की जरूरत है। इसके साथ ही दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है प्रशासन का



उद्देश्य किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना और क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण बनाए रखना प्रशासन एवं पुलिस विभाग की इस संयुक्त कार्यवाही को क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है अधिकारियों ने सभी दुकानदारों ग्रामीणों से अपील की है कि वह प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें तथा क्षेत्र में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्थाएं बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें

धनतेरस पर केवल धन संचय नहीं सेवा और परोपकार का संकल्प भी जरूरी

भारतीय संस्कृति में धनतेरस केवल धन, वैभव और समृद्धि की कामना का पर्व नहीं है, बल्कि यह जीवन में प्रेम, सेवा, स्वास्थ्य और परोपकार के महत्व को समझने का अवसर भी है। दीपावली के पंचपर्वों का शुभारंभ धनतेरस से होता है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाने वाला यह पर्व हमारी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा हुआ है। सामान्यत: लोग इस दिन सोना-चांदी, बर्तन और अन्य वस्तुओं की खरीदारी को शुभ मानते हैं। घरों में लक्ष्मी पूजन की तैयारियां होती हैं और बाजारों में रौनक दिखाई देती है। लेकिन इस पर्व का वास्तविक संदेश केवल धन प्राप्त करना नहीं, बल्कि धन का सदुपयोग करना और जीवन को दूसरों के लिए उपयोगी बनाना है। धनतेरस के साथ भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य की पौराणिक मान्यता जुड़ी हुई है। समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद और चिकित्सा विज्ञान का आदि पुरुष माना जाता है। उनके हाथ में अमृत कलश केवल औषधि और आरोग्य का प्रतीक नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज को रोग, पीड़ा और कष्ट से मुक्त करने की भावना का संदेश भी देता है। धन्वंतरि का जीवन हमें सिखाता है कि संसार में सबसे बड़ा धन अच्छा स्वास्थ्य है और सबसे बड़ा धर्म पीडि़त मानवता की सेवा करना है। पौराणिक प्रसंग के अनुसार भगवान ने प्रसन्न होकर धन्वंतरि से वरदान मांगने को कहा तो उन्होंने राज्य, स्वर्ग अथवा मोक्ष की इच्छा व्यक्त नहीं की। उनकी एकमात्र कामना थी कि संसार के दुखी, रोगी और पीडि़त प्राणियों की वेदना दूर करने का अवसर मिलता रहे। उनका यह भाव भारतीय संस्कृति में नि:स्वार्थ सेवा की सर्वोच्च भावना को प्रकट करता है। आज जब धनतेरस पर हम समृद्धि की कामना करते हैं, तब धन्वंतरि के इस आदर्श को भी अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। धनतेरस का एक सुंदर आध्यात्मिक संदेश लक्ष्मी और प्रेम से जुड़ी एक प्रेरक कथा में मिलता है। कहा जाता है कि एक सेठ के घर लक्ष्मीजी ने प्रकट होकर बताया कि अब उनका मन कहीं अन्यत्र जाने का है। जाते समय उन्होंने सेठ को एक वरदान मांगने का अवसर दिया। सेठ ने तत्काल कोई धन-संपत्ति नहीं मांगी, बल्कि विनम्रता से एक दिन और रुकने का आग्रह किया। अगले दिन परिवार के सभी सदस्यों की उदासी देखकर सेठ ने विचार किया कि ऐसा कौन-सा वरदान मांगा जाए, जिससे घर की खुशियां हमेशा बनी रहें। अंतत: उसने अपने परिवार में प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का वरदान मांगा। लक्ष्मीजी ने प्रसन्न होकर कहा कि जहां प्रेम, स्नेह और सद्भाव का निवास होता है, वहां समृद्धि भी बनी रहती है। इस कथा का संदेश स्पष्ट है कि धन से सुख-सुविधाएं खरीदी जा सकती हैं, लेकिन परिवार की वास्तविक खुशियां प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग से ही प्राप्त होती हैं। धन का महत्व जीवन में अवश्य है, लेकिन धन ही जीवन का अंतिम उद्देश्य नहीं होना चाहिए। धन तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग परिवार, समाज और जरूरतमंदों के कल्याण में हो। केवल तिजोरी भरने से मनुष्य बड़ा नहीं बनता, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने से उसका व्यक्तित्व महान बनता है। भारतीय चिंतन में परोपकार को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। गोस्वामी तुलसीदास ने भी कहा है, परहित सरिस धर्म नहिं भाई। यह पंक्ति मानव जीवन के उद्देश्य को सरल शब्दों में स्पष्ट करती है। परोपकार के लिए किसी व्यक्ति का अत्यधिक धनवान होना जरूरी नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति के पास तीन ऐसी संपत्तियां होती हैं, जिनका उपयोग समाज सेवा में किया जा सकता है। ये हैं समय, सामर्थ्य और धन।

भारत की आर्थिक दिवाली या दुनियाँ में मंदी का महाजाल?

वैश्विक स्तरपर दीपावली केवल दीपों,खुशियों और समृद्धि का पर्व नहीं है,बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश,निराशा पर आशा और संकट पर संकल्प की विजय का प्रतीक भी है।वर्ष 2026 की दीपावली ऐसे समय में आ रही है,जब भारतीय अर्थव्यवस्था एक ओर गरीबी उन्मूलन,हरित ऊर्जा,घरेलू उपभोग,मुक्त व्यापार समझौतों और आर्थिक सुधारों की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रही है,वहीं दूसरी ओर वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव,महंगे कच्चे तेल,चीन के शेयर बाजार की कमजोरी और अमेरिका की अनिश्चित नीतियां विश्व अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,इसलिए इस बार भारतीय निवेशकों और आम नागरिकों के लिए सबसे बड़ा संदेश है कि आर्थिक उपलब्धियों का उत्सव अवश्य मनाएं, लेकिन वैश्विक जोखिमों को नजरअंदाज करके वित्तीय निर्णय न लें।इस दीपावली हमारा संकल्प होना चाहिए,आर्थिक आत्मनिर्भरता निवेश में विवेक,ऊर्जा में स्वावलंबन, रोजगार में गुणवत्ता और विकास में समानता।क्योंकि असली समृद्धि वह नहीं जो केवल शेयर बाजार में चमके, बल्कि वह है जिसकी रोशनी देश के अंतिम नागरिक के घर तक पहुंचे।29 अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंत नागेश्वरन ने कहा कि वर्ष 2026 भारत के लिए 1991 जैसा महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। उनका आशय 1991 जैसी भुगतान संतुलन की आपातस्थिति से नहीं, बल्कि बदलती वैश्विकआर्थिक व्यवस्था में भारत को अपनी रणनीति बदलने की आवश्यकता से था। उन्होंने आयात प्रतिस्थापन,घरेलू विनिर्माण,निर्यात प्रतिस्पर्धा और महत्वपूर्ण संसाधनों में रणनीतिक आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं! साथियों बात अगर हम गरीबी उन्मूलन की ऐतिहासिक उपलब्धि ~49.6 करोड़ लोगों के जीवन में बदलाव को समझने की करें तो इस दीपावली भारत के लिए सबसे उत्साहजनक समाचार विश्व बैंक की 30 अक्टूबर 2026 को चर्चा में आई अक्टूबर की इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रिफ रिपोर्ट है। इसके अनुसार वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में लगभग 49.6 करोड़ लोग प्रतिदिन 4.20 डॉलर की निम्न-मध्यम आय वाले देशों की अंतरराष्ट्रीय गरीबी सीमा से ऊपर आए। इस मानक पर गरीबी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया।वहीं तीन डॉलर प्रतिदिन के अत्यधिक गरीबी मानक पर गरीबी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हुई। दोनों आंकड़े 2021 की क्रयशक्ति समता यानी पीपीपी पर आधारित हैं। यह उपलब्धि घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि,ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती कार्य भागीदारी और खाद्यान्न सब्सिडी जैसे सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से जुड़ी है।वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि भी दर्ज की गई।इसका वैश्विक संदेश स्पष्ट है कि भारत का विशाल घरेलू बाजार निवेश और उत्पादन के लिए आकर्षक बन रहा है। लेकिन इस उपलब्धि के साथ विश्व बैंक ने आय की असमानता भी रेखांकित की है। शीर्ष 10 प्रतिशत और निचले 10 प्रतिशत के बीच आय का अंतर लगभग 13 गुना है। इसलिए गरीबी से बाहर निकलने के बाद अगली चुनौती गुणवत्तापूर्ण रोजगार,बेहतर वेतन,शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।केवल गरीबी का आंकड़ा घटना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की वास्तविक क्रयशक्ति बढ़ना भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम हरित हाइड्रोजन के 23 अनुबंध~ भारत की ऊर्जा कूटनीति को नई ताकत को समझने की करें तो,भारत की दूसरी बड़ी उपलब्धि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत सामने आई है।नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की 29 अक्टूबर की जानकारी के अनुसार 2023 में मिशन शुरू होने के बाद भारतीय कंपनियों ने कुल 23 ऑफटेक अनुबंध किए हैं, जिनकी प्रतिबद्धता लगभग 5,55, 610 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन समतुल्य है। इनमें 2026 के दौरान 18 नए समझौते हुए हैं और 70 प्रतिशत से अधिक मात्रा निर्यात के लिए निर्धारित है। इन परियोजनाओं से लगभग 90,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।जापान,दक्षिण कोरिया और यूरोपीय बाजारों के साथ ग्रीन अमोनिया तथा ग्रीन मेथनॉल के समझौते भारत को स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान दिला सकते हैं।इससे विदेशी मुद्रा अर्जन, रोजगार,तकनीकी निवेश, औद्योगिक विकास और ऊर्जा कूटनीति को मजबूती मिलेगी।हालांकि ध्यान रहे कि ये खरीद-आपूर्ति प्रतिबद्धताएं हैं,पूरी हो चुकी उत्पादन उपलब्धियां नहीं परियोजनाओं का समय पर निर्माण, सस्ती नवीकरणीय बिजली, जल उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत ही इन समझौतों को वास्तविक आर्थिक सफलता में सटीकता से बदलेंगे। साथियों, इसी दिशा में केंद्र सरकार ने 26 अक्टूबर को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन करके ई85 के साथ ई 100 ईंधन को भी मान्यता दी है। यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।ई 100 मुख्यत:एथेनॉल आधारित ईंधन है,जिसका उपयोग केवल उसके अनुकूल और प्रमाणित फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में किया जा सकेगा। सामान्य ई 20 वाहनों को ई100 के अनुकूल नहीं माना जा सकता।भारत में गन्ना, मक्का और अन्य कृषि आधारित स्रोतों से एथेनॉल उत्पादन बढ़ने पर किसानों की आय, ग्रामीण उद्योग और रोजगार को लाभ मिल सकता है। सबसे बड़ा रणनीतिक लाभ कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने का है। लेकिन इसके लिए एथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता, खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों का संतुलित उपयोग, वाहन निर्माण और देशव्यापी ईंधन वितरण नेटवर्क विकसित करना होगा। साथियों बात अगर हम चीन का 3.5 ट्रिलियन डॉलर का शेयर बाजार झटका~ भारत के लिए अवसर या चेतावनी? को समझने की करें तो,दूसरी ओर चीन का शेयर बाजार निवेशकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तकउपलब्ध बाजार रिपोर्टों के अनुसार सीएसआई 300 सूचकांक में लगातार 12 सप्ताह की साप्ताहिक गिरावट दर्ज हुई, जो 2005 में इसके आरंभ के बाद सबसे लंबी गिरावट बताई गई है। मई के शिखर से चीनी शेयर बाजार लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर का बाजार मूल्य गंवा चुका है। इसके पीछे कमजोर घरेलू मांग, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट, रियल एस्टेट संकट, इलेक्ट्रिक वाहन और तकनीकी कंपनियों में प्रतिस्पर्धा, एआई निवेश पर बढ़ते खर्च तथा सरकारी प्रोत्साहन की प्रभावशीलता को लेकर अनिश्चितता प्रमुख कारण हैं।एआई क्षेत्र में भारी पूंजी लगाने के बावजूद निवेश पर अपेक्षित प्रतिफल न मिलने की आशंका ने भी तकनीकी शेयरों पर दबाव बढ़ाया है। चीन की यह स्थिति भारत के लिए अवसर पैदा कर सकती है, क्योंकि वैश्विक कंपनियां वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र तलाश रही हैं। भारत को इसका लाभ तभी मिलेगा जब वह लॉजिस्टिक्स, उत्पादन लागत, कौशल, नीतिगत स्थिरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार करेगा। केवल चीन की कमजोरी से भारतीय बाजार अपने आप मजबूत नहीं हो जाएगा। साथियों बात अगर हम ट्रंप की 1929 जैसी महामंदी की चेतावनी~ क्या दुनिया फिर आर्थिक तबाही की ओर? को समझने की करें तो,अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक और राजनीतिक बयान वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहे हैं।12 अक्टूबर को ओहायो की चुनावी सभा में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि डेमोक्रेटिक पार्टी जीतती है तो अमेरिका को 1929 जैसी आर्थिक महामंदी का सामना करना पड़ सकता है और लोगों के 401(के)सेवानिवृत्ति निवेश की कीमत प्रभावित हो सकती है। 27 अक्टूबर को टेक्सास की सभा में भी उन्होंने इसी प्रकार की चेतावनी दोहराई। लेकिन यह ट्रंप का चुनावी राजनीतिक दावा है, किसी आर्थिक संस्था का प्रमाणित पूर्वानुमान नहीं।1929 की महामंदी के पीछे शेयर बाजार का पतन,बैंकिंग संकट, मांग में भारी कमी, बेरोजगारी और मौद्रिक नीतियों की विफलताएं थीं। आज अमेरिकी अर्थव्यवस्था की संरचना, केंद्रीय बैंकिंग व्यवस्था और वित्तीय नियमन अलग हैं।इसलिए 1929 जैसी मंदी को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। फिर भी व्यापार शुल्क,सरकारी कर्ज,महंगी ऊर्जा,भू- राजनीतिक युद्ध और निवेशकों के भरोसे में गिरावट गंभीर जोखिम हैं। यदि अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट आती है तो विदेशी संस्थागत निवेशक उभरते बाजारों से पूंजी निकाल सकते हैं, डॉलर मजबूत हो सकता है और भारतीय शेयर बाजार पर भी दबाव बढ़ सकता है। साथियों ट्रंप ने 27 अक्टूबर को टेक्सास की एक सभा में वेनेजुएला को संभावित रूप से अमेरिका का 51वांराज्य बनाने की बात भी कही।उन्होंने वहां के विशाल तेल भंडार और अमेरिकी कंपनियों के निवेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति के स्थान पर गवर्नर चुने जाने जैसी टिप्पणी की।यह फिलहाल राजनीतिक बयान है,कोई कानूनी विलय प्रक्रिया नहीं। वेनेजुएला की संप्रभुता,वहां की जनता की सहमति और अमेरिकी संवैधानिक प्रक्रिया के बिना ऐसा कदम व्यावहारिक नहीं है। इसका वास्तविक आर्थिक महत्व वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर अमेरिकी प्रभाव, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक तेल बाजार की प्रतिस्पर्धा से जुड़ा है।भारत के लिए इसका प्रभाव तेल की कीमतों, अमेरिकी ऊर्जा नीति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक समीकरणों के माध्यम से सामने आ सकता है। साथियों बात अगर हम 116 डॉलर का कच्चा तेल~ भारत के घरेलू बजट पर वैश्विक युद्ध का प्रहार को समझने की करें तो,पश्चिम एशिया का तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की सबसे संवेदनशील नस यानी ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब की रास तनुरा और रबीघ रिफाइनरी तथा अबकैक स्थित ऊर्जा प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के दावों के बाद तेल बाजार में घबराहट बढ़ी है। 30 अक्टूबर को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 115.74 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 102.72 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। बाद में ब्रेंट का वायदा भाव 117.64 डॉलर पर बंद हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ी है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। इसलिए तेल महंगा होने का अर्थ केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दबाव नहीं,बल्कि परिवहन खाद,बिजली,खाद्य पदार्थों, विनिर्माण और आयात बिल पर भी असर है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यत: समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री



का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे। दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

-ललित गर्ग

गोस्वामी तुलसीदास जी का भगवान राम के प्रति मर्यादा का सन्देश

-संजय गोस्वामी

आपके वचन युगों-युगों तक जन-जन को श्री राम के मार्ग पर अग्रसर रखेंगे।गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम भारतीय भक्ति साहित्य में विशिष्ट स्थान रखता है। उनकी प्रमुख कृति श्री रामचरितमानस ने हिंदी भाषा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और रामकथा को अत्यंत सरल एवं भावपूर्ण रूप में जन-जन में स्थापित किया। तुलसीदास जी का जीवन और साहित्य हमें सद्भाव, आस्था और सनातन संस्कारों की अमर विरासत से परिचित कराता है। हम उनके जीवन, कार्यों, भक्ति आंदोलन और भारतीयता में उनके अमूल् योगदान का सम्यक् चिंतन करेंगे।तुलसीदास जी का जन्म संयोगवश 1532 ई. में माता रत्नावली के घर हुआ था। बचपन से ही ऋषि-मुनियों के जीवन के प्रति उनमें गहरी श्रद्धा थी। बचपन में ही सीता-राम नाम के प्रथम कीर्तन ने उनके हृदय में रामभक्ति जागृत कर दी। उनकी शिक्षा शिष्य-अध्यापकों से नहीं, बल्कि ग्राम्य जीवन में पाए जाने वाले लोकगीतों, भजनों और काव्यों से हुई। इस प्रकार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने उन्हें लोकभाषा और लोकभावना से सहज ही जोड़ दिया।रामचरितमानस तुलसीदास जी के जीवन का चरमोत्कर्ष था। अवधी भाषा में लिखा गया यह महाकाव्य, जिसके कारण यह ग्राम्य जीवन में भी सहज रूप से समाहित हो गया।बालकाण्ड से उत्तरकाण्ड तक, राम का प्रत्येक चरित्र सागर के समान है, नीति, दर्शन और भक्ति का अनूठा मिश्रण, श्लोकों में गहन अर्थ और छंदों में मधुरता।इन विशेषताओं ने रामचरितमानस को न केवल एक धार्मिक ग्रंथ, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भों में एक मार्गदर्शक भी बनाया।तुलसीदास जी की साहित्यिक भाषा ने भारतीय समाज को गहन आध्यात्मिक अनुभूति से परिचित कराया। उनके द्वारा रचित काव्यों ने समाज पर गहरे प्रभाव छोडे। 1. सामाजिक समरसता~ जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव के बिना सभी के लिए भक्ति सुलभ बनाई।2. उपासना की सरलता~ जटिल कर्मकांडों के स्थान पर सरल उपासना पद्धतियाँ प्रस्तुत की गईं। 3. नैतिक शिक्षा~ राम के आदर्श चरित्र के माध्यम से नैतिकता, त्याग और कर्तव्य का संदेश दिया।इन गुणों ने रामचरितमानस को हर घर, हरिजन, किसान, कारीगर, व्यापारी और राजकुमार के हृदय में जीवंत कर दिया।तुलसीदास जी ने सनातन संस्कृति की जड़ें मजबूत कीं और भारतीयता का स्वर बुलंद किया। उन्होंने रामायण के प्रमाणों को न केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित रखा, बल्कि उसे वैश्विक मानवता के आदर्श के रूप में भी प्रकट किया। उनके भक्ति गीतों और दोहों ने नैतिकता, सत्कर्म और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रबल आह्वान किया।तुलसीदास जी के गीतों में राम नाम पुण्य का सार है, जीवन में प्रेम बहा दीनदयालु रामचंद्र, विनती हमारी स्वीकार ये पद लोगों को नैतिक आधार पर खड़ा करने का एक प्रयास हैं।भक्ति आंदोलन में तुलसीदास की भूमिका अविस्मरणीय है। उन्होंने मध्यकालीन भारत में अनेकता में एकता का जो संदेश दिया, उसने देश की सांस्कृतिक एकता को नवजीवन प्रदान किया। गाँव-गाँव में भक्ति संगीत, कीर्तन, पदयात्रा और रामलीला के आयोजनों ने लोगों को एकता का एहसास कराया। उनसे प्रेरित होकर अनेक संतों और ऋषियों ने राम नाम का प्रचार किया और राममय वातावरण का निर्माण किया।आज, जब दुनिया में तर्क, वैज्ञानिकता और तात्कालिकता का बोलबाला है, तुलसीदास जी का संदेश हमें मानसिक शांति, समाज की सहिष्णुता और आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग दिखाता है।तनाव और मानसिक अशांति के समय रामचरितमानस का पाठ मन को शांति प्रदान करता है। सामाजिक विभाजन और हिंसा के युग में रामराज्य का आदर्श प्रेरणा देता है, यह युवाओं के लिए कर्तव्य और चरित्र निर्माण के आदर्श स्थापित करता है। इस प्रकार, तुलसीदास जी का मानस आज भी एक कालजयी मार्गदर्शक बना हुआ है।पूज्यपाद तुलसीदास जी द्वारा रचित सभी ग्रंथों में प्रमुख हैं, श्री रामचरितमानस, विनयपत्रिका, कविता-विलास, दोहावली आदि अन्य। अत: उनका साहित्य न केवल धार्मिक प्रवचन का उदाहरण है, बल्कि हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय संस्कृति की सर्वांगीण दृष्टि का भी प्रतिनिधित्व करता है। तुलसीदास जी की अविरल वाणी का प्रवाह सदैव लोगों को श्री राम के चरित्र, आदर्शों और मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। उनका जीवन, उनका साहित्य और उनका भक्तिमय चिंतन हमें न केवल आध्यात्मिक उत्थान प्रदान करता है, बल्कि नैतिक और सामाजिक जागृति की सर्वोत्तम नींव भी रखता है। हम उनकी जयंती पर उन्हें नमन करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनकी अमर गाथा हमारे हृदय में सदैव जीवित रहे।अत: श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर हमें उनके उच्च आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवन को राममय बनाना चाहिए।भारत में भगवान राम जी की महिमा को उजागर करने गोस्वामी तुलसीदास ने भारत को राममई किया क्योंकि पहले जो पंडित थे वो पहले जातपात आपस में बड़ा बनने की चाहत में बाल्मीकि रामायण को संस्कृत में ही पाठ करते और इस तरह लोगों में संस्कार में कमी आई इसी को दूर करने निकलें गोस्वामी तुलसीदास जी ने उसे हिंदी में ही लोगों को समझाना चालू किया और जन जन में राम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन भी काफी संघर्ष से जुड़ा रहा उनके जन्म के समय अशुभ घटनाओं के कारण, उन्हें चौथी रात को उनके माता-पिता ने त्याग दिया, अपनी रचनाओं कवितावली और विनय पत्रिका में, तुलसीदास ने अपने माता-पिता द्वारा अशुभ ज्योतिषीय विन्यास के कारण जन्म के बाद उन्हें त्यागने दिया। चुनिया बच्चे को अपने गाँव हरिपुर ले गई और साढ़े पाँच वर्ष तक उसकी देखभाल की, जिसके पश्चात् उसकी मृत्यु हो गई। रामबोला को एक दरिद्र अनाथ के रूप में स्वयं की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया गया था, और वह भिक्षा मागते हुए दर-दर भटकता रहा। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने एक ब्राह्मण महिला का रूप धारण किया और रामबोला को हर दिन भोजन कराया। बाद में साधु अनन्ताचार्य के शिष्य बने व दस वर्ष की उम्र में ही सभी वेदों का ज्ञान हुआ कुछ काल राजापुर रहने के बाद वे पुन~ काशी चले गये और वहाँ की जनता को राम-कथा सुनाने लगे। कथा के दौरान उन्हें एक दिन मनुष्य के वेष में एक प्रेत मिला, जिसने उन्हें हनुमान जी का पता बतलाया। हनुमान जी से मिलकर तुलसीदास ने उनसे श्रीरघुनाथजी का दर्शन कराने की प्रार्थना की। हनुमानजी ने कहा- तुम्हें चित्रकूट में रघुनाथजी दर्शन होंगें। इस पर तुलसीदास जी चित्रकूट की ओर चल पड़े। चित्रकूट पहुँच कर उन्होंने रामघाट पर अपना आसन जमाया। हर दिन की भांति वे भगवान राम जी की पूजा करते और सभी को चन्दन लगा जय श्री राम को बोलने को कहते एक दिन भगवान राम और लखन वहाँ चन्दन लगाने आएं और तुलसीदास जी पहचान ना सके तो उन्होंने चन्दन लगाने के बाद जय श्री राम बोलने को कहा लक्ष्मण जी ने बोला भगवान राम चुप हो गए तब तुलसीदास कहते हैं आप भगवान राम को नहीं जानते वह परमात्मा है जो सभी की रक्षा करता है तभी भगवान श्री राम जय श्री राम बोलकर अन्तर्याध्यान हो गएयह संवत 1607 की मौनी अमावस्या को बुधवार की घटना है हनुमान जी ने ने तोते का रूप धारण करके यह दोहा कहा~चित्रकूट के घाट पर, भइ सन्तन की भीर।तुलसिदास चन्दन घिसें, तिलक देत रघुबीर॥ इसके बाद रामचरित्रमानस को लिखने वाराणसी के अस्सी घाट में आये वहाँ के साधु संतो ने उनका हिंदी में रामचरित्र मानस का घोर विरोध किया बाद में सबों ने विश्वनाथ मंदिर में अपना अपना ग्रन्थ रखा सुबह देखा तो रामचरित्र मानस सबसे उपर था यह देखकर सबों ने उनका सम्मान किया और उनकी शक्ति को पहचाना और उसका कारण पूछा तब तुलसीदासजी ने उत्तर दिया की हिंदी में मैं इसे इसलिए लिख रहा हूँ की यह हर हिन्दू के घर घर में हो और राम नाम की महिमा को पहचान सके उनकी कीर्ति और व्यक्तित्व का प्रकाश हमें बलवान, दयालु और धार्मिक बनाकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा हेतु प्रेरित करता रहे।

गोंदिया के इतिहास में पहली बार नजूल जमीन अब बिना मूल्य होगी वर्ग-1

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों को मिली सफलता, शहरवासियों को दिवाली पर सरकार की बड़ी सौगात!

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर की नजूल जमीन पर वर्षों से निवास कर रहे हजारों नागरिकों के मालिकाना हक का सवाल आखिरकार हल होने की दिशा में एक बड़ा कदम सामने आया है। गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के बाद राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में गोंदिया शहर की नजूल जमीन का बिना मूल्य वर्ग-1 में रूपांतरण करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गोंदिया के इतिहास में इसे एक ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है। इस फैसले से वर्षों से जमीन के मालिकाना हक की प्रतीक्षा कर रहे शहरवासियों को बड़ी राहत मिलने का रास्ता खुल गया है। दिवाली के ऐन अवसर पर मिला यह निर्णय शहरवासियों के लिए किसी बड़े उपहार से कम नहीं है।

6 नवंबर को वितरित होंगे जमीन के पट्टे

आजादी के बाद से विस्थापन की पीड़ा के साथ जमीन के पट्टों और मालिकाना हक की प्रतीक्षा कर रहे सिंधी समाज के नागरिकों के लिए भी विधायक विनोद अग्रवाल ने शासन स्तर पर बड़ी जद्दोजहद की है। लगातार प्रयासों के चलते सिंधी समाज को भी जमीन का मालिकाना हक दिलाने का प्रयास विधायक विनोद अग्रवाल ने किया। दिवाली पूर्व सैकड़ों सिंधी समाज के नागरिकों को पट्टे वितरित करने का कार्य विधायक विनोद अग्रवाल के हस्ते किया जा रहा है। गौरतलब है समाज के नागरिक लंबे समय से अपने अधिकारों की मांग उठा रहे थे। पूर्व में अनेक जनप्रतिनिधियों द्वारा इस विषय पर आश्वासन दिए गए, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। विधायक



विनोद अग्रवाल ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए और उन्हें जमीन के पट्टे देने का समाधान हुआ।

ग्रामीण क्षेत्र के 18 हजार अतिक्रमणधारकों को पहले ही दिलाए पट्टे

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी की जगह पर निवास कर रहे 13 हजार नागरिकों एवं अतिक्रमण की जगह पर निवास कर रहे 5 हजार लोगों को जमीन के पट्टे उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस कार्यक्रम में स्वयं राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले उपस्थित रहे थे। इसी दौरान विधायक अग्रवाल ने गोंदिया शहर की नजूल जमीन से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्या को भी प्रमुखता से उठाते हुए इसके स्थायी समाधान की मांग रखी थी। लगातार शासन स्तर पर किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप अब शहर के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय सामने आया है।

झुडपी जंगल जमीन के अतिक्रमण धारक और टैंकपार के सिंधी समाज के नागरिकों को भी नियमित करने के प्रयास तेज

विधायक विनोद अग्रवाल ने नजूल जमीन के मालिकाना हक के साथ-साथ वनभूमि झुडपी जंगल जमीन पर 1996 के पूर्व के अतिक्रमण धारक एवं शहर के टैंकपार में बसे सिंधी समाज के नागरिकों को भी राहत देने प्रयास तेज कर दिए है। इन्हें भी नियमित कर पट्टे का अधिकार दिलाने का प्रयास विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। उनका कहना है कि वर्षों से जमीन के अधिकारों की प्रतीक्षा कर रहे नागरिकों को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर विधायक विनोद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फ ड णा वी स , उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार तथा राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के प्रति आभार व्यक्त किया।

सालेकसा में गुटखा-तंबाकू के खिलाफ छापेमारी, 7,450 रुपये जुर्माना वसूला

39 पानटपरी दुकानों की जांच; तंबाकू नियंत्रण कानून के तहत कार्रवाई

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0' के अंतर्गत सालेकसा में गुटखा और तंबाकू के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 39 पानटपरी दुकानों की जांच कर तंबाकू और तंबाकूजन्य पदार्थों का सेवन एवं भंडारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान में कुल 7,450 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

केटीएस जिला सामान्य अस्पताल, गोंदिया के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की टीम ने सालेकसा के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों और पानटपरी दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान दुकानदारों को तंबाकू और तंबाकूजन्य पदार्थों के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई तथा धूम्रपान निषिद्ध क्षेत्र से संबंधित पोस्टर वितरित कर जनजागृति की गई। जिले में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष टीमें गठित की हैं। सभी सरकारी एवं अर्धसरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर तंबाकू तथा तंबाकूजन्य पदार्थों का सेवन और उन्हें रखने पर प्रतिबंध है। जिलाधिकारी मंदार पत्की एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी झेनिथ दोंतुला



ने इस संबंध में नियमित जांच के निर्देश दिए हैं। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पटले, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तृप्ति कटरे और पुलिस निरीक्षक रवि नागोशे के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। जिला सलाहकार डॉ. ज्योति राठौड़ ने बताया कि कोटपा अधिनियम 2003 के तहत दंडात्मक कार्रवाई कर 7,450 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अभियान में डॉ. ज्योति राठौड़, मनोवैज्ञानिक सुरेखा आजाद मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, दंत तकनीशियन यश जयस्वाल, दंत सहायक विवेकानंद कोरे तथा पुलिस विभाग के विनोद वैद्य और उमेश उपराडे ने सहभागिता की। इस दौरान तंबाकू छोड़ने के लिए टोल फ्री नंबर और कोटपा कानून से संबंधित सूचना सामग्री वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया।

नक्सलग्रस्त पिपरखारी में पुलिस का 'दीपावली मिलन'

145 आदिवासी परिवारों को जीवनोपयोगी सामग्री व मिठाई का वितरण

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गड़चिरोली जिले की सीमा से सटे अति संवेदनशील व नक्सल प्रभावित देवरी तहसील के पिपरखारी क्षेत्र में गोंदिया जिला पुलिस दल की ओर से सामाजिक सरोकार के तहत दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दादालोरा पुलिस खिड़की योजना के अंतर्गत जिला पुलिस दल और मौली सेवा संघ, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 1 नवंबर को यह कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे व अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे की संकल्पना तथा देवरी के उपविभागीय पुलिस अधिकारी राजेश तटकरे की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में पिपरखारी, गौरीटोला, महाजनटोला और पुरामटोला के गरीब आदिवासी परिवारों की 145 महिलाओं व जरूरतमंद नागरिकों को साड़ियां,



कंबल, मिठाई, चिवड़ा और अन्य जीवनोपयोगी सामग्री वितरित की गई. दीपावली के अवसर पर पुलिस से मिली इस सहायता से आदिवासी परिवारों के चेहरों पर खुशी झलक उठी. इस पहल का उद्देश्य दुर्गम व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों के साथ पुलिस का संवाद और संबंध मजबूत करना, आदिवासी समाज में विश्वास व सुरक्षा की भावना बढ़ाना तथा पुलिस की सकारात्मक छवि स्थापित करना है. कार्यक्रम में मौली सेवा संघ, नागपुर के सुहास खरे व उनकी टीम, चिचगढ़ पुलिस थाने के प्रभारी जनार्दन हेगडकर, पिपरखारी एओपी के प्रभारी पुलिस उपनिरीक्षक नेताम, वैद्यकीय अधिकारी डा. जाटवे, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और आदिवासी नागरिक उपस्थित थे.

शिवसेना का किसानों व जरूरतमंदों को मदद का हाथ

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सूखे की मार झेल रहे किसानों के साथ ही गरीब, जरूरतमंद, दिव्यांग, परित्यक्ता व विधवा महिलाओं व मेहनतकश मजदूरों की दिवाली खुशहाल बनाने के उद्देश्य से शिवसेना ने दिवाली राशन किट वितरण की पहल की है. उपमुख्यमंत्री व शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र के कम से कम 5 हजार परिवारों तक राशन किट पहुंचाने का संकल्प लिया गया है. यह जानकारी पूर्व विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे ने 4 नवंबर को कोहमारा स्थित एरिया 51 में आयोजित एक चर्चा में दी. चंद्रिकापुरे ने बताया कि प्राकृतिक आपदा और संकट के समय आम लोगों की मदद करना शिवसेना की प्राथमिकता रही है. इसी भावना के तहत सूखे की पृष्ठभूमि में शिधा किट वितरण का निर्णय लिया गया है. गरीब, वंचित और मेहनतकश



परिवारों के घरों में भी दिवाली की खुशियां पहुंचे, इसी उद्देश्य से विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शिवसेना पदाधिकारियों के माध्यम से वितरण कार्य शुरू किया गया है. उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर, विधवा, दिव्यांग और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में दिवाली का आनंद लाने के लिए शिवसेना लगातार प्रयासरत है. आपदा के समय सहायता करना और आम लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना पार्टी की मूल संस्कृति है. भविष्य में भी एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में ऐसे जनहितकारी उपक्रम व्यापक स्तर पर चलाए जाएंगे. चर्चा में पूर्व विधायक चंद्रिकापुरे के साथ शिवसेना लोकसभा संघटक डा. सुगत चंद्रिकापुरे, विधानसभा संघटक महेश डुंभरे, गिरीपाल फुले, मुनेश्वर देशपांडे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

लकड़ी के डंडे से मारपीट

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत ग्राम बरबसपुरा में एक युवक पर टिकाऊ के लकड़ी के डंडे से प्रहार किया गया. जिसमें वह घायल हो गया. जानकारी के अनुसार, बरबसपुरा निवासी फिर्यादी अमोल मोतीलाल पटले (35) सीताफल तोड़ने के लिए जा रहा था. जहां आरोपी अंकीत उर्फ त्यंबक पटले (26) पहले से ही सीताफल तोड़ रहा था. फिर्यादी ने उसे अटकाव किया. जिस पर आरोपी ने उसके साथ विवाद कर गालीगलौज की. साथ ही टिकाश के लकड़ी के डंडे से मारपीट की. वहीं आरोपी जवाहलाल पटले (65) व शांताबाई पटले (60) ने भी उसके साथ गालीगलौज कर मारपीट की. फिर्यादी की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार देशपांडे कर रहे हैं.

विधायक के आश्वासन के बाद किसानों ने खत्म किया अनशन

एक सप्ताह से तहसील कार्यालय के सामने जारी था आंदोलन

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। कर्जमाफी का लाभ मिलने के बावजूद खरीफ सीजन का नया फसल कर्ज नहीं मिलने से नाराज किसानों ने आखिरकार अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया. बुधवार, 4 नवंबर को विधायक संजय पुराम ने अनशन स्थल पर पहुंचकर मध्यस्थता की और मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. इसके बाद किसानों ने अपना अनशन वापस ले लिया.जानकारी के अनुसार, सालेकसा तहसील के सालेकसा, पिपरिया, दरेकसा, गोरें, लोहारा और मकाटोला स्थित आदिवासी सहकारी संस्थाओं के सदस्य किसानों को सहकारी बैंक के माध्यम से फसल कर्ज दिया जाता है. इनमें से कुछ किसानों का पुराना फसल कर्ज बकाया था. शासन की ओर से कर्जमाफी मिलने के बाद किसानों ने नए खरीफ फसल कर्ज के लिए आवेदन किया, लेकिन बैंकों को कर्जमाफी का प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं होने के कारण उन्हें ऋण नहीं मिल सका. बाद में 31 अगस्त को खरीफ फसल कर्ज वितरण की समयसीमा समाप्त होने का हवाला देकर बैंकों ने कर्ज देने से इनकार कर दिया. इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई. इस वर्ष फसलों पर रोगों के प्रकोप के कारण खेती का खर्च भी बढ़ गया है. किसानों का कहना था कि उन्हें खरीफ सीजन में साहूकारों से कर्ज लेकर खेती करनी पड़ी. पीक कर्ज की मांग को लेकर वीरेंद्र उईके, मुकेश इनवाते, संतोष उईके और रमेश मड़ावी ने 29 अक्टूबर से तहसील कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू किया था. बुधवार को विधायक संजय पुराम के साथ तहसीलदार नरसय्या कोंडागुर्ले, डा. राजेंद्र बडोले, ब्रजभूषण बैस, विक्की भाटिया, जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेश टेटे, सालेकसा को-ऑपरेटिव बैंक के प्रबंधक विनोद पटले सहित अन्य अधिकारी व पदाधिकारी अनशन स्थल पर पहुंचे. उन्होंने किसानों से चर्चा कर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ.

मुंडीकोटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं की जांच बंद

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किए जा रहे सरकारी दावों के बीच मुंडीकोटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है. यहां गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांच बंद होने से उन्हें 18 से 20 किलोमीटर दूर तुमसर या तिरोड़ा उपजिला अस्पताल जाना पड़ रहा है. इससे गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.जानकारी के अनुसार, मुंडीकोटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं की विभिन्न जांचों के लिए नियुक्त कर्मचारी सेविका आधार पर कार्यरत थे. उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद सेवाएं बंद हो गईं. इसके चलते जांच करने वाले कर्मचारियों के पद रिक्त पड़े हैं और गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच नहीं हो पा रही है. ग्रामीणों



का कहना है कि एक ओर सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं का प्रचार करती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी जांच सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं. महिलाओं को छोटी-छोटी जांचों के लिए दूर के अस्पतालों में जाना पड़ रहा है. इससे समय, पैसे और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं. स्थानीय नागरिकों ने आशंका जताई है कि समय पर जांच नहीं होने से गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है. ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग व शासन से मांग की है कि मुंडीकोटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच सेवाएं तत्काल शुरू की जाएं तथा रिक्त पदों पर कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए, ताकि गर्भवती महिलाओं को अपने ही क्षेत्र में आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें.

दीपावली त्यौहार पर बिजली पूर्ति बंद न करें

नागरिकों की बिजली विभाग से मांग

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली त्यौहार में सभी वर्ग के नागरिक गरीब, मजदूर, व्यापारी, धनासेठ सभी अपने घरों में बिजली की रोशनाई कर बड़े ही अपनी परिस्थिति अनुसार त्यौहार मनाते है. इस पर्व का मतलब ही यह है कि अंधेरों को दूर करने बिजली की रोशनाई से जगमगाना. दीपावली का पर्व ही अँधियारों को उजाले से दूर करता है. बिजली का उपयोग, किसान, मजदूर, शिक्षारत छात्र, छोटे-मोटे व्यापारी, कारखानदार, सरकारी कार्यालय आदि सभी को बिजली पर निर्भर रहना पड़ता है. पहले अन्न वस्त्र, निवारा यह तीन चिजे मनुष्य के लिए महत्वपूर्ण थी, लेकिन अब बिजली, पानी भी मनुष्य की महत्वपूर्ण श्रेणी में आ चुका है. दुनिया कर ली मुट्ठी में वाले मोबाइल को रिचार्ज करने के लिए भी बिजली की गरज पड़ती है. मोबाइल तो हर किसी के पास रहना आम बात हो चुकी है. हर हाथ में मोबाइल नजर आता है. अदानी पॉवर प्लांट होने के बावजूद छोटे-छोटे कारणों से बिजली बंद कर दी जाती है. जहां बिजली पैदा हो रही है, वहीं पर बिजली बंद का रोना हो तब दिया तले अंधेरा वाली कहावत चरितार्थ होती है. आशिया खंड का सबसे बड़ा बिजली उत्पादन करने वाला प्लांट है. फिर तो इस तहसील में 24 घंटे बिजली रहनी चाहिए, बिजली का संकट किसी भी हालत में नहीं होना चाहिए, लेकिन हो रहा है. यह संकट क्षेत्रीय जनता को आजतक समझ में नही आया है.दीपावली पर्व पर बिजली की खपत वापर ज्यादा प्रमाण में होता है. यह बात भी सही है, लेकिन यहा बिजली उत्पादन केंद्र हो है, यहां की बिजली दूसरी जगह सप्लाय की जाती है. तब तो यहां बिजली की तंगी किसी भी हालात में नही रहनी चाहिए, ऐसी जनता की सोच है. तहसील वासियों की बिजली विभाग के अधिकारियों से मांग है कि छोटे-मोटे कारणों के लिए कभी भी पूर्व सूचना के बिजली पूर्ति बंद कर दी जाती है. जो बिजली पूर्ति बंद करने का खेल दीपावली पर्व को देखते हुए बंद कर दिया जाय, दीपावली जैसे त्यौहार का आनंद लेने में बिजली विभाग अडंगा डालकर रोड़ा न बने.

मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर थाने के तहत लोधीटोला सावरी निवासी फिर्यादी आकाश संजय लिल्हारे (26) ने अपनी मोटरसाइकिल श्री टॉकीज चौक में खड़ी किया था व दुकान में काम करने के लिए चले गया. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मोटरसाइकिल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सुदेश टेंभरे कर रहे हैं.

बंद घर से 2.81 लाख रु. को आभूषण चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर थाने के तहत गोविंदपुर निवासी फिर्यादी अनिता देवेंद्र राऊत (45) बाहरगांव गई थी. इसी को फायदा उठाते हुए अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर से 1 लाख 81 हजार रु. कीमत का 31.44 ग्राम सोना व 1 लाख रु. कीमत का मंगलसूत्र ऐसा कुल 2 लाख 81 हजार रु. का माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक बैस कर रही हैं.

कोसमघाट क्षेत्र में तेंदुए की दहशत

गोठे में घुसकर तीन बकरियों का किया शिकार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सड़क अर्जुनी के तहसील के कोसमघाट गांव में तेंदुए के हमले से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है. बुधवार, 4 नवंबर को किसान दादू ठाकरे के गोठे में घुसकर तेंदुए ने एक साथ तीन बकरियों का शिकार कर लिया. इस घटना से किसान को आर्थिक नुकसान हुआ है.जानकारी के अनुसार, कोसमघाट और आसपास का क्षेत्र नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र से सटा हुआ है. यहां वन्यप्राणियों की आवाजाही बनी रहती है. जंगली जानवरों द्वारा खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही पालतू पशुओं पर हमले की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं. ग्रामीणों के अनुसार, करीब एक महीने पहले भी इसी परिसर में तेंदुए ने गोठे में घुसकर बकरियों का शिकार किया था. अब 3 नवंबर की रात दादू ठाकरे के गोठे में घुसकर तीन बकरियों को मार डालने की घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल है. ग्रामीणों ने वन्यजीव विभाग पर शिकायतों के बावजूद ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया है. किसानों ने वन विभाग से तत्काल प्रतिबंधात्मक उपाययोजना करने, तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने तथा पीड़ित किसान को नियमानुसार मुआवजा देने की मांग की है.

अवैध सागौन लकड़ी की तस्करी का पर्दाफाश

1.06 लाख रु. की सागौन लकड़ी जब्त, चालक फरार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी तहसील के वन विभाग ने गश्त के दौरान अवैध रूप से सागौन लकड़ी की तस्करी कर रहे एक पिकअप वाहन को जब्त किया है. वाहन से सागौन लकड़ी के 6 नग बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 6 हजार 809 रु. बताई गई है. कार्रवाई के दौरान वाहन चालक के वाहन लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन वन कर्मचारियों की सतर्कता के चलते वाहन को अपने कब्जे में ले लिया गया. वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सागौन प्रजाति के कुल 6 नग पाए गए. जब्त लकड़ी की कुल मात्रा 2.084 घन मीटर आंकी गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 6 हजार 809 रु. है. हालांकि, कार्रवाई के दौरान चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा. वन विभाग की टीम उसकी तलाश कर रही है. इस मामले में वाहन और लकड़ी जब्त कर मामला दर्ज किया गया है. जांच वन विभाग द्वारा की जा रही है. यह कार्रवाई उपवनसंरक्षक पवनकुमार जोंग व सहायक वनसंरक्षक एस.एम. डोंगरवार के मार्गदर्शन में वनपरिक्षेत्र अधिकारी देवरी एस.वी. धोटे-मिश्रा के नेतृत्व में क्षेत्र सहायक जी.आई. लांजेवार, वनरक्षक एस.यू. चव्हाण, जे.एस. केंद्रे, एस.टी. ब्राह्मणवत, ए.जी. कानगुले, वी.एस. मेथलवाड, डी.बी. केंद्रे सहित लाखनी वनपरिक्षेत्र के वनपाल मेश्राम, वनरक्षक बालासाहेब निक्षित व अन्य वन कर्मचारियों ने की.

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। गुरूवार को पूछपरख से तुअर अच्छे मालों में बाजार तेजी के रहे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश ठंडे-ठंडे रहे। तिलहनों में स्थिरता रही। किराना जिंसों में ग्राहकी अच्छी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में पूछपरख से भावों में जोरदार तेजी रही। अच्छे मालों में बाजार चढ़ गये। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश स्थिर रहे। सरसो व सोयाबीन में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में पूछपरख के बीच बाजार मजबूत रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5450-5600, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 790-825, गारबल्ड 770-775, मटरदाना 850-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1820, राजकोट तेलिया 2800, सोया साल्वेंट 1345-1350, सोया रिफाइंड 1405-1410, कपास्या 1440, धूलिया 1445, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1390, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7500-7550, विशाल 7400-7450, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9200-9300, एवरेज 9000-9100, हल्की 8900-9000, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

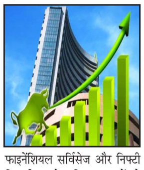
चॉंदी (9999) 190000, चॉंदी (99) 189500, टंच 189000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 146000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की तेजी के साथ ही 94.46 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.61 पर बंद हुआ था। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था। यह 14 पैसे चढ़कर 94.61 प्रति डॉलर पर रहा था।

शेयर बाजार बंपर तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले बेहतर संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक बढ़कर 79,310.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 576 अंक उछलकर 24,536.60 पर बंद हुआ। बाजार में इस सप्ताह लगातार तेज रही है जिससे सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जिससे निवेशकों को भारी लाभ हुआ। वहीं पिछले सप्ताह 28 अक्टूबर को बाजार पूंजीकरण 473 लाख करोड़ रुपए था। कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक बढ़कर 60,620.90 पर आ गया था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो , निफ्टी



फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ में रहे । इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी आईटी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज में सबसे ज्यादा बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई गिरावट के साथ बंद हुए। सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 1609 अंकों की मजबूती के साथ 78910 पर खुला जबकि निफ्टी भी करीब 380 अंकों की बढ़त के साथ 24400 के पास रहा।दूसरी ओर वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 3 फीसदी की तेजी आई।

दिवाली पर शेयर बाजार में प्री-ओपन सेशन दोपहर 2:05 बजे से

नई दिल्ली। एजेंसी। दिवाली 8 नवंबर को रविवार के दिन पड़ रही है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार निवेशकों को इस शुभ अवसर पर निराश नहीं करेगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) खास मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र का आयोजन करेंगे, जो नए हिंदू संवत 2083 के स्वागत और शुभ शुरुआत के लिए आयोजित किया जाएगा। हर साल की तरह दिवाली के मौके पर भारतीय शेयर बाजार एक विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करता है, भले ही उस दिन रविवार हो। इस साल भी 8 नवंबर, 2026 को रविवार होने के बावजूद, निवेशक शुभ मुहूर्त में कारोबार कर सकेंगे। यह परंपरा नए हिंदू संवत की शुरुआत से जुड़ी है, जिसमें कई निवेशक शुभ शुरुआत के तौर पर शेयर खरीदते हैं। मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र दोपहर में आयोजित किया जाएगा। एनएसी और बीएसई पर प्री-ओपन सेशन दोपहर 2॰05 बजे शुरू होगा। इसके बाद, सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 2॰20 बजे से शुरू होकर 3॰30 बजे तक चलेगी। निवेशकों को इस विशेष समय का ध्यान रखना होगा, क्योंकि बाजार सामान्य कारोबारी दिनों की तरह सुबह 9॰15 बजे से नहीं खुलेगा। दिवाली के अलावा, नवंबर 2026 में शेयर बाजार कुछ अन्य दिनों पर भी बंद रहेगा। एक्सचेंज के कैलेंडर के अनुसार 10 नवंबर को दिवाली बलिप्रतिपदा और 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर बाजार में कारोबार नहीं होगा। सामान्य शनिवार और रविवार को तो बाजार बंद रहता ही है, हालांकि 8 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग अपवाद रहेगा। निवेशकों को अपनी ट्रेडिंग योजनाओं को इन छुट्टियों के अनुरूप समायोजित करना होगा।

धनतेरस से पहले सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। धनतेरस से ठीक पहले सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 2266 रुपये बढ़कर 1,45,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 3035 रुपये उछलकर 1,90,770 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई, सोने का भाव कॉमैक्स पर 1.86 प्रतिशत बढ़कर 4147 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था और चांदी भी 1.77 प्रतिशत उछलकर 53 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गई। अगर आप इस त्योहारी सीजन में सोने-चांदी की खरीदारी का मन बना रहे हैं, तो दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम में बिक रहा है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,810 रुपये और 22 कैरेट का भाव 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। 22 कैरेट सोने की अंगूठी की कीमत उसके वजन, मेकिंग चार्ज और टैक्स जैसे घटकों पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में 4 ग्राम की एक अंगूठी की अंतिम कीमत लगभग 63,700 रुपये से 66,500 रुपये के आसपास हो सकती है, जबकि भारी या डिजाइनर अंगूठियों की कीमत 90,000 रुपये से 1.5 लाख रुपए से अधिक तक जा सकती है। हालांकि, चांदी की कीमत में थोड़ी कमी आई है और यह 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे एक दिन पहले दिल्ली के सराफा बाजार में चांदी की कीमत में 9,000 रुपये की बड़ी उछाल देखी गई थी। जानकारों के अनुसार, साल 2025 में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई थी, जब भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर इन कीमती धातुओं का रुख किया था।



मेष- आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए अवसर लेकर आ सकता है। करियर में अचानक कोई अच्छी खबर मिलने या कामकाज में तेजी से प्रगति होने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि, कुछ लोग आपकी सफलता से असहज होकर आपके रास्ते में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में किसी की बातों में आने के बजाय अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखें।

वृषभ- आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम बन सकते हैं। जिस काम को लेकर आप लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। कारोबार करने वालों के लिए कोई नई योजना शुरू करने या अपने काम को आगे बढ़ाने का अच्छा अवसर मिल सकता है।

मिथुन- आज आपकी प्रतिभा और मेहनत लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। नई ऊर्जा और उत्साह के साथ किए गए प्रयास कार्यक्षेत्र में आपको अलग पहचान दिलाएंगे। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं और आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ नए कदम उठा सकते हैं। हालांकि, काम का दबाव बढ़ने से शारीरिक थकान महसूस हो सकती है, इसलिए काम के साथ आराम के लिए भी समय निकालें। बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय विशेष सावधानी बरतें।

कर्क- आज आपके जीवन में सुख-सुविधाओं के साथ पारिवारिक खुशियां भी बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन को सुकून मिलेगा और महत्वपूर्ण फैसले लेने में भी मदद मिलेगी। यदि पारिवारिक कारोबार में लंबे समय से किसी बात को लेकर नाराजगी या मतभेद चल रहे हैं, तो उन्हें दूर करने का अच्छा अवसर मिल सकता है। बातचीत में थोड़ी समझदारी दिखाएंगे, तो रिश्तों में पुराना अपनापन लौट सकता है।

सिंह- आज का दिन सामान्य रह सकता है, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको विशेष सतर्कता बरतनी होगी। कुछ लोग आपके काम को लेकर गलतफहमियां पैदा करने या आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए अपने कामकाज में पारदर्शिता बनाए रखें और हर जिम्मेदारी को ईमानदारी से पूरा करें। किसी भी विवाद में बिना वजह उलझने के बजाय तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखें। यदि कहीं यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो माता-पिता की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कन्या- आज कुछ ऐसे खर्च सामने आ सकते हैं, जिन्हें टालना आसान नहीं होगा। हालांकि, आपकी समझदारी और व्यावहारिक सोच आपको आर्थिक मामलों में सही निर्णय लेने में मदद करेगी। महत्वपूर्ण फैसले लेने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी और भाई-बहनों के साथ मिलकर किसी पारिवारिक विषय पर निर्णय लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला- आज आपको अपने कामकाज और निजी जीवन में संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। मन में कुछ उलझनें बनी रह सकती हैं, जिसके कारण किसी निर्णय पर पहुंचने में परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसी स्थिति में जल्दबाजी करने के बजाय थोड़ा समय लेकर हर पहलू पर विचार करें। कार्यक्षेत्र में कोई नई जिम्मेदारी मिलती है, तो उसे सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करें और पूरी ईमानदारी से निभाएं।

वृश्चिक- आज का दिन खुशियों, उपलब्धियों और संतोष का अनुभव कराने वाला हो सकता है। आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम सामने आने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के अवसर भी मिल सकते हैं। हालांकि, पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतना जरूरी होगा।

धनु- आज परिस्थितियां आपके पक्ष में होती नजर आ सकती हैं। नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे लोगों को सकारात्मक खबर मिलने की संभावना है, जबकि रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए भी नए अवसर सामने आ सकते हैं। आय के नए स्त्रोत बनने से आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। हालांकि, आमदनी बढ़ने पर खर्चों को अनियंत्रित न होने दें।

मकर- आज आपके मान-सम्मान, प्रभाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होने के संकेत हैं। आपके नए प्रयास सफल हो सकते हैं और लंबे समय से की जा रही मेहनत का उचित परिणाम मिलने की संभावना है। यदि कोई काम काफी समय से अटका हुआ है, तो उसमें प्रगति होने से मन को राहत मिलेगी।

कुंभ- आज का दिन नई उम्मीदों और सकारात्मक बदलावों के संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो शुरुआत में थोड़ी चुनौतीपूर्ण लगेगी। हालांकि, अपनी मेहनत और समझदारी से आप धीरे-धीरे उसे अच्छी तरह संभाल लेंगे। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और संतान के साथ कहीं घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है।

मीन- आज आध्यात्मिक गतिविधियों और अच्छे कार्यों के माध्यम से आपको संतोष और सम्मान मिल सकता है। धार्मिक आयोजन में शामिल होने, पूजा-पाठ करने या किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिले, तो मन से भाग लें। किसी महत्वपूर्ण मामले में पिताजी की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। उनके अनुभव से आपको सही दिशा मिल सकती है। मन में कुछ उलझनें बनी रह सकती हैं, लेकिन जीवनसाथी के साथ खुलकर बातचीत करने से पारिवारिक समस्याओं का समाधान निकालने में मदद मिलेगी।

शब्दजाल- 8442

शब्द जाल में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फ्रा	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	र	ग	स	द	ह	प	क्षा
जी	ग	ल	पा	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	झ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	बि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	₹	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश, रूस, नाइजीरिया, जापान.

शब्दजाल - 8441 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.00 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	09.16 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.21 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.08 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.40 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.11 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.49 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.03 बजे से
		सिंह	00.19 बजे से
		कन्या	02.31 बजे से
		तुला	04.41 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 310 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 10.31 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 04.44 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 04.10 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 10.31 बजे तदनन्तर गर 22.37 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 55' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872885 **जूलियन दिन** 2461350.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 25 **विशेष** धनतेरस, प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बेहतर भविष्य का संकरा मुहाना

एक शिक्षण संस्थान की यह परंपरा थी - अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों में जो योग्यतम आठ-दस होते थे, उन्हें देश की औद्योगिक संस्थाएँ नियुक्त कर लेती थीं। उस साल भी वही हुआ। ऊपर के नौ लड़के ऊँची पद-प्रतिष्ठा वाली नौकरियाँ पाकर खुशी-खुशी चले गए। लेकिन उनके बीच का एक लड़का जो चुने गए साथियों से कम नहीं था, रह गया। चूँकि वह बहुत परिश्रमी था और अपने संस्थान को उसकी सेवा से लाभ ही होता इसलिए उसे अस्थायी तौर पर कुछ भत्ता दे कर काम पर लगा लिया गया। फिर भी अपने साथियों की तुलना में उसकी यह नियुक्ति आर्थिक दृष्टि से बड़ी मामूली थी। वह उदास रहने लगा। लोग भी उसके भाग्य को दोष देने लगे थे। लेकिन यह स्थिति अधिक दिन नहीं रही। एक बहुत नामी औद्योगिक संस्था ने अचानक उस शिक्षण संस्थान से संपर्क कर जैसे व्यक्ति की माँग की, यह युवक पूरी तरह उसके अनुकूल सिद्ध हुआ। उसे अपनी योग्यता के अनुरूप काम और वेतन मिला, बात इतनी ही नहीं थी, उसकी यह नियुक्ति अपने साथियों की तुलना में बहुत ऊँची भी थी। अर्थ और सामाजिक प्रतिष्ठा - दोनों ही दृष्टि से वह उन सबसे श्रेष्ठ हो गया था। इसी तरह कभी-कभी अनुकूल समय के लिए प्रतीक्षा की घड़ियाँ आया करती हैं। अक्सर ही जिसे लोग भाग्य का दोष मान बैठते हैं, वह होता है एक बेहतर भविष्य का संकरा मुहाना।

फिल्म वर्ग पहेली- 7376

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7375

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7685

★★★✯☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7684 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8900

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध,खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन,सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश,विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वलय,घेरा-3
15. आंचल,पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाषण (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर,पिता का घर-3
24. नवीन,नया,नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी,चित,इच्छा-2
2. करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर,विदूषक-4
5. दुनिया,जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव,हरदम-2
11. जन्म,पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी,नलका-2
18. वश,अधीन-2
19. परिणाम,हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8899 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज धनतेरस - धन-समृद्धि की कामना के साथ घर-घर होगी भगवान धन्वंतरि और कुबेर की पूजा

बाजारों में बढ़ी रौनक; आज खरीदारी और पूजन का विशेष संयोग





पद्मेश न्यूज। लांजी। रोशनी, उल्लास और खुशियों के पर्व दीपावली का पांच दिवसीय उत्सव 6 नवंबर से धनतेरस के साथ शुरू हो जाएगा। पर्व को लेकर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में उत्साह का माहौल है। घरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट का दौर लगभग पूरा होने को है, वहीं बाजारों में भी दीपावली की रौनक दिखाई देने लगी है। धनतेरस के अवसर पर लोग परंपरानुसार शुभ वस्तुओं की खरीदारी करेंगे। मान्यता है कि इस दिन खरीदारी और भगवान धन्वंतरि के पूजन से घर में सुख-समृद्धि और आरोग्य का वास होता है। लांजी के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, सुभाष चौक और आसपास के व्यापारिक क्षेत्रों में त्योहार को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी सामग्री, मिट्टी के दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं और पूजन सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रतिष्ठानों को सजाया है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग खरीदारी के लिए नगर पहुंच रहे हैं। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सोना-चांदी, तांबे और पीतल के बर्तन सहित नई वस्तुओं की खरीदारी शुभ मानी जाती है। शाम को घरों के मुख्य द्वार पर दीप प्रज्वलित कर यमदीपदान करने की परंपरा भी निभाई जाएगी।

पूजन का शुभ मुहूर्त और दीपावली की तैयारी

पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 में धनतेरस शुक्रवार 6 नवंबर को मनाई जाएगी। धनतेरस पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 6:10 से रात 8:08 बजे तक बताया गया है। प्रदोष काल में यमदीपदान का भी विशेष महत्व रहेगा। धनतेरस के बाद 7 नवंबर को छोटी दीपावली और 8 नवंबर को दीपावली का मुख्य पर्व मनाया जाएगा। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। इसके लिए घरों में दीप सजाने, रंगोली बनाने और आकर्षक विद्युत सजावट की तैयारियां की जा रही हैं। त्योहार को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह है। मिठाइयों, पूजा सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर भी रौनक बढ़ने लगी है। दीपोत्सव का यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि परिवारों के मिलन, आपसी सद्भाव और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी देता है।

सर्रा में कल से तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता विजेता टीम को मिलेंगे 6001 रुपये

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली के उल्लास के बीच ग्रामीण प्रतिभाओं को खेल का मंच देने के उद्देश्य से ग्राम सर्रा में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जय बजरंग क्लब सर्रा के तत्वावधान में 7 से 9 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की कबड्डी टीमों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक चलेगी। आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों और ग्रामीण युवाओं में उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 6001 रुपये नकद एवं ट्रॉफी तथा द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 3001 रुपये एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता में प्रवेश शुल्क 301 रुपये निर्धारित किया गया है। आयोजकों ने क्षेत्र की कबड्डी टीमों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 7 नवंबर को आयोजित होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सर्रा के सरपंच श्रीराम आचरे एवं उपसरपंच फेकन बाई ठाकरे उपस्थित रहेंगे। वहीं विशेष अतिथियों में फेंकूलाल मातरे, सुरेश बाहे, प्रेमलाल बागड़े, सकील पटेल, भागचंद पांचे, फागुलाल पांचे, सुखीचंद दादरे, अमेलाल देवाहे, बुंदेलाल पांचे, समारू टिकेश्वर, कलीराम ठाकरे एवं महेंद्र बागड़े शामिल रहेंगे। वहीं 9 नवंबर को होने वाले समापन समारोह में भी श्रीराम आचरे एवं फेकन बाई ठाकरे मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। समापन समारोह के विशेष अतिथियों में कंसुली सरपंच लीलाराम मानकर, नेवरवाही सरपंच झमेंद्र टिकेश्वर, पौसेरा सरपंच कृष्णकुमार पांचे, घोटी सरपंच श्रीचंद कामड़े तथा जनपद सदस्य तुकाराम बारेकर एवं महेश चौधरी शामिल होंगे। प्रतियोगिता के लिए आयोजकों ने कुछ नियम भी निर्धारित किए हैं। रेफरी का निर्णय सर्वमान्य रहेगा तथा चोट लगने की स्थिति में खिलाड़ी स्वयं जिम्मेदार होगा। 9 नवंबर को दोपहर 12 बजे से मैच प्रारंभ करने का नियम रखा गया है। समय पर नहीं पहुंचने वाली टीम को प्रतियोगिता से बाहर किया जा सकेगा। खिलाड़ियों को अपनी व्यवस्था से आयोजन स्थल पर पहुंचना होगा। जय बजरंग क्लब सर्रा ने क्षेत्र के खेलप्रेमियों एवं ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।



जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर आलोक संघ की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक), जिला बालाघाट के तत्वावधान में आगामी 15 नवंबर 2026, रविवार को लांजी स्थित भारती लॉन, भिलाई रोड में सातवें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर 5 नवंबर 2026 को भारती लॉन, लांजी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं सामाजिक सदस्यों ने उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किए। बैठक में मध्यप्रदेश आलोक अध्यक्ष सरोज गिरिया, बालाघाट जिला आलोक अध्यक्ष प्रभुलाल पिछोड़े, वरिष्ठ सदस्य गंगाप्रसाद नागपुरे, अवंती साधना मंच लांजी के अध्यक्ष ऋषि पटेल दसरिया एवं आलोक संघ लांजी के अध्यक्ष राजेश मस्करे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही राजकुमार कुशले, प्रमोद बसेना, ईश्वर उमरे, चंदेले एवं अनील बापुरे ने भी बैठक में सहभागिता की। बैठक में समारोह की व्यवस्थाओं, अतिथियों को आमंत्रित करने, प्रतिभावान विद्यार्थियों की सूची तैयार करने, सम्मान व्यवस्था एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा आयोजन में तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया। समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों, नवोदय विद्यालय में चयनित प्रतिभाओं, एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, नवनियुक्त IIS कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं युवाओं को शिक्षा, करियर और रोजगार की संभावनाओं के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। आलोक संघ का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा अधिकारी-कर्मचारियों एवं युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। प्रतिभा सम्मान समारोह इसी उद्देश्य की महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसके माध्यम से समाज की उपलब्धियों को सम्मानित कर नई पीढ़ी को शिक्षा एवं सफलता के लिए प्रेरित किया जाएगा। आलोक संघ ने समाज के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं विद्यार्थियों से 15 नवंबर को आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।



विधायक राजकुमार करीहे ने मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग और मोमेंटो भेंटकर किया सम्मान

रानककोड़ी में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन





पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। गांवों के बच्चे भी अपनी मेहनत और लगन से सफलता के नए मुकाम हासिल कर सकते हैं, जरूरत है तो केवल उनके हौसले को बढ़ाने की। इसी सोच के साथ ग्राम पंचायत रानककोड़ी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक राजकुमार करीहे ने मेधावी छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे ग्रामीण अंचल के बच्चे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना समाज की जिम्मेदारी है और ऐसे बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे। विधायक राजकुमार करहि क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका जोर इस बात पर है कि विकास का लाभ केवल बड़े केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ गांवों तक भी पहुंचे। सड़क, शिक्षा, पेयजल और जल संरक्षण जैसे विषयों को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत कार्यों को धरातल पर उतारना इसी दिशा में उनकी पहल का हिस्सा है। कार्यक्रम में किरनापुर जनपद अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, सदारम राहंगडाले, संतोष चौधरी, चित्रसेन देशमुख, हेमंत देशमुख, डॉ. टेनसिंग बिसेन, कमल अगासे, कोसमारा सरपंच दिलीप धनोले, जामडी मेटा सरपंच सुरप सिंह, डॉ. कनिया बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, मातृशक्ति और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गांवों की जरूरतों को मिली तवज्जो, 11 कार्यों की रखी आधारशिला

विद्यार्थियों के सम्मान के साथ ही कार्यक्रम में क्षेत्रीय विकास को भी नई रफ्तार देने की पहल हुई। लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रानकको ठी में करीब 1 करोड़ 66 लाख 50 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत 11 निर्माण कार्यों का विधायक करहि ने भूमिपूजन किया। इनमें शासकीय हाईस्कूल की बाउंड्रीवाल और साकरीटोला में सामुदायिक भवन के अलावा जुनवानी नाले, साकरीटोला और झिरीयाटोला में तीन स्टॉप डेम का निर्माण शामिल है। जल संरक्षण की दृष्टि से ये कार्य महत्वपूर्ण हैं, वहीं इनसे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

सड़क, नाली और सामुदायिक सुविधाओं का भी होगा विस्तार

ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए साकरीटोला और झिरीयाटोला में ग्रेवल सड़क निर्माण के लिए क्रमशः 20 और 19 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा पानी टंकी के समीप शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, झिरीयाटोला में सभा मंच तथा गणेश टोला और वार्ड क्रमांक 12 में नाली निर्माण कराया जाएगा। इन कार्यों के जरिए गांवों में आवागमन, जल निकासी और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की कवायद की गई है।

पेंगोलीन तस्करी का बड़ा खुलासा, वन विभाग की घेराबंदी में तीन आरोपी गिरफ्तार

झपद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में दुर्लभ वन्यप्राणी पेंगोलीन के अवैध कारोबार का वन विभाग ने बड़ा खुलासा किया है। मुखबिर की सूचना पर वन अमले ने सोनगुड़ा से बिठली मार्ग पर किस नदी के समीप घेराबंदी कर पेंगोलीन की तस्करी में संलिप्त तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान वन्यप्राणी पेंगोलीन और तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। वहीं, आरोपियों के कुछ अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल

वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण तथा अवैध शिकार और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी दौरान वन अमले को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति दुर्लभ वन्यप्राणी पेंगोलीन को अवैध रूप से बेचने के उद्देश्य से शाम के समय सोनगुड़ा से बिठली मार्ग से ले जाने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन अधिकारियों ने तत्काल टीम गठित कर संदिग्ध मार्ग पर निगरानी और घेराबंदी की योजना बनाई।



किस नदी के पास दबोचे गए तीन आरोपी

वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किस नदी के समीप कक्ष क्रमांक 1875 में मुख्य मार्ग पर घेराबंदी की। इसी दौरान संदिग्ध व्यक्ति पेंगोलीन के साथ मौके पर पहुंचते दिखाई दिए। वन अमले ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया। हालांकि, उनके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके से पेंगोलीन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को विधिवत जब्त कर लिया।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

मामले में वन विभाग द्वारा वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2712/01 पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में संलिप्त अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। साथ ही मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

वन्यजीव तस्करों को सख्त संदेश

यह कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक, वन वृत्त बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी, उत्तर (सा.) वनमंडल बालाघाट के निर्देशन में तथा उपवनमंडलाधिकारी उकवा एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उकवा के मार्गदर्शन में की गई। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यप्राणियों के अवैध शिकार, परिवहन और क्रय-विक्रय जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीवों से जुड़ी किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल वन विभाग को दें।

उड़ान समूह ने बच्चों के चेहरों पर बिखेरी खुशियां, मिठाई और फुलझड़ियां बांटकर मनाई दीपावली

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली का पर्व खुशियां बांटने और दूसरों के जीवन में मुस्कान लाने का संदेश देता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए सहयोग बैंक शाखा लांजी के उड़ान समूह ने बुधवार, 4 नवंबर को शासकीय प्राथमिक शाला रायलीटोला एवं वालेगांव में सेवा गतिविधि आयोजित की। इस दौरान विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों को मिठाई और फुलझड़ियां वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा की गईं। मिठाई और फुलझड़ियां पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। बच्चों में इस पहल को लेकर खासा उत्साह नजर आया। समूह के सदस्यों ने बच्चों के साथ खुशियां बांटते हुए उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उड़ान समूह की इस पहल ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की असली खुशी जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करने में है। इस सेवा कार्य के लिए उड़ान समूह ने सहयोग हॉस्पिटल की एमडी श्रीमती शीतल जयेशचंद रमादे के प्रति आभार व्यक्त किया। समूह ने कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा बच्चों के बीच खुशियां बांटने का अवसर मिला। कार्यक्रम में ओमेश्वरी हरिनखेड़े (बीएम), सचित जांभुडकर (बीडीओ), युवराज बुरांडे (बीडीई), विनोद दहिकर (बीडीई), राजेंद्र चोखानदरे (बीडीओ), त्रिवेणी राहांगडाले, सरिता बिसेन, प्रीति फुलारे एवं सोनू जांभुडकर (बीडीओ), विद्यालय के शिक्षकगण, ग्राम सरपंच तथा उड़ान समूह के सदस्य उपस्थित रहे। समूह के सदस्यों ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए बड़े आयोजनों की ही आवश्यकता नहीं होती, बल्कि छोटे-छोटे सेवा कार्य भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकते हैं। बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ही इस पहल की सबसे बड़ी सफलता है। समूह ने सेवा, सहयोग और मानवता के भाव को आगे भी जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।



भारतीय पुरुष हॉकी टीम सातवीं बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची

मोहाली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-1 से हराया। यह सातवीं बार है। जब भारतीय टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीतकर यहां तक पहुंची है जिससे पता चलता है कि वह टूर्नामेंट में हावी रही है।

इस मैच में भी शुरुआत से ही भारतीय टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा ने चौथे और 13वें मिनट में दो गोल दागकर टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 21वें और 25वें मिनट में दो-दो कर गोल भारतीय टीम की बढ़त को और अधिक बढ़ा दिया। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने नौवें मिनट जबकि सुखजीत सिंह ने 21वें मिनट, अंगद बीर ने 36वें मिनट में और विवेक सागर ने 54वें मिनट पर एक-एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इस मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही और उसने लगातार हमले किये। नौवें मिनट में ही दक्षिण कोरिया के संगजुन हान ने एक गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक शानदार गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को आगे बढ़ाया। पहले क्वार्टर के समाप्त होने तक, भारतीय टीम को 3-1 की बढ़त मिल गयी थी।

वहीं दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम हावी रही। इसमें टीम ने तीन और गोल किए, जिससे उसकी बढ़त और पक्की हो गई। सुखजीत सिंह और दिलप्रीत सिंह ने 21वें मिनट में लगातार गोल किये जिसके बाद दिलप्रीत ने 25वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 6-1 तक पहुँचाया। वहीं तीसरे क्वार्टर में अंगद बीर ने 36वें मिनट पर एक और गोल किया, जिससे भारतीय टीम 7-1 की बढ़त के साथ अंतिम क्वार्टर में उतरी। चौथे और आखिरी क्वार्टर में विवेक सागर ने 54वें मिनट पर एक गोल दागकर भारतीय टीम को 8-1 से जीत दिला दी।



मेघालय में अदालत के आदेश के बाद बदली गयी रणजी ट्राफी टीम

शिलांग। यहां हाई कोर्ट के आदेश के बाद रणजी ट्रॉफी टीम बदली गयी। ये बदलावा नगालैंड के खिलाफ प्लेट ग्रुप के चौथे दौर के मुकाबले के पहले हुआ। इसमें मेघालय की एक बिल्कुल नई टीम मैदान पर उतरी, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यह बदलाव मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अंदर चल रही खींचतान के बीच ही मेघालय उच्च न्यायालय के एक आदेश के कारण हुआ। 30 अक्टूबर को अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया, जिसके बाद राज्य क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों, जिसमें खिलाड़ियों का चयन भी शामिल है, का नियंत्रण एमसीए के अध्यक्ष के नेतृत्व वाले गुट के हाथों में चला गया। इससे उस टीम को बदल दिया गया जिसने शुरुआती तीन मैचों में खेला था। एसोसिएशन के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान और अधिकारों को लेकर यह विवाद आखिरकार अदालत तक पहुँच गया था, जहाँ दोनों गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चरम पर थी।

बीसीसीआई ने महिला प्रीमियर लीग का कार्यक्रम जारी किया

14 जनवरी से शुरु होगा पांचवां संस्करण

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 14 जनवरी से शुरु हो रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पांचवें संस्करण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 14 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा। इसके सभी 22 मुकाबले वडोदरा और मुंबई में खेले जाएंगे। नए सत्र की शुरुआत गुरुवार, 14 जनवरी को वडोदरा में होगी। इसमें मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस से शाम 7:30 बजे होगा।

इस टूर्नामेंट का पहला चरण वडोदरा में खेला जाएगा। यहां 14 जनवरी से 24 जनवरी तक कुल 11 लीग मैच होंगे। इस दौरान टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी पांच टीमें डब्लू रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स और यूपी वारियर्स खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।



वडोदरा चरण के बाद, लीग मुकाबले मुंबई में होंगे। यहां ब्रेबोर्न स्टेडियम में 26 जनवरी से लीग के बाकी 11 मैच और प्लेऑफ मुकाबले होंगे। मुंबई में लीग चरण के मुकाबले 3 फरवरी तक खेले जाएंगे। इसमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए सभी में कड़ा मुकाबला होगा। टीमें फाइनल में सीधे प्रवेश या एलिमिनेटर मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेंगी।

प्लेऑफ मुकाबले 5 फरवरी को एलिमिनेटर मुकाबले के साथ शुरू होंगे, जिसमें लीग स्टैंडिंग में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए उतरेंगी। वहीं लीग चरण की शीर्ष टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेंगी। महिला प्रीमियर लीग 2027 का खिताबी मुकाबला 7 फरवरी को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां नई विजेता को खिताब दिया जाएगा। टूर्नामेंट के सभी 22 मैच, जिनमें प्लेऑफ मुकाबले भी शामिल हैं, शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे।

सभी टीमें इस प्रकार है =

दिल्ली कैपिटल्स= एनाबेल सदरलैंड, चिनेल हेनरी, दीया यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, किरण नवगिरे, कर्स्टी गार्डनर, लौरा वोल्वार्ड्ट, लुसी हैमिल्टन, ममता मदीवाला, मारिज़ैन कैप, मिन्नू मणि, एन श्री चरानी, नंदनी शर्मा, नज्मा खान, निक्की प्रसाद, शेफाली वर्मा, जमा काशवी।

गुजरात जायंट्स- अनुष्का शर्मा, एशले गार्डनर, बेथ मूनी, भारती फुलमाली, जी कमलिनी, जॉर्जिया वेयरहैम, हैप्पी कुमारी, जिन्तिमणि कलिता, कनिका आहूजा, काशवी गौतम, किम गर्थ, ओलॉ प्रेंडरगैस्ट, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह, समैरा राघव, सोफी डिवाइन, तनुजा कंवर, यास्तिका भाटिया।

मुंबई इंडियंस- अक्षिता भगत, अमनजोत कौर, अमेलिया केर, भारती रावल, दिशा कसाट, हरमनप्रीत कौर, हेले मैथ्यूज़, लतिका इनामदार, नताली साइवर, निकोला कैरी, राहिला फिरदौस, एस सजना, सानिका चालके, संस्कृति गुप्ता, शबनीम इस्माइल, श्वेता सहरावत, तारा नॉरिस, वैष्णवी शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- अरुंधति रेड्डी, क्लो ट्रायोन, एलिसे पेरी, जॉर्जिया वोल, जेस जोनासेन, लॉरिन बेल, नादिन डी क्लर्क, पूजा वस्त्राकर, प्रथ्योषा कुमार, प्रेमा रावत, राधा यादव, ऋचा घोष, सयाली सतघरे, श्रेयंका पाटिल, स्मृति मंधाना, तेजल हसब्निस, वृंदा दिनेश।

यूपी वारियर्स-आशा शोभना, दीप्ति शर्मा, ग्रेस हैरिस, हरलीन देयोल, कैथरीन ब्राइस, ज्हॉर्ति गौड्, मनाली दक्षिणी, मेग लैनिंग, फोबे लिचफील्ड, प्रतिका रावल, सहाना पवार, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, स्नेह राणा, सोफी एक्लेस्टोन, सोफी मोलिनक्स, सुष्मा वर्मा।

38 साल के हुए विराट को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

हैमिल्टन । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आज गुरुवार को 38 साल के हो गये। इस अवसर पर विराट को अपने साथियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों से भी बधाईयां मिली हैं। विराट ने जन्मदिन के ठीक एक दिन पहले ही आक्रामक पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी जिससे भी प्रशंसकों का उत्साह दुगना हो गया है।



विराट अपने खेल के साथ ही जबरदस्त फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। उनकी फिटनेस की तुलना दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो से की जाती है। इसी कड़ी में, एक पूर्व कप्तान ने उन्हें क्रिकेट का क्रिस्टियानो करार दिया, जो उनके खेल के प्रति जुनून और निरंतर सुधार की भूख को दर्शाता है। एक पूर्व क्रिकेटर ने बताया, लोग कहते हैं कि हम उनके बारे में बहुत बात करते हैं, लेकिन असल में वह हमें ऐसा करने पर मजबूर करते हैं। वह क्रिकेट को लेकर भूखे हैं, जुनूनी हैं और अपने खेल पर तुलना शतरंज के ग्रैंडमास्टर से करते हुए कहा कि वे अपने चेस को उसी सटीकता से प्लॉट करते हैं, जैसे शतरंज का खिलाड़ी अपनी चालें चलता है। वहीं, एक अन्य ने उन्हें तूफान में खड़े होने वाला शख्स बताया, जो दबाव में भी शांत और प्रभावी रहता है। कुछ जानकारों ने उन्हें धुरंधर कहा, जिसका अर्थ है विशेषज्ञ और अपने क्षेत्र में मास्टर। उनका मानना है कि दबाव में भी विराट को जितनी भी जिम्मेदारी दी जाए, वे हमेशा उभरकर सामने आते हैं और उम्मीदों पर खरे उतरते हैं। एक पूर्व सलामी बल्लेबाज ने उन्हें महानतम खिलाड़ी करार दिया।

लगातार काम करके अगले मैच में उतरते हैं। उनकी यह प्रतिबद्धता और खेल के प्रति अगाध प्रेम ही उन्हें लगातार सुर्खियों में बनाए रखता है।

वहीं एक अन्य पूर्व खिलाड़ी ने उन्हें प्यार से किंग कहकर संबोधित किया। जानकारों के अनुसार, विराट की मानसिकता किसी शेर जैसी है, जिसमें निडरता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, साहस और दृढ़ संकल्प साफ झलकता है। उनकी रणनीति बनाने और खेल को पढ़ने की क्षमता भी सराहनीय है। एक विशेषज्ञ ने उनकी

पहली बार बीबीएल में खेलेंगे मुस्तफिजुर

मेलबर्न रेनेगेड्स ने बेहरेनडॉर्फ की जगह पर शामिल किया

मेलबर्न। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पहली बार ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते दिखेंगे। मुस्तफिजुर को लीग के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। रेनेगेड्स ने चोटिल तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ की जगह पर मुस्तफिजुर को शामिल किया है। ये बांग्लादेशी गेंदबाज अपनी अपनी विविधता के लिए जाना जाता है। वहीं इससे पहले मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य गेंदबाजों में से एक बेहरेनडॉर्फ कंधे की सर्जरी के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। वह बीबीएल लीग के इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी अनुपस्थिति को देखते हुए फ्रेंचाइजी ने मुस्तफिजुर को टीम में शामिल किया है। मुस्तफिजुर को अपनी धीमी गेंदों, कटर और विविधता के कारण खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन होता है।



इस तेज गेंदबाज के पास लंबा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी है। इसके अलावा उसने फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी काफी खेला है। इस गेंदबाज ने बांग्लादेश के लिए तीनों प्रारुपों में कुल 271 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 331 टी20 मैचों में 423 विकेट लिए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 16.9 का रहा है। उनके पास पावरप्ले से लेकर डेथ ओवरों तक विकेट निकालने की क्षमता है। मुस्तफिजुर के पास फ्रैंचाइजी क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने भी बांग्लादेश प्रीमियर लीग सत्र और आठ आईपीएल सत्र खेले हैं। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने आईपीएल का खिताब जीता था। वह उनका आईपीएल में डेब्यू सीजन भी था। मुस्तफिजुर मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल पायेंगे। । यह मैच चेन्नई में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ खेला जाना है। दरअसल, इस दौरान उनकी आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स के साथ प्रतिबद्धताएं हैं। हालांकि, इसके बाद टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों के लिए वह उपलब्ध रहेंगे।

रोहित शून्य पर आउट होने के मामले में गांगुली से आगे निकले

ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले ही एकदिवसीय में एक अनचाह रिकार्ड अपने नाम किया। रोहित इस मैच में अपना खाता भी नहीं खोल पाये थे। इस प्रकार वह अपने एकदिवसीय कैरियर में 17वीं बार शून्य पर आउट हुए। इसके साथ ही रोहित सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने के मामले में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से भी आगे निकल गये हैं। गांगुली अपने करियर में 16 बार शून्य पर आउट हुए थे।



रोहित पारी के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर आउट हुए। हालांकि, यह आंकड़ा किसी भी बल्लेबाज की महानता को कम नहीं करता, क्योंकि इस अनचाही सूची में भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं। एकदिवसीय में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है, जो 20 बार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे हैं। उनके बाद तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ और वर्तमान स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 19-19 डक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और ऑलराउंडर युवराज सिंह भी 18-18 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

इस मैच से पहले रोहित और गांगुली 16-16 बार शून्य पर आउट होने के साथ ही साथ बराबरी पर थे। अब 17वीं बार शून्य पर आउट होने के बाद रोहित ने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में रोहित अब हरभजन सिंह के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर आ गए हैं, जिन्होंने भी अपने वनडे करियर में 17 बार शून्य का सामना किया था।

सीएसके और सनराइजर्स के बीच हुई ट्रेड डील में चार खिलाड़ियों की हुई अदला-बदली

मुम्बई । आईपीएल 2027 को देखते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ट्रेड डील हुई है। इसके तहत जहां इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स चेन्नई को मिले हैं। वहीं तेज गेंदबाज खलील अहमद और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदाबाज नाथन एलिस सनराइजर्स के हिस्से में आये हैं। दोनों फ्रेंचाइजियों ने खिलाड़ियों की इस अदला-बदली से अपनी जरुरत के अनुसार खिलाड़ी लिए हैं। ट्रेड डील में हालांकि लिविंगस्टोन को नुकसान हुआ है। उन्हें अब 13 करोड़ की जगह मिलेंगे 6 करोड़ रुपये ही मिलेंगे।

सनराइजर्स ने आईपीएल 2026 से पहले लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, अब वह चेन्नई सुपर किंग्स में 6 करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर शामिल होंगे। वहीं जैक एडवर्ड्स अपने मौजूदा 3 करोड़ रुपये के अनुबंध पर ही सीएसके से खेलेंगे।

इस करार के बदले सुपर किंग्स गये तेज गेंदबाज खलील अहमद और एलिस को को हालांकि नुकसान नहीं हुआ है और उन्हें उसी कीमत पर सनराइजर्स में शामिल किया गया है जिस पर उन्हें सीएसके ने रखा था। इस प्रकार खलील को 4.8 करोड़ रुपये और एलिस को 2 करोड़ रुपये की सीएसके में मिल रही राशि ही सनराइजर्स में भी मिलेगी। इन दोनो के आने से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत होगा। गौरतलब है कि

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 3 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, पैर में चोट के कारण वह आईपीएल 2026 का पूरा सत्र नहीं खेल पाए थे। अब चेन्नई सुपर किंग्स को उनसे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है।

खलील इससे पहले भी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2018 से 2021 के बीच इस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया था। आईपीएल 2025 में उन्होंने चेन्नई के लिए 14 मुकाबलों में 15 विकेट हासिल किए थे, जबकि 2026 में चोट के कारण वह केवल पांच मैच ही खेल सके। दूसरी ओर लियाम लिविंगस्टोन के आने से सीएसके को एक आक्रामक बल्लेबाज और ऑलराउंडर मिला है। वहीं एडवर्ड्स भी टीम के लिए एक अतिरिक्त विकल्प होंगे।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने पर मनिंदर ने उठाये सवाल

चंडीगढ । गुजरे जमाने के दिग्गज स्पिनर रहे मनिंदर सिंह ने कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा पर सवाल उठाये हैं। मनिंदर ने कहा है कि कुलदीप को किस कारण अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया जा रहा है ये समझ से परे है। मनिंदर के अनुसार कुलदीप का प्रदर्शन हमेशा ही अच्छा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार लगता है कि टीम प्रबंधन को उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसी वजह से उन्हें हर प्रारुप में काफी कम मौके मिल रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुलदीप ने अपने एकदिवसीय करियर में 124 मैचों में 201 विकेट लिए हैं, जो मौजूदा भारतीय टीम के किसी भी अन्य गेंदबाज से अधिक हैं। इसके बावजूद, न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। आम तौर पर उपमहाद्वीप के बाहर भी मैच संतुलन की बात कहते हुए कुलदीप को बाहर रखा जाता है। इसके तहत मुख्य कोच गौतम गंभीर नंबर 8 तक बल्लेबाजी वाली टीम को प्राथमिकता दे रहे हैं। हार्दिक के नहीं होने के कारण भारत ने आमतौर पर तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को रखा है। इसी कार पिछले दो साल में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना देश) में खेले गए 35 मुकाबलों में से कुलदीप सिर्फ तीन में ही खेल पाए हैं। मनिंदर ने कहा कि कुलदीप एकदिवसीय और टी20 के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उनको जगह नहीं मिल रही है। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में भी प्रभावी रहेंगे। उन्होंने इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज का उदाहरण दिया, जहाँ उनका मानना था कि अगर कुलदीप को अवसर मिलता हो तो भारत वह सीरीज 3-1 से जीत जाता। मनिंदर ने कुलदीप की तुलना पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर मुरली कार्तिक से भी की, जिन्हें कप्तान सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ का पूरा भरोसा नहीं मिल पाया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के इरादे से उतरेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 19 नवंबर से होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसटी) में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में तीन जीत हासिल की है। छह देशों का ये टूर्नामेंट 19 नवंबर से भोपाल में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ मैच से करेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में एशियाई खेलों में खिताब जीता था जिससे उसके हौंसले बुलंद है। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

ऐसे में भाग ले रही सभी छह टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी हालांकि भारतीय टीम को इस दौरान घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2016, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी है। ऐसे में वह चौथी बार ये खिताब जीतना चाहेगी।भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसे 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलना है।

14 नवंबर से मैदान में वापसी करेंगे सूर्यकुमार

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे

मुंबई । टी20 विश्वकप के बाद भारतीय टीम से बाहर किये गये पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अब एक बार फिर मैदान पर वापसी करने जा रहे हैं। सूर्यकुमार घरेल क्रिकेट टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर उनके पास एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का अवसर होगा। सूर्यकुमार 14 नवंबर को मुंबई टीम की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी।

सूर्यकुमार को टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की जीत के बाद भी टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह अधिक रन नहीं बना पाये थे। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम चुने जाने के दौरान उन्हें कप्तानी से हटाया गया और बल्लेबाजी में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए वापसी की राह बना सकता है

सूर्या को इससे पहले मुंबई ने रणजी ट्रॉफी में भी जगह नहीं दी थी। उन्होंने 2026-27 का शुरुआती मुकाबला खेलने की इच्छा जताई थी पर चयनकर्ताओं ने खराब फार्म का हवाला देते हुए उन्हें बाहर कर दिया। मुंबई चयन समिति प्रमुख राजेश पवार ने कहा,

वह निश्चित रूप से बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए अपने को साबित कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वह कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। गौरतलब है कि सूर्य ने पिछले 18 महीनों से लाल गेंद का कोई मैच नहीं खेला है।

सूर्यकुमार को लेकर आईपीएल 2027 से पहले ट्रेड की अटकलें भी लगाई जा रही थीं पर हाल ही में मुंबई इंडियंस ने ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया था। खारिज कर दिया है। ऐसे में वह आगामी सीजन में भी मुंबई की ओर से ही खेलते दिखेंगे।

टी20 टीम से बाहर होने के फैसले पर सूर्यकुमार ने कहा था कि जब यूट्यूब जब मैंने टीम में अपना नाम नहीं देखा तो मैं मुस्कुराया। जब भी मैं दबाव में होता हूं या चीजें मेरे पक्ष में नहीं होतीं, तो मैं मुस्कुराता हूं और अपने को शांत रखता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि इस फैसले से उबरने में उन्हें करीब डेढ़ महीने का समय लगा।

आमिर आईपीएल नहीं अफगान लीग में खेलेंगे

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि वह तय कार्यक्रम के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग में खेलेंगे। आमिर ने कहा कि ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आईपीएल में उनके खेलने की जो अटकलें लगायी जा रही हैं । वह सही नहीं हैं। आमिर ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि आईपीएल में उनके खेलने की जो बातें कही जा रही हैं वे आधारहीन हैं।

इससे पहले कहा जा रहा था कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद आमिर का इरादा आईपीएल में भी खेलने का है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर के आईपीएल में खेलने की चर्चा शुरू हुई थी। उन्होंने हाल ही में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग के लिए भी अपना नाम दर्ज कराया है। इसके बाद माना जा रहा था कि वह ब्रिटिश खिलाड़ी के रूप में आईपीएल में जगह बनाने के प्रयास करसकते हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद भी इसी तरह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर आईपीएल में खेल चुके हैं।आमिर ने 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में हिस्सा लिया था। वह पंजाब किंग्स की पुरानी टीम किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेले और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा बने।

आमिर ने इस साल इंग्लैंड की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता द हंड्रेड में स्थानीय खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। शुरुआत में विदेशी खिलाड़ी के तौर पर उनका नाम खिलाड़ियों की सूची में शामिल था, लेकिन बाद में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के कारण उनकी स्थिति बदल गई। स्थानीय खिलाड़ी के रूप में खेलने की शर्तों के बारे में आमिर ने पहले बताया था कि काउंटी चैंपियनशिप और द हंड्रेड जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता है। इसके तहत खिलाड़ी किसी दूसरे देश के लिए स्थानीय खिलाड़ी के रूप में नहीं खेल सकता। आमिर ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं।

फ्लाईओवर से मेट्रो तक के काम होंगे प्रभावित!

क्रेशर संचालकों ने दी प्रदेशव्यापी हड़ताल की चेतावनी, निर्माण प्रोजेक्ट्स पर मंडराया संकट

भोपाल । मध्य प्रदेश में निर्माण गतिविधियों की रफ्तार पर जल्द ब्रेक लग सकता है। प्रदेश के क्रेशर संचालकों और खनन कारोबारियों ने 12 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। ऐसा हुआ तो फ्लाईओवर, मेट्रो और सड़क निर्माण जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ सरकारी और निजी निर्माण कार्यों के लिए जरूरी रेत, गिट्टी और मुरम की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, खनिज विभाग की चालानी कार्रवाई को लेकर कारोबारियों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि खनिज परिवहन की निगरानी के लिए लगाए गए कैमरों में तकनीकी गड़बड़ी के कारण गलत वाहनों के नंबर दर्ज हो रहे हैं। इसका खामियाजा दूसरे वाहन मालिकों को भुगतना पड़ रहा है। कई कारोबारियों को लाखों रुपए के जुर्माने के नोटिस मिले हैं। कुछ नोटिस ऐसे वाहनों के नाम पर भी भेजे



गए हैं, जो मौके पर खाली थे।

एक वाहन की कीमत के बराबर चालान

क्रेशर संचालकों का कहना है कि कैमरों से निगरानी की पुरानी व्यवस्था में नंबर प्लेट बदलकर गड़बड़ी करने की आशंका बनी रहती थी। कुछ लोग एक वाहन की नंबर प्लेट दूसरे वाहन पर लगाकर खनिज परिवहन करते थे। कैमरे में नंबर दर्ज होने के बाद संबंधित नंबर के वास्तविक वाहन मालिक को चालान भेज दिया जाता था। कारोबारियों के मुताबिक, कई मामलों में जुर्माने की राशि इतनी अधिक है कि वह वाहन की कीमत के बराबर पहुंच रही है। एक और परेशानी चालान मिलने में देरी की है। कारोबारियों का दावा है कि कथित उल्लंघन के करीब छह महीने बाद नोटिस पहुंच रहे हैं। ऐसे में वाहन मालिकों के लिए यह पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है कि संबंधित तारीख को वाहन कहां था और किस गतिविधि में लगा था।

नई टैगिंग व्यवस्था का समर्थन, पुराने चालानों पर आपत्ति

कारोबारियों ने सरकार की नई टैगिंग व्यवस्था का विरोध नहीं किया है। उनका कहना है कि इससे वाहनों की पहचान और निगरानी में पारदर्शिता आएगी। एक वाहन दूसरे वाहन का टैग इस्तेमाल नहीं कर सकेगा और परिवहन से जुड़ी गड़बड़ियों पर अंकुश लग सकेगा। हालांकि, उनकी मुख्य मांग पुराने चालानों को निष्प्रभ जांच कराने की है। कारोबारियों का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद पुराने सिस्टम की तकनीकी खामियों से जुड़े मामलों का भी समाधान होना चाहिए। गलत तरीके से जारी किए गए नोटिसों की जांच के बिना उनसे जुर्माना वसूलना उचित नहीं है।

आपूर्ति रुकी तो निर्माण की लागत और समय दोनों बढ़ेंगे

12 नवंबर से हड़ताल हुई तो इसका असर सिर्फ खनन कारोबार तक सीमित नहीं रहेगा। निर्माण क्षेत्र में रेत, गिट्टी और मुरम बुनियादी सामग्री हैं। इनकी आपूर्ति बाधित होने पर सरकारी परियोजनाओं के साथ निजी निर्माण कार्यों की गति भी प्रभावित हो सकती है। निर्माण सामग्री की उपलब्धता घटने से कीमतों में बढ़ोतरी और परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ने की आशंका भी रहेगी। भोपाल क्रेशर संचालक संगठन के अध्यक्ष अशोक शिवहरे ने चेतावनी दी है कि यदि शासन ने पुराने चालानों की निष्प्रभ जांच नहीं कराई तो 12 नवंबर से प्रदेशभर के क्रेशर संचालक हड़ताल पर चले जाएंगे। कारोबारियों की इस चेतावनी ने खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था और निर्माण परियोजनाओं के लिए सामग्री की निर्बाध आपूर्ति, दोनों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब रजिस्ट्री में नहीं छिपा सकेंगे प्रॉपर्टी की असली लोकेशन

भोपाल। जमीन और मकान की रजिस्ट्री में अब कागजों पर लोकेशन बदलकर सरकारी राजस्व को चूना लगाना आसान नहीं होगा। पंजीयन विभाग ने संपत्तियों की पहचान को डिजिटल मैप से जोड़कर रजिस्ट्री प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब संपत्ति की लोकेशन केवल विक्रेता या दस्तावेज में दिए गए पते के भरोसे तय नहीं होगी, बल्कि डिजिटल मैप पर उसकी वास्तविक स्थिति भी देखी जा सकेगी।

भोपाल जिले में कलेक्टर गाइडलाइन की 4,113 लोकेशन की जियो टैगिंग कर उन्हें संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर से जोड़ दिया गया है। इस व्यवस्था से रजिस्ट्री के दौरान प्लॉट की भौगोलिक स्थिति का मिलान करना आसान होगा। खासतौर पर उन मामलों में गड़बड़ी पकड़ने में मदद मिलेगी, जहां मुख्य सड़क या कॉर्नर पर स्थित महंगी जमीन को गली के अंदर अथवा कम मूल्य वाली लोकेशन बताकर रजिस्ट्री कराई जाती है।

लोकेशन के हिसाब से तय होगी संपत्ति की कीमत

अब किसी प्लॉट की पहचान सिर्फ उसके पते से नहीं होगी। डिजिटल मैप पर यह भी देखा जा सकेगा कि संपत्ति मुख्य सड़क पर है या अंदरूनी गली में, कॉर्नर पर है या दो भूखंडों के बीच स्थित है। उसकी दिशा और वास्तविक लोकेशन का पता भी लगाया जा सकेगा। इससे कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार संपत्ति का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी।

ग्रामीण संपत्तियां भी दायरे में

इस डिजिटल व्यवस्था का दायरा सिर्फ नगर निगम क्षेत्र तक सीमित नहीं रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों की संपत्तियों को भी इसमें शामिल किया गया है। प्रत्येक लोकेशन को डिजिटल पहचान मिलने से रजिस्ट्री के समय संपत्ति का भौगोलिक सत्यापन किया जा सकेगा। इससे लोकेशन के गलत विवरण के आधार पर कम स्टांप ड्यूटी चुकाने की कोशिशों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

संपत्ति के मालिक और टैक्स का भी पता चलेगा

संपदा 2.0 में प्रॉपर्टी आईडी डालने पर वर्तमान मालिक का नाम भी सामने आ सकेगा। इससे खरीदार को संपत्ति के स्वामित्व की जानकारी हासिल करने में सुविधा होगी। वहीं, नगर निगम को संपत्ति कर के बकाया की पहचान और वसूली में भी मदद मिल सकती है। रजिस्ट्री के दौरान स्टांप ड्यूटी की गणना में भी यह जानकारी उपयोगी होगी।

राजस्व नुकसान रोकने की कवायद

दरअसल, संपत्ति की वास्तविक लोकेशन और कलेक्टर गाइडलाइन की दरों में अंतर का फायदा उठाकर स्टांप ड्यूटी बचाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। जियो टैगिंग के जरिए विभाग ने ऐसी गड़बड़ियों की गुंजाइश कम करने की कोशिश की है। वरिष्ठ जिला पंजीयक स्वपनेश शर्मा के अनुसार, कलेक्टर गाइडलाइन की सभी लोकेशन की जियो टैगिंग कर ली गई है। इससे रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जीवाड़े पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

पॉच महीने बाद भी नहीं मिली पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को जमानत

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक्ट्रेस दिव्शा शर्मा की मौत के मामले में उनकी सास और पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका एमपी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने जमानत आदेश में केस डायरी के हवाले से बताया कि घटना के बाद गिरिबाला ने ऊंचे पदों पर बैठे कुछ प्रभावशाली लोगों से कथित तौर पर संपर्क किया था। अदालत ने इस मामले में आगे जांच की जरूरत बताई है। जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने 26 अक्टूबर को आदेश पारित किया था। इस पर 4 नवंबर को हस्ताक्षर हुए। आदेश में कहा गया है कि केस डायरी में मौजूद सामग्री घटना के बाद गिरिबाला की ओर से उच्च पदों पर बैठे प्रभावशाली लोगों से संपर्क किए जाने की ओर संकेत करती है। कोर्ट ने इन संपर्कों से जुड़ी परिस्थितियों की आगे जांच करने की जरूरत बताई है। हालांकि, आदेश में किसी व्यक्ति का नाम, पद, बातचीत का समय या संपर्क के माध्यम का ब्योरा नहीं दिया गया है। इसलिए फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि गिरिबाला ने किन लोगों से संपर्क किया था। हाईकोर्ट ने जमानत पर विचार करते समय लंबित फोरेंसिक और डिजिटल जांच को भी अहम माना। दिव्शा के आईफोन से डेटा एक्सट्रैक्शन की रिपोर्ट आना बाकी है। कोर्ट के मुताबिक, इससे घटना से जुड़े अतिरिक्त तथ्य सामने आ सकते हैं और संभावित गवाहों की पहचान में मदद मिल सकती है। गौरतलब है कि गिरिबाला सिंह 2 जून 2026 से जेल में हैं।

दोस्त पर कातिलाना हमला करने वाले को 3 साल की जेल

भोपाल। अपर सत्र न्यायाधीश संजय वर्मा की कोर्ट ने डेढ़ लाख की उधारी को लेकर चल रहे विवाद पर दोस्तों पर लकड़ी के डंडे से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने के मामले के आरोपियों राजेश यादव पुत्र रघुवीर यादव (36) निवासी बैरागढ़ चीचली कोलार रोड और सुमित मेहरा पुत्र ज्ञान सिंह मेहरा (29) निवासी गेंहूखेड़ा कोलार रोड को दोषी करार हुए तीन साल के कठोर कारावास और पांच-पांच हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। मिली जानकारी के मुताबिक 17 जनवरी 2023 को रात के 11:30 बजे फरियादी रोनित मीना और उसके दोस्त सऊद खान को आरोपी राजेश यादव और सुमित मेहरा ने अकबरपुर दानिश कुंज कोलार पर रोककर को लेकर लाठी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। फरियादी सऊद खान ने आरोपी सुमित मेहरा से डेढ़ लाख रुपया उधार लिया था। उधारी की रकम को लौटाने को लेकर उनके बीच मनमुटाव चल रहा था।

प्रमुख सचिव की मंजूरी अनिवार्य वरना बंद कर दी जाएंगी फाइलें

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार ने प्रमुख सचिव और सचिव की अनुमति के बिना सामान्य प्रशासन विभाग से सीधे पत्राचार करने के मामले में नाराजगी जताई है। विभाग का कहना है कि अधिकारी आधी-अधूरी जानकारी के साथ फाइलें भेजते हैं। जिलों या अन्य कार्यालयों से मार्गदर्शन मांगने वाले अधिकारी भी प्रस्ताव भेजने से पहले उसका गहन विश्लेषण नहीं करते हैं। अब बिना उचित परीक्षण, आवश्यक जानकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के भेजी जाने वाली फाइलों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। ऐसे प्रकरणों को बिना कार्रवाई के नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागों, राजस्व मंडल अध्यक्ष, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि शासकीय विभागों से परामर्श या मार्गदर्शन के लिए भेजी जाने वाली फाइलों का उचित परीक्षण किए बिना भेजना ठीक नहीं है।

पहले नियमों और सर्कुलर का परीक्षण करें विभाग

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रशासकीय विभागों को किसी भी प्रकरण को भेजने से पहले अपने स्तर पर उपलब्ध नियमों, परिपत्रों और दिशा-निर्देशों का गंभीरता से परीक्षण करना होगा। इसके बाद ही जरूरत होने पर स्पष्ट बिंदुओं के साथ परामर्श के लिए फाइल भेजी जाए। संबंधित प्रकरण प्रमुख सचिव या सचिव के अनुमोदन के बाद ही भेजे जाएं।

अधूरी फाइलों पर नहीं होगा पत्राचार

आदेश में दो टूक कहा गया है कि निर्धारित निर्देशों और सामान्य प्रशासन विभाग के पहले जारी परिपत्रों का परीक्षण किए बिना भेजी जाने वाली नस्तियों और पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में विभाग की ओर से कोई पत्राचार भी नहीं किया जाएगा और प्रकरणों को नस्तीबद्ध कर दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि पहले भी कई बार सर्कुलर जारी कर विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद इनका सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। कई विभाग अपने स्तर पर प्रकरणों का सूक्ष्म परीक्षण किए बिना और उपलब्ध नियमों एवं निर्देशों को देखे बिना ही फाइलें सामान्य प्रशासन विभाग को भेज रहे हैं।

दीपावली पर घर लौटने की राह महंगी

भोपाल। दीपावली पर घर पहुंचने की जल्दबाजी में यात्रियों की मजबूरी बस ऑपरेटरों के लिए कमाई का मौका बन गई है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग और कन्फर्म टिकट नहीं मिलने से बसों की ओर रुख कर रहे यात्रियों को अब यहां भी राहत नहीं मिल रही। त्योहार का हवाला देकर बस संचालकों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इंदौर से भोपाल आने वाले यात्रियों को भी बढ़े हुए किराये और सीटों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

त्योहारी सीजन में इंदौर से भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों के लिए बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। घर लौटने वाले विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और अन्य यात्रियों की भीड़ के बीच कई बसें निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर चल रही हैं। स्थिति यह है कि अतिरिक्त किराया चुकाने के बाद भी यात्रियों को आरामदायक सफर और आरक्षित सीट की गारंटी नहीं मिल रही।

त्योहार के नाम पर बढ़ा दिया किराया

भोपाल-अहमदाबाद रूट पर फ्लाइट का टिकट 5,500 से 6,500 रुपये के बीच दिख रहा है, जबकि अन्य ट्रैवल्स की लग्जरी बस का किराया 7,000 रुपये तक पहुंच गया है। यानी बस का टिकट फ्लाइट से करीब आठ से 27 प्रतिशत तक महंगा हो गया है। भोपाल-रीवा रूट पर फ्लाइट का टिकट करीब 3,700 रुपये है, जबकि स्लीपर बस का किराया 5,000 रुपये मिल रहा है। यह हवाई टिकट से करीब 35 प्रतिशत ज्यादा है। भोपाल-ग्वालियर रूट पर जय भवानी ट्रैवल्स की बस का टिकट 10 हजार रुपये तक है।

विद्यार्थियों की बढ़ी परेशानी

भोपाल में पढ़ाई करने वाले बड़ी संख्या में विद्यार्थी दीपावली पर भोपाल और आसपास के जिलों में अपने घर लौटते हैं। सीमित बजट में रहने वाले इन विद्यार्थियों के सामने अब दोहरी मुश्किल है। ट्रेनों में टिकट उपलब्ध नहीं हैं और बसों में सामान्य दिनों से अधिक किराया देना पड़ रहा है। नौकरीपेशा लोगों को भी परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

नियम से ज्यादा किराया वसूली पर कार्रवाई का दावा

नियमों के मुताबिक परमिट रूट पर सामान्य बसों का किराया दो रुपये प्रति किलोमीटर निर्धारित है। डीलक्स बसों में 25 प्रतिशत और डीलक्स एसी बसों में 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त किराया लिया जा सकता है। इसके बावजूद सामान्य और डीलक्स बसों में भी निर्धारित दरों से अधिक वसूली की शिकायतें सामने आई हैं।

टीईटी के लिए मशिमं ने जारी किए मॉडल पेपर

दिसंबर में होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा, हर साल दो बार होगी परीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। दिसंबर में प्रस्तावित परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मॉडल प्रश्नपत्र अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इससे परीक्षा में शामिल होने वाले शिक्षक अब घर बैठे प्रश्नपत्रों के जरिए परीक्षा के पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम को समझकर तैयारी कर सकेंगे। इस बार टीईटी परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा मंडल को सौंपी गई है। इससे पहले कर्मचारी चयन मंडल परीक्षा आयोजित करता था। न्यायालय के निर्देश के बाद शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने से परीक्षा का महत्व बढ़ गया है।

प्रदेश में अब तक करीब 34 हजार शिक्षक परीक्षा के लिए पंजीयन करा चुके हैं। इनमें लगभग 20 हजार निजी स्कूलों और 14 हजार सरकारी स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। प्रदेश में सरकारी और निजी स्कूलों को मिलाकर शिक्षकों की कुल संख्या करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है। इस लिहाज से अब तक पंजीयन कराने वाले शिक्षकों की संख्या कुल शिक्षक संख्या की तुलना में काफी कम है।

वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल पेपर

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा की तैयारी में जुटे शिक्षकों की सुविधा के लिए मॉडल प्रश्नपत्र जारी किए हैं। इनके माध्यम से शिक्षक परीक्षा के प्रश्नों की प्रकृति, कठिनाई का स्तर और पाठ्यक्रम के अनुरूप अपनी तैयारी का आकलन कर सकेंगे। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए इन मॉडल पेपर को अभ्यास का आधार बनाया जा सकता है।

2028 तक छह अवसर, हर साल दो परीक्षाएं

शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिया गया है। इस अवधि में परीक्षा पास करने के लिए कुल छह अवसर उपलब्ध कराने की योजना है। इसके तहत हर साल दो बार परीक्षा आयोजित की जाएगी। यानी दिसंबर की परीक्षा में सफल नहीं होने वाले शिक्षकों को आगे भी अवसर मिलेंगे।

न्यायालय के निर्देश के बाद बढ़ी अहमियत

न्यायालय के निर्देश के बाद शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य किया गया है। हालांकि, उन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए पर्याप्त अवसर देने का प्रावधान है। दिसंबर में प्रस्तावित परीक्षा इसी प्रक्रिया की पहली महत्वपूर्ण कड़ी होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल स्तर पर आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

दिवाली पर गहरा सकता है बिजली संकट

- 45 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों का अल्टीमेटम, 7- 8 नवंबर को काम बंद आंदोलन की चेतावनी

भोपाल । मध्य प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अब बिजली विभाग के कर्मचारियों ने भी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। आगामी दिवाली के त्योहार पर प्रदेशभर में अंधेरे का संकट गहरा सकता है। प्रदेश की छह बिजली कंपनियों में कार्यरत लगभग 45 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 7 और 8 नवंबर को 'काम बंद आंदोलन' की चेतावनी दी है। त्यौहार के मौके पर न कचरा उठने और न ही बिजली बंद होने पर सुधरने की स्थिति से आम जनता की मुश्किलें बढ़ना तय माना जा रहा है।

प्रास जानकारी के अनुसार, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी के गोविंदपुरा स्थित 'निष्ठा परिसर' में आउटसोर्स कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो वे 7 और 8 नवंबर को पूरे प्रदेश में दो दिवसीय काम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे। आउटसोर्स कर्मचारी बिजली व्यवस्था के रखरखाव और तकनीकी फॉल्ट सुधारने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में दिवाली के त्यौहार के ठीक पहले उनकी इस चेतावनी से पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया है।

वेतन वृद्धि और ठेका प्रथा बंद करने की मांग

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन-प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में वेतन में सम्मानजनक वृद्धि, संविलियन/नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू करना और बिजली विभागों से ठेका प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन की राह पर जाने बढ़ने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा है। यदि 7 और 8 नवंबर को यह हड़ताल होती है, तो दिवाली के दौरान बिजली सप्लाई ठप होने पर सुधार कार्य पूरी तरह प्रभावित हो सकता है।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली के खिलाफ शिकायत

भोपाल। सिहस्थ के आयोजन के लिए वक्फ की जमीन दिए जाने संबंधी बयान को लेकर मप्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन सत्तार पटेल ने एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पटेल का आरोप है कि ऐसे बयान देकर दो धार्मिक समुदायों के बीच दूरी बढ़ाने और वैमनस्य फैलाने की कोशिश है। शाहजहानाबाद पुलिस ने धार्मिक समुदायों के बीच दुश्मनी बढ़ाने, मानहानिकारक सामग्री के प्रकाशन और आपराधिक साजिश से संबंधित प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

होमगार्ड जवानों को अब 12 महीनों का मिलेगा वेतन

भोपाल। मध्यप्रदेश के 9,110 होमगार्ड जवानों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश सरकार हर तीन साल में दो महीने बिना वेतन घर बैठने की व्यवस्था यानी कॉल ऑफ नियम को समाप्त करने की तैयारी कर रही है। इसके बाद जवानों को पूरे 12 महीने काम और वेतन मिल सकेगा। डीजी होमगार्ड प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने इस संबंध में प्रस्ताव गृह विभाग को भेज दिया है। गृह विभाग से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव कैबिनेट में रखा जाएगा। वर्तमान व्यवस्था के कारण जवानों को दो महीने परिवार के खर्च चलाने में परेशानी होती है। इस नियम को खत्म करने से सरकार पर सालाना करीब 18.74 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है सरकार - उमंग

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री फेलो भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भर्ती प्रक्रिया में नियमों और तिथियों में अचानक बदलाव किए जाने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को पारदर्शी अवसर देना नहीं, बल्कि अपने चहेतों और आरएसएस-भाजपा से जुड़े लोगों को पिछले दरवाजे से उपकृत करना है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया और बयानों के जरिए सरकार को घेरते हुए कहा कि सीएम फेलो भर्ती के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि पहले 11 नवंबर निर्धारित थी, जिसे अचानक घटाकर 6 नवंबर कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों की गई और अंतिम तारीख घटाने के पीछे क्या मंशा थी? उमंग सिंघार ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, जबलपुर सहित 9 जिलों में सीएम फेलो के पदों पर भर्ती के लिए न तो कोई बड़ा विज्ञापन जारी किया गया और न ही उचित सार्वजनिक सूचना दी गई। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि किसी खास व्यक्ति की कुर्सी पहले ही पक्की करनी थी, इसीलिए यह पूरा खेल रचा गया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार की मौजूदा भर्ती व्यवस्था पूरी तरह से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बन चुकी है। उमंग सिंघार ने सरकार से कड़े शब्दों में जवाब मांगते हुए कहा है कि जब पीछे के दरवाजे से ही चहेतों को नियुक्त करने का मन बना लिया गया था, तो इस तरह की भर्ती का ढोंग क्यों रचा जा रहा है? उन्होंने मांग की है कि युवाओं के साथ हो रहा यह अन्याय तुरंत बंद किया जाए और भर्ती प्रक्रिया में बरती गई अनियमितता पर सरकार स्पष्टीकरण दे।

जवाब नहीं दिया तो छिन जाएगा पक्ष रखने का अधिकार

- मीनाक्षी नटराजन की चुनाव याचिका पर हाईकोर्ट सख्त; तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को आखिरी अल्टीमेटम

भोपाल । मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्यसभा चुनाव से जुड़ी याचिका में तीन राज्यसभा सांसदों को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्धारित समय में जवाब पेश नहीं करने पर उनका पक्ष रखने का अधिकार समाप्त कर दिया जाएगा। कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन की चुनाव याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने यह सख्त रुख अपनाया। मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। जिन तीन नेताओं को अंतिम अवसर दिया गया है, उनमें तरुण चुग, रजनीश कुमार अग्रवाल और महेश केवट शामिल हैं। याचिका में महेश केवट के राज्यसभा निर्वाचन को चुनौती दी गई है। कोर्ट के इस आदेश से अब तीनों पक्षकारों के लिए जवाब दाखिल करना जरूरी हो गया है। दरअसल, राज्यसभा चुनाव के दौरान तेलंगाना में लंबित एक आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने के आरोप में चुनाव आयोग ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया था। इस फैसले को मीनाक्षी नटराजन और कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जाने की सलाह मिली थी। इसके बाद मीनाक्षी नटराजन ने जबलपुर हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर कर भाजपा के निर्वाचित उम्मीदवार महेश केवट के निर्वाचन को निरस्त करने की मांग की। याचिका में तरुण चुग और रजनीश कुमार अग्रवाल को भी पक्षकार बनाया गया है।

चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी पर अलग आदेश

सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी का नाम प्रकरण से हटाने के लिए आवेदन पेश किया गया है। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि निर्वाचन अधिकारी अरविंद शर्मा को व्यक्तिगत रूप से पक्षकार बनाया गया है और वे अपना व्यक्तिगत जवाब दाखिल करेंगे। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के नाम हटाने के आवेदन पर अलग से आदेश पारित किया जाएगा। मीनाक्षी नटराजन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय गुप्ता और अधिवक्ता राजीव मिश्रा ने पैरवी की। वहीं निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ उपस्थित हुए।

बालाघाट
शुक्रवार 06 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

नक्सलवाद से मुक्ति के बाद अब 100 गांवों के विकास पर प्रशासन का फोकस, करोडो के विकास कार्यों का रोडमैप तैयार

कलेक्टर की पत्रकार वार्ता में उठे सवाल दशकों तक विकास से दूर क्यों रहे ये गांव, अब कितना जमीन पर उतरेगा करोड़ों का प्लान ?

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नक्सलवाद के प्रभाव से बाहर आए क्षेत्रों को अब विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कवायद तेज हो गई है। वर्षों तक नक्सल प्रभावित रहे जिले के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए जिला प्रशासन ने मिशन आदि सेवा के अंतर्गत व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के बाद कलेक्टर आदित्य सिंह ने इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर विशेष फोकस किया है। प्रशासन का दावा है कि इन क्षेत्रों में अब केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहा जाएगा, बल्कि ग्रामीणों की जरूरतों के आधार पर विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर उन्हें जमीन पर उतारने की दिशा में काम किया जाएगा। उद्देश्य यह है कि वर्षों तक नक्सलवाद के प्रभाव और विकास की सीमित पहुंच के बीच रहे ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिल सके।

इसी कार्ययोजना और विकास के प्रस्तावित स्वरूप को लेकर 5 नवंबर को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में कलेक्टर आदित्य सिंह ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। इस दौरान उन्होंने मिशन आदि सेवा के तहत चिन्हित 100 गांवों के लिए तैयार किए जा रहे विकास के रोडमैप की जानकारी दी। कलेक्टर के अनुसार अब तक लगभग 70 गांवों का विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जा चुका है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद करें और सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका तथा स्वरोजगार से जुड़ी वास्तविक जरूरतों का आकलन करें। इसी आधार पर अब तक लगभग 330 करोड़ रुपये की लागत के 800 से अधिक विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा चुके हैं। कलेक्टर स्वयं भी इस पूरी प्रक्रिया की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, ताकि प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा सके। सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को भी इस विकास योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है। इन क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को देखते हुए पर्यटन विकास की संभावनाओं पर भी विशेष काम करने की योजना बनाई गई है। प्रशासन की मंशा है कि प्राकृतिक स्थलों और जनजातीय संस्कृति को जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किया जाए, जिससे इन क्षेत्रों को जिले और प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर पहचान मिल सके। इसके



लिए होम स्टे जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं को गाइड, परिवहन, खानपान, आवास और अन्य पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर मिल सकते हैं। प्रशासन का मानना है कि यदि इन क्षेत्रों की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाए तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ग्रामीणों की आय के नए स्रोत भी तैयार हो सकते हैं। पत्रकार वार्ता में विकास के इन बड़े रोडमैप के साथ कई ऐसे सवाल भी सामने आए, जिनका जवाब आने वाले समय में जिला प्रशासन को अपने काम के जरिए देना होगा। सवाल यह है कि जिन गांवों में दशकों तक सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं की पहुंच सीमित रही, आखिर इसके पीछे कारण क्या थे ?, प्रशासनिक तंत्र और शासन की योजनाएं इतने वर्षों तक इन क्षेत्रों के अंतिम छोर तक प्रभावी ढंग से क्यों नहीं पहुंच पाईं ?, क्या पहले भी इन गांवों के विकास के लिए योजनाएं नहीं बनाई गई थीं, यदि बनाई गई थीं तो उनका क्रियान्वयन किस स्तर पर और क्यों प्रभावित हुआ ?, अब जब नक्सलवाद के प्रभाव से बाहर आए इन क्षेत्रों के लिए 330 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का प्रस्ताव तैयार किया गया है, तो क्या यह राशि वास्तव में चिन्हित गांवों तक पहुंचेगी और प्रस्तावित कार्य समयसीमा में पूरे हो सकेंगे ? ऐसे सवाल पत्रकार वार्ता के दौरान प्रमुखता से उठे।

कितना कारगर साबित होगा यह मास्टर प्लान ?

इन सवालों पर कलेक्टर आदित्य सिंह ने भी स्वीकार किया कि पूर्व में इन क्षेत्रों का अपेक्षित विकास नहीं हो पाने को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि पहले किन कारणों से काम नहीं हो पाया और कहां-कहां कमियां रहीं, इस संबंध में वे स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब प्रशासन की कोशिश है कि कार्ययोजना का लाभ शत-प्रतिशत पात्र लोगों और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। लेकिन यहां एक व्यावहारिक चुनौती भी है। जिन क्षेत्रों में आज भी मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट कनेक्टिविटी और आवागमन जैसी समस्याएं बनी हुई हैं, वहां डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक तकनीक आधारित सुविधाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करना कितना आसान होगा ?, करोड़ों रुपये के प्रस्ताव तैयार करना एक महत्वपूर्ण शुरुआत जरूर है, लेकिन इन सुविधाओं को लगातार संचालित रखने के लिए जरूरी संसाधन, कर्मचारियों की उपलब्धता और तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक होगा नक्सलवाद से प्रभावित रहे इन 100 गांवों के लिए तैयार किया गया यह रोडमैप निश्चित रूप से विकास की एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन इन गांवों की समस्याएं केवल कुछ वर्षों की नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही हैं। ऐसे में अधिकारियों द्वारा 70 गांवों का भ्रमण कर उनकी जरूरतों का आकलन करना शुरुआत हो सकती है, परंतु इतने लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को समझने और उनका स्थायी समाधान निकालने के लिए लगातार निगरानी और ग्रामीणों की भागीदारी भी जरूरी होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि प्रस्तावित 800 से अधिक कार्यों में से किन कार्यों को कब स्वीकृति मिलेगी, बजट का आवंटन किस तरह होगा और उनकी जवाबदेही किस अधिकारी की होगी। अब तक योजनाओं और घोषणाओं के बीच विकास की प्रतीक्षा कर रहे इन गांवों के लोगों को इस बार परिणाम का इंतजार है। कलेक्टर ने पत्रकार वार्ता में करोड़ों रुपये के विकास का रोडमैप और प्रशासन की मंशा सामने रख दी है, लेकिन असली परीक्षा तब होगी जब यह योजना कागजों से निकलकर गांवों की सड़कों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, पेयजल व्यवस्था और ग्रामीणों के जीवन में बदलाव के रूप में दिखाई देगी।

बड़ा जागपुर में जमीन विवाद को लेकर कुल्हाड़ी और चाकू से हमला

कुल्हाड़ी-चाकू के वार से पति घायल-बचाने आई पत्नी से भी की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा जागपुर में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। 3 नवंबर की शाम करीब 7 बजे गांव के ही तीन लोगों ने घर में घुसकर एक व्यक्ति पर कुल्हाड़ी और चाकू से हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। बचाव करने आई उसकी पत्नी को भी हाथ-मुक्कों से पीटकर घायल कर दिया। दोनों घायलों अंतराम पिता गंगाराम नेवारे 55 वर्ष और उसकी पत्नि धुरवंती नेवारे 45 वर्ष को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसारअंतराम नेवारे मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है।अंतराम का गांव के ही कुछ लोगों के साथ जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था।4 नवंबर की शाम 7बजे अंतराम अपने घर में था तभी झंकार सिंह उर्वशी, तेजराम लाझेवार और वीर सिंह लाझेवार उसके घर पहुंचे। पुराने जमीन विवाद को लेकर कहासुनी हुई और देखते ही देखते तीनों ने अंतराम पर हमला कर दिया।तीनो ने अंतराम के सिर में कुल्हाड़ी से वार किया और चाकू से भी हमला किया। चाकू का वार अंतराम की नाक के बाईं तरफ लगा।शोर सुनकर पत्नी धुरवंती बीच-बचाव करने आई तो उसे भी हाथ-मुक्कों से मारपीट कर घायल कर दिया। धुरवंती को सिर-मस्तक के अलावा अंदरूनी चोटें भी आई हैं। इसी दौरान धुरवंती ने डायल-112 को फोन कर सूचना दी। डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायल पति-पत्नी को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल अंतराम के बयान लेकर मामला आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस थाना भरवेली को भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब दुकान के पास अंडा विक्रेता से मारपीट-ठेला पलटकर की तोड़फोड़

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ला स्थित शराब दुकान के पास तीन शरारती तत्वों ने अंडा विक्रेता से मारपीट कर उसके अंडे के ठेले को पलटकर तोड़फोड़ कर दी। मारपीट में घायल व्यक्ति लियाकत अली पिता मजीद अली 45 वर्ष वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ला निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लियाकत अली मरारी मोहल्ला स्थित शराब दुकान के सामने ठेले पर अंडे की दुकान लगाते हैं।4 नवंबर की रात्रि करीब 9:30 बजे लियाकत अली अपनी अंडे की दुकान पर थे तभी वहां तरुण यादव, गोल्डी सूर्यवंशी और पदम नामक व्यक्ति पहुंचे और लियाकत अली को गाली-गलौज करने लगे।लियाकत अली ने उन्हें गाली देने से मना किया तो तीनों आवेश में आ गए और हाथ-मुक्कों से उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। इसके बाद तीनो ने उसके अंडे के ठेले को पलटकर क्षतिग्रस्त कर दिया। मारपीट में लियाकत अली को दाहिने हाथ की कोहनी के ऊपर, हाथ के पंजे में तथा अंदरूनी चोटें आईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल-112 की टीम ने घायल लियाकत अली को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया जहां उसका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने लियाकत अली का बयान लेकर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।













स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट